ಶುಭ ಲಾಭ

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

एनडीपीएस के 32 मामले दर्ज, विदेशी नागरिकों समेत 45 गिरफ्तार @नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 11 जुलाई, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-192

अयोध्या में ताबड़तोड़ जमीनें खरीद रहे नेता, पूंजीपति और नौकरशाह

वोट से अयोध्या हार गई भाजपा, नोट से अयोध्या जीत रहे भाजपाई

अयोध्या, 10 जुलाई (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव में भाजपा वोट से अयोध्या हार गई। लेकिन भाजपाई नोट से अयोध्या जीतने में लगे हुए हैं। नौकरशाह भी अयोध्या में जमीन खरीदने की रेस में पिले पड़े हैं। राम मंदिर के उद्घाटन के बाद बड़े पैमाने पर सार्वजनिक-निजी विकास पैकेज ने अयोध्या के इर्द-गिर्द की भूमि को प्रमुख रियल एस्टेट में बदल दिया है। नवंबर 2019 में राम मंदिर निर्माण की अनुमति देने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले से लेकर मार्च 2024 तक हुई भूमि रजिस्ट्री को देखने से पता चलता है कि अयोध्या और आसपास के जिले गोंडा और बस्ती के करीब 25 उन गांवों में भूमि लेनदेन की संख्या में 30 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है, जो मंदिर के 15 किलोमीटर के दायरे में आते हैं। इनमें से कई सौदे परिवार के सदस्यों या विभिन्न दलों के राजनेताओं और सरकारी अधिकारियों से करीबी तौर पर जुड़े लोगों द्वारा किए गए हैं। अयोध्या और आसपास जमीन खरीदने वालों में डिप्टी सीएम से लेकर कई बड़े उद्य-ोगपति भी शामिल हैं।

अरुणाचल प्रदेश के उप मुख्यमंत्री चौना मीन के दोनों बेटे चौ कान सेंग मीन और आदित्य मीन ने सितंबर 2022 और सितंबर 2023 के बीच अयोध्या और गोंडा को अलग करने वाली सरयू नदी के पार महेशपुर (गोंडा) में मंदिर से 8 किलोमीटर दूर 3.99 हेक्टेयर जमीन 3.72 करोड़ रुपए में खरीदी। 25 अप्रैल 2023 को उन्होंने 0.768 हेक्टेयर जमीन 98 लाख रुपए में बेची। आदित्य मीन ने कहा, हमने पर्यटन विकास के लिए जमीन खरीदी है। हम एक होटल बनाएंगे और कुछ लैंडस्केपिंग भी करेंगे। इस साल जून में मीन ने नए अरुणाचल मंत्रिमंडल में फिर से उप मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

तेलंगाना समेत कई राज्यों की कंपनियों ने खरीदी हैं जमीनें

भाजपा के पूर्व सांसद बृज भूषण सिंह के बेटे करण भूषण नंदिनी इंफ्रास्ट्रक्चर के मालिक हैं। उन्होंने राम मंदिर से 8 किलोमीटर दूर महेशपुर (गोंडा) में 0.97 हेक्टेयर जमीन जनवरी 2023 में 1.15 करोड़ रुपए में खरीदी। इसके बाद उन्होंने जुलाई 2023 में 635.72 वर्ग मीटर जमीन 60.96 लाख रुपए में बेच दी। जून 2024 में करण भूषण कैसरगंज के नए भाजपा सांसद चुने गए।

उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के प्रमुख एडिशनल डीजीपी अमिताभ यश (आईपीएस) की मां गीता सिंह ने फरवरी 2022 से 2 फरवरी 2024 के बीच महेशपुर और दुर्गागंज (गोंडा) और मऊ यदुवंशपुर (अयोध्या) में मंदिर से 8-13 किलोमीटर दूर 9.955 हेक्टेयर कृषि भूमि 4.04 करोड़ रुपए में खरीदी। इनमें से उन्होंने 16 अगस्त 2023 को महेशपुर में 0.505 हेक्टेयर जमीन 20.40 लाख रुपए में बेची। अमिताभ यश से जब इस संबंध में टिप्पणी के लिए अनुरोध किया गया तो उन्होंने इसका जवाब नहीं दिया। ▶10पर

रूस में दिखा मोदी का जलवा तो अमेरिका भी हुआ मुरीद

भारत खत्म करा सकता है रूस-यूक्रेन युद्धः अमेरिका

आतंकवाद की पसंदीदा परिभाषा नहीं हो सकती: पीएम मोदी

भारत ऑस्ट्रिया ने कहा, आतंकवाद किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं

ऑस्ट्रिया के चांसलर नेहमार ने सोशल मीडिया पर साझा की सेल्फी

वियना, 10 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस यात्रा के बाद अमेरिका ने भी भारतीय विदेश नीति का लोहा मान लिया है। अमेरिका ने कहा है कि भारत रूस के साथ अपनी पुरानी दोस्ती के सहारे यूक्रेन-रूस संघर्ष खत्म करा सकता है। अमेरिका के व्हाइट हाउस ने यह आधिकारिक टिप्पणी जारी की है। अमेरिकी राष्ट्रपति की प्रेस सचिव जीन पियरे ने मीडिया से कहा, भारत हमारा रणनीतिक साझीदार है और --हम उसके साथ सभी मुद्दों पर एकदम खु-लेपन से बात करते हैं। इन मुद्दों में उसके रूस के साथ रिश्ते भी शामिल हैं। हमने इस मामले पर पहले भी बातचीत की है। हमें लगता है कि यह जरूरी है कि भारत समेत सभी देश यूक्रेन के मामले में स्थायी शांति हासिल करने के प्रयासों को समर्थन दें। जीन पियरे ने कहा, अमेरिका ने भारत से इस मामले में सहयोग करने का आग्रह किया है। भारत के रूस के साथ उसके पुराने रिश्ते भारत को यह क्षमता भी देते हैं कि वह रूसी राष्ट्रपति पुतिन से युद्ध हो खत्म करने की बात कह सके। अमेरिका ने कहा कि युद्ध रूस द्वारा चालू किया गया था ▶10पर

विश्व मीडिया में सुर्खियों में छाए रहे पीएम मोदी

चीन की एक अन्य मीडिया रिपोर्ट में भी पीएम मोदी की इस यात्रा को अमेरिका के लिए एक निराशाजनक कदम बताया है। ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट में विश्लेषकों का कहना है कि रूस और भारत के बीच घनिष्ठ संबंधों का मतलब है कि यूक्रेन संकट शुरू होने के बाद से रूस को रोकने और अलग-थलग करने के अमेरिका के निरंतर प्रयास विफल हो गए हैं। हालांकि, भारत की संतुलित कूटनीति न केवल अपने हितों के अनुरूप है, बल्कि वैश्विक रणनीतिक संतुलन में भी योगदान देती है, जिसे लंबे समय से अमेरिकी नेतृत्व से चुनौती मिली है। ▶10पर

मोदी-पुतिन की अंतरंगता देख कर चिढ़ गया चीन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया रूस यात्रा से विश्व की राजनीति में हलचल पैदा हो गई है। कोई इस यात्रा को अमेरिका के लिए चिंताजनक बता रहा तो कोई चीन के लिए। भारत के प्रधानमंत्री के रूप में लगातार तीसरी बार शपथ लेने के बाद यह मोदी की पहली द्विपक्षीय यात्रा है। परंपरागत रूप से पीएम मोदी ने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत के पड़ोसी देशों रूस और ऑस्ट्रिया को चुना है, जिसमें भारत के पड़ोस को विदेश नीति की प्राथमिकता के रूप में महत्व दिया गया है। ▶10पर

रायबरेली की जनता ने राहुल गांधी से पूछा

किस धर्म के हो स्पष्ट करो

रायबरेली, 10 जुलाई (एजेंसियां)।

लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी मंगलवार को एक दिवसीय दौरे पर रायबरेली पहुंचे थे। उनके आगमन पर शहर में विभिन्न जगहों पर राहुल गांधी जवाब दो, अपना धर्म स्पष्ट करो के पोस्टर लगाए गए थे। पोस्टर में राहुल गांधी द्वारा संसद में हिंदुओं पर दिए गए बयान का उल्लेख किया गया है और उनके धर्म पर भी सवाल खड़े किए गए थे।

रायबरेली में मंगलवार को शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के सिविल लाइन चौराहा सहित अन्य चौराहा के पास जिस रास्ते से राहुल गांधी अपने सांसद आवास भुएमऊ गेस्ट हाउस पहुंचे, उन रास्तों पर ये पोस्टर पटे पड़े थे। पोस्टर में लिखा था, राहुल गांधी जवाब दो, अपना धर्म स्पष्ट करो। आपको अपना अमूल्य मत देने वाला रायबरेली का हिंदू मतदाता क्या हिंसक है? आप किस धर्म के हो स्पष्ट करो। आप हिंदू धर्म को मानते हो या नहीं, रायबरेली का हिंदू मतदाता आपको क्या भविष्य में गाली खाने के लिए वोट देगा? पोस्टर में संसद भवन में राहुल गांधी की बोलते हुए समय की तस्वीर भी लगाई गई थी।

रायबरेली में जगह-जगह लगे पोस्टर, हिंदू विरोधी बयान की निंदा

हिंदू हिंसक हैं तो सिर तन से जुदा करने का नारा कौन लगाता है?

उल्लेखनीय है कि संसद में भाषण देते हुए राहुल गांधी ने एक बार फिर प्रमाणित कर दिया था कि हिंदुओं के प्रति उनके मन कलुष भरा हुआ है। हिंदू समाज पर विष उगलते हुए, हिंदुओं पर चौबीस घंटा हिंसा, हिंसा, हिंसा। नफरत, नफरत, नफरत करने का आरोप लगाने वाले राहुल गांधी से पूरा देश यह पूछ रहा है कि भारत की खंडित आजादी किन लोगों के द्वारा किए गए डायरेक्ट एक्शन और कत्लेआम का परिणाम थी? और जब देश के दो टुकड़े हो गए तो भारत और पाकिस्तान, इन दोनों देशों में हिंदू और मुस्लिम जनसंख्या का क्या अनुपात था? और आज क्या अनुपात रह गया? यह एक गंभीर प्रश्न है जो सारे उत्तर स्वत: ही दे देता है कि हिंसा कौन करता है और कौन हिंसा का भुक्तभोगी है। यह राहुल गांधी को समझ में क्यों नहीं आ रहा है? 1947 में पूर्वी पाकिस्तान, जो बाद में बांग्लादेश बना, वहां हिंदू आबादी 33 प्रतिशत थी। आज वह 7 प्रतिशत पर सिमट गई है। ▶10पर

खालिस्तानियों ने भाजपा नेताओं को दी खुली धमकी

भाजपा छोड़ो, नहीं तो मारे जाओगे

चंडीगढ़, 10 जुलाई (एजेंसियां)।

पंजाब में कट्टरपंथियों और अलगाववादियों की सक्रियता काफी बढ़ गई है। कुछ दिन पहले लुधियाना में क्रांतिकारी सुखदेव के रिश्तेदार शिवसेना नेता संदीप थापर पर तीन निहंगों द्वारा हमला किए जाने के बाद अब भाजपा नेताओं को पार्टी छोड़ने की धमकी दी जा रही है। भाजपा नेताओं से कहा जा रहा है कि पार्टी छोड़ो या दुनिया छोड़ने को तैयार रहो। पंजाब भाजपा के चार बड़े नेताओं को जान से मारने की धमकी दी गई है। एक प्लास्टिक थैली में धमकी भरा पत्र चंडीगढ़ स्थित पंजाब भाजपा कार्यालय पहुंचा। इस थैली में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव मनजिंदर सिंह सिरसा, भाजपा सिख समन्वय समिति और राष्ट्रीय रेलवे कमेटी के सदस्य तेजिंदर सिंह सरां और भाजपा महासचिव परमिंदर बराड़ को जान से मारने की धमकी वाला पत्र मिला। ▶10पर

तेलंगाना के इंजीनियर ने किया सनसनीखेज खुलासा

चीनी जालसाजों की कैद में हैं 3000 भारतीय

हैदराबाद, 10 जुलाई (एजेंसियां)।

तीन हजार से अधिक भारतीय इंजीनियर और आईटी विशेषज्ञ चीनी जालसाजों की कैद में हैं। इनमें महिलाएं भी शामिल हैं, जिन्हें चीनी माफिया ने बंधक बना कर रखा है और उन्हें न्यूड वीडियो कॉल करके अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फोन और वीडियो सेक्स का धंधा करा रहे हैं। भारतीय दूतावास के हस्तक्षेप से 10 भारतीय चीनियों की कैद से छूट पाए हैं। इनमें तेलंगाना का एक इंजीनियर भी शामिल है। उसने कई सनसनीखेज खुलासे किए हैं। चीनी माफिया ने भारतीयों और कुछ अन्य देश के युवकों को दक्षिण एशियाई दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों में अलग-अलग स्थान पर कैद कर रखा है। इनमें प्रमुख रूप से कम्बोडिया और म्यांमार शामिल हैं।

भारतीय दूतावास के हस्तक्षेप से छूट पाए 10 लोग

बंधक बनीं महिलाओं से कराते हैं न्यूड वीडियो कॉल

तेलंगाना के एक इंजीनियर ने दावा किया है कि चीन के साइबर अपराधियों के चक्कर में कई भारतीय कम्बोडिया में गुलाम बना कर रखे गए हैं। इन पीड़ितों की तादाद लगभग 3000 के आसपास बताई गई है, जिसमें कई महिलाएं शामिल हैं। इन महिलाओं का प्रयोग हनीट्रैप जैसी घटनाओं में न्यूड कॉल तक के लिए किया जा रहा है। ▶10पर

हैदराबाद हाईकोर्ट के निर्णय पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर

मुस्लिम महिलाओं को भी पति से मिलेगा गुजारा भत्ता

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने तलाकशुदा महिलाओं को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मुस्लिम महिलाओं को भी गुजारा भत्ता पाने का कानूनी अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोई भी मुस्लिम तलाकशुदा महिला सीआरपीसी की धारा 125 के तहत गुजारे भत्ते के लिए अर्जी दाखिल कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह धारा सभी महिलाओं पर लागू होती है, चाहे वह किसी भी धर्म की हो। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने यह फैसला सुनाया।

सुप्रीम कोर्ट ने साफ-साफ कहा कि देश में सेकुलर कानून ही चलेगा। ▶10पर

शेयर मार्केट

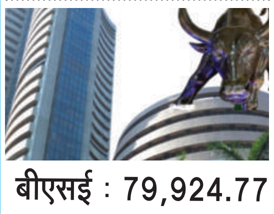

बीएसई : 79,924.77 -426.87 -0.53% ↓

एनएसई :24,324.45 -108.75 (-0.45%) ↓

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30°
न्यूनतम : 20°

पहली बार किसी भारतीय को मिला रूस का सर्वोच्च सम्मान

यह सम्पूर्ण भारतवासियों का सम्मान है : योगी

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पीएम मोदी को ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल से सम्मानित किया। यह रूस का सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार है। नरेंद्र मोदी को यह सम्मान देने की घोषणा वर्ष 2019 में की गई थी। नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति को धन्यवाद देते हुए यह सम्मान भारत की जनता को समर्पित किया। रूस के इस सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान की शुरुआत 300 साल पहले हुई थी और पीएम मोदी यह सम्मान पाने वाले पहले भारतीय नेता हैं।

रूस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से पहले भी कई देशों ने नरेंद्र मोदी को अपने देश का सर्वोच्च सम्मान दिया है। ▶10पर

विभिन्न देशों में पीएम मोदी को मिले सम्मान

01) जून 2023 में मिस्र द्वारा ऑर्डर ऑफ द नाइल पुरस्कार से सम्मानित
02) मई 2023 में पापुआ न्यू गिनी द्वारा कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहू से सम्मानित
03) मई 2023 में कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी पुरस्कार से सम्मानित
04) मई 2023 में पलाऊ गणराज्य द्वारा एबाकल पुरस्कार से सम्मानित
05) 2021 में भूटान द्वारा ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्यालपो पुरस्कार से सम्मानित
06) 2020 में अमेरिकी सरकार द्वारा लीजन ऑफ मेरिट पुरस्कार से सम्मानित
07) 2019 में बहरीन द्वारा किंग हमाद ऑर्डर ऑफ द रेनेसां पुरस्कार से सम्मानित
08) 2019 में मालदीव द्वारा ऑर्डर ऑफ द डिस्टिंग्विश्ड रूल ऑफ निशान इज्जुद्दीन से सम्मानित
09) 2019 में रूस द्वारा ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू पुरस्कार से सम्मानित
10) 2019 में यूएई द्वारा ऑर्डर ऑफ जायद अवॉर्ड से सम्मानित
11) 2018 में ग्रैंड कॉलर ऑफ द स्टेट ऑफ फिलिस्तीन अवॉर्ड से सम्मानित
12) 2016 में अफगानिस्तान द्वारा स्टेट ऑर्डर ऑफ गाजी अमीर अमानुल्लाह खान से सम्मानित
13) 2016 में सउदी अरब द्वारा ऑर्डर ऑफ अब्दुलअजीज अल सऊद से सम्मानित

कार्टून कॉर्नर

कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी पर भाजपा विधायक की टिप्पणी के खिलाफ किया प्रदर्शन

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ जिले के कांग्रेस नेताओं ने बुधवार को मेंगलूरु सिटी कॉरपोरेशन (एमसीसी) के सामने भाजपा विधायक डॉ. भरत शेट्टी की राहुल गांधी पर की गई थप्पड़ वाली टिप्पणी के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने सड़क जाम कर दी, जिसके कारण प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हाथापाई हुई। पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया, क्योंकि वे व्यवस्था बनाए रखने की कोशिश कर रहे थे। सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस एमएलसी इवान डिसूजा ने कहा भरत शेट्टी ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी की तुलना कुत्ते से की, लेकिन भरत में कुत्ते जैसी भी इज्जत या बुद्धि नहीं है। मैंने राहुल गांधी का भाषण पांच बार सुना, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे भाजपा राजनीतिक लाभ के लिए लोगों

को बांटने के लिए हिंदुओं का इस्तेमाल करके समाज को नष्ट कर रही है। यहां तक कि हिंदू पुजारियों ने भी राहुल गांधी का बचाव किया और कहा कि उन्होंने हिंदू धर्म का अपमान नहीं किया। हिंदुओं को पता चल गया है कि उन्हें राजनीतिक लाभ के लिए समाज को तोड़ने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है, और उन्होंने पिछले चुनाव में उन्हें सबक सिखाया। भारत चावल कार्यक्रम तीन महीने के भीतर बंद कर दिया गया था, और उनमें इस समस्या को संबोधित करने का साहस नहीं है। जब उन्होंने थप्पड़ वाली टिप्पणी से राहुल गांधी का अपमान किया, तो उन्होंने 140 करोड़ भारतीयों और हमारी संसद का अपमान किया। राहुल गांधी भारत के लिए आशा की किरण हैं। यहां तक कि अमित शाह और मोदी भी राहुल गांधी को जवाब नहीं दे पाए जब उन्होंने उनके सामने बात की। एमजी हेगड़े ने भी विरोध प्रदर्शन में बोलते हुए भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कर्नाटक सरकार ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की है, और हम इसका स्वागत करते हैं। उन्हें अब कानून के सामने जवाब देना चाहिए। मैंने पहले भी कहा है और मैं यह 100 बार कहूंगा, हिंदुत्व भाजपा की संपत्ति नहीं है। अन्य दलों में भी हिंदू हैं। हमें हिंदुत्व का आपका संस्करण नहीं चाहिए। भरत शेट्टी ने कहा कि किसी को राहुल गांधी को थप्पड़ मारना चाहिए। वह खुद ऐसा क्यों नहीं करते? क्या उनमें हिम्मत नहीं है? स्वास्थ्य मंत्री डेंगू से प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं, लेकिन भरत शेट्टी और वेदव्यास कामथ मेंगलूरु के डेंगू और यातायात के मुद्दों को संबोधित नहीं कर रहे हैं।

चिकित्सा समुदाय का अपमान

कई महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, जैसे कि पेपर लीक, नए बने रेलवे स्टेशनों से लीक, हवाई अड्डे और पुलों का गिरना, लेकिन भाजपा गंभीर मुद्दों से लोगों का ध्यान हटाने के लिए हिंदुत्व की बात करके लोगों को गुमराह कर रही है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष हरीश कुमार ने कहा भरत शेट्टी ने अपनी टिप्पणी से चिकित्सा समुदाय का अपमान किया है। उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए और अपनी चिकित्सा पद्धति बंद कर देनी चाहिए। राहुल गांधी को थप्पड़ मारना अपने बच्चों को थप्पड़ मारने के समान नहीं है। मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि पहले हमारी पार्टी के किसी एक सदस्य से भिड़ें। वह इस देश के हिंदू युवाओं को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने राम मंदिर का निर्माण पूरा नहीं किया, लेकिन फिर भी अभिषेक समारोह आयोजित किया। यह हिंदुओं का अपमान है और अयोध्या के लोगों ने उन्हें सबक सिखाया है।

सांसद रमेश जिगाजिनागी ने केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल न किए जाने पर जताई नाराजगी

विजयपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो।

वरिष्ठ भाजपा नेता और सांसद रमेश जिगाजिनागी ने केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल न किए जाने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि दक्षिण भारत में सात बार लोकसभा के लिए चुने गए एकमात्र दलित होने के कारण उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया। विजयपुरा में मंगलवार शाम को पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा मुझे मंत्री पद नहीं चाहिए, मुझे लोग चाहिए। जब मैं नई दिल्ली से वापस आया, तो लोगों ने मुझे कोसा। उन्होंने मुझसे कहा कि पार्टी दलित विरोधी है और मुझे इसमें शामिल नहीं होना चाहिए। दलित समुदाय के कई नेताओं ने मुझसे बहस की। उन्होंने कहा यह कैसा अन्याय है? मैं सात आम चुनावों में पूरे दक्षिण भारत से निर्वाचित होने वाला एकमात्र दलित हूं। सभी उच्च जाति के नेताओं को कैबिनेट में मौका मिला। क्या दलितों ने भाजपा का समर्थन नहीं किया? मैं केवल इतना कह सकता हूं कि मैं इस घटनाक्रम से दुखी हूं। जिगाजिनागी सात बार के सांसद हैं, जिन्होंने चिक्कोडी (एससी) निर्वाचन क्षेत्र से लगातार तीन बार और बीजापुर (एससी) सीट से चार बार चुनाव जीता है। अपने चार दशक से अधिक लंबे राजनीतिक करियर में वे कभी भी संसदीय चुनाव नहीं हारे हैं। कर्नाटक के पूर्व मंत्री, वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहली सरकार में 2016 से 2019 तक पेयजल और स्वच्छता राज्य मंत्री रहे थे।

चड्डी-बनियान गिरोह के हमले में दो पुलिसकर्मी घायल

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पुलिस ने बताया कि बुधवार को मध्य प्रदेश के चड्डी-बनियान गिरोह के सदस्यों ने मुल्की के निकट महाजर (अपराध स्थल का पुनर्निर्माण) के दौरान कथित तौर पर उन पर हमला किया, जिसमें दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। गिरोह के चार सदस्यों को मंगलवार को हासन के सकलेशपुर से गिरफ्तार किया गया और उन्हें मुल्की लाया गया, जहां से वे 8 जुलाई को कोटेकानी इलाके में 15 लाख रुपये की नकदी और आभूषण लूटने और एक बुजुर्ग दंपति को घायल करने के बाद बेंगलूरु की ओर भाग गए थे। पुलिस ने बताया कि सकलेशपुर पुलिस और केएसआरटीसी (कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम) के अधिकारियों की मदद से मेंगलूरु पुलिस ने अपराध के पांच घंटे के भीतर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, पुलिस दल ने कथित अपराधियों पर गोलियां चलाईं, जो उन पर हमला करने के बाद भागने की कोशिश कर रहे थे। घायल पुलिसकर्मियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और बताया जा रहा है कि उनकी हालत में सुधार हो रहा है। पैर में गोली लगने से घायल आरोपियों को मेंगलूरु शहर के सरकारी वेनलॉक अस्पताल के पुलिस वार्ड में रखा गया है। सोमवार की सुबह 'चड्डी-बनियान' गिरोह के सदस्यों ने कथित तौर पर शहर के उरवा पुलिस क्षेत्र के कोटेकानी इलाके में घर में घुसकर बुजुर्ग दंपति पर हमला किया और उन्हें धमकाया तथा नकदी और सोने के गहने लूट लिए। वे कार भी लूट ले गए। पुलिस ने बताया कि सभी आरोपी मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं।

निखिल कुमारस्वामी ने किया सवाल

आप किसे लुभाने के लिए रामनगर का नाम बदल रहे हैं?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस के युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमार स्वामी ने रामनगर जिले का नाम बदलकर बेंगलूरु दक्षिण जिला करने पर अपना विरोध जताया है। उन्होंने इस बारे में एक मीडिया बयान दिया है और कहा कि सिर्फ कुछ लोगों को खुश करने के लिए रामनगर का नाम बदला जा रहा है। मुझे नहीं पता कि प्रसिद्ध रामनगर नाम को हटाकर इसे बेंगलूरु दक्षिण बनाने में क्या छिपा हुआ एजेंडा है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि किसी को लुभाने के लिए रामनगर के नाम पर गेट पास दिए जाने की अफवाह उड़ाई गई है। इस साजिश का काला पक्ष जिले को रियल एस्टेट दिग्गजों का स्वर्ग बनाना है। कुछ लोगों का तुष्टिकरण दूसरा पहलू है। उन्होंने इस बात की कड़ी आलोचना की है कि राजनीतिक दृष्टि से काफी ऊंचे स्थान पर स्थित रामनगर जिले के ऐतिहासिक स्थल को नष्ट करने का प्रयास किया गया है। विधान सौधा के वास्तुकार केंगल हनुमंतैया, एच.डी. देवेगौड़ा, दो बार राज्य के मुख्यमंत्री रहे एच.डी. कुमारस्वामी ने रामनगर जिले की प्रसिद्धि को बढ़ाया था।

जो लोग जिले का नाम बदलने जा रहे हैं उन्हें पहले ये इतिहास जान लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा रामनगर हमारा गौरव है। उल्लेखनीय है कि राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा था कि कर्नाटक के रामनगर जिले का नाम बदलकर बेंगलूरु दक्षिण जिला करने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को सौंपा गया है। शिवकुमार, जो जिले के प्रभारी मंत्री भी हैं, के नेतृत्व में रामनगर जिले के विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सिद्धरामैया को एक प्रस्ताव सौंपा। शिवकुमार ने राज्य सचिवालय में मुख्यमंत्री को प्रस्ताव सौंपने के बाद संवाददाताओं को बताया कि यह पहल रामनगर, चन्नपटना, मगदी, कनकपुरा और हरोहल्ली तालुकों के विकास और भविष्य को ध्यान में रखते हुए की गई है। इससे पहले अक्टूबर 2023 में, शिवकुमार ने रामनगर जिले का नाम बदलकर बेंगलूरु दक्षिण जिला करने का प्रस्ताव रखा था। विपक्षी भाजपा और जद (एस) ने नाम बदलने के प्रस्ताव को रियल एस्टेट कारणों से जोड़ा। शिवकुमार ने कहा डोड्डबल्लापुर, देवनहल्ली, होसकोटे, कनकपुरा, रामनगर, चन्नपटना, मगदी के लोग मूल रूप से बेंगलूरु के ही हैं।

प्रशासनिक सुविधा के लिए रामनगर और बेंगलूरु ग्रामीण जिलों को बेंगलूरु शहरी जिले से अलग किया गया था। हमने रामनगर जिले का नाम बदलने का प्रस्ताव पेश किया है। रामनगर शहर जिले का मुख्यालय बना रहेगा। नाम बदलने से जिले में उद्योग लगाने में मदद मिलेगी और जमीन का मूल्यांकन भी बढ़ेगा। उन्होंने दावा किया कि बेंगलूरु के पास केवल रामनगर और तुमकुरु की ओर बढ़ने की गुंजाइश है क्योंकि शहर के दूसरी तरफ कर्नाटक की सीमा तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश से लगती है। यह पूछे जाने पर कि बेंगलूरु दक्षिण जिले में कौन से तालुके आएंगे, उन्होंने कहा कि यह केवल नाम बदलने की कवायद है। जिले की भौगोलिक सीमाओं में कोई बदलाव नहीं होगा।

सातवीं वार्षिक साधारण सभा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर के तत्वावधान में सातवीं वार्षिक साधारण सभा मंगलवार को राजाजीनगर सभा भवन में आयोजित की गई।

नमस्कार महामंत्र से बैठक का शुभारंभ हुआ। मंडल की बहनों द्वारा प्रेरणा गीत का संगान किया गया।

अध्यक्षा उषा चौधरी ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। गत साधारण सभा की कार्यवाही का

वाचन उपाध्यक्ष सुमन वेदमुथा ने किया। निवर्तमान अध्यक्षा चेतना वेदमुथा ने संविधान का वाचन किया। मंत्री लता नवलखा ने साल भर के मंत्री प्रगति प्रतिवेदन की प्रस्तुति प्रोजेक्टर के द्वारा दी। कोषाध्यक्ष सरिता हीरावत ने आय एवं व्यय का ब्योरा प्रस्तुत कर सदन में पास करवाया। संगठन मंत्री रंजीता बोथरा ने विभिन्न क्षेत्रों में की गई संगठन यात्रा की जानकारी प्रस्तुत की एवं नए सदस्यों की जानकारी भी दी। कन्यामंडल प्रभारी अरुणा कोठारी ने कन्या मंडल की वार्षिक रिपोर्ट पारित करवाई। एबीटीएमएम से कर्नाटक प्रभारी मधु कटारिया की विशेष उपस्थिति थी। मधु ने महिलामंडल एवं कन्यामंडल के कार्यों का अवलोकन करते हुए चारों योजनाओं के बारे में बताया तथा बहनों द्वारा पूछी गई जिज्ञासाओं का समाधान किया और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। लक्ष्मीबाई, बाबूलाल, चेतनकुमार देरासरिया का विशेष सहयोग रहा। सभा का कुशल संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनीता कोठारी ने किया तथा आभार ज्ञापन प्रचार प्रसार मंत्री सपना गन्ना ने किया। सभा में लगभग 55 बहने उपस्थित थी।

स्कूल में किया पौधारोपण

चिकमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए अणुव्रत समिति चिकमगलूर ने मंगलवार को महर्षि विद्या मंदिर स्कूल में पौधारोपण किया। जिसमें स्कूल के प्रिंसिपल, अध्यापक और बच्चों ने बहुत ही उत्साह के साथ पौधारोपण किया। इस कार्यक्रम में तेरापंथ सभा के अध्यक्ष महेंद्र डोसी, तेयुप के अध्यक्ष जयेश गादिया, अणुव्रत समिति के मंत्री गौतम आच्छा, उपाध्यक्ष सरोजा बाई, कोषाध्यक्ष किशोर आच्छा, पूर्व अध्यक्ष लालचंद भंसाली आदि उपस्थित

थे। ब्रह्माकुमारी की बहन भाग्य लक्ष्मी भी उपस्थित थीं। उन्होंने बच्चों में चॉकलेट का वितरण कर बच्चों को प्रोत्साहित किया। अध्यक्षा मंजू भंसाली ने बच्चों को अणुव्रत के छोटे-छोटे नियम समझाते हुए नशा मुक्ति, सद्भावना, अहिंसा और पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थान के पाली जिला बांता रघुनाथगढ के सरपंच कालुराम चौधरी, पूर्व उपसरपंच लालाराम चौधरी, दलपतसिंह और लक्ष्मण सैन ने बुधवार को बेंगलूरु का दौरा किया। सभी चामराजपेट स्थित डॉ.विजय कुमार सुराना के निवास स्थान पर प्रीतिभोज में शामिल हुए और गांव के अनेक विषयों पर चर्चा की। आगंतुकों का स्वागत कर शाल माला द्वारा सम्मान किया गया। आगामी दिनों में ग्राम हित कार्यो की रूप रेखा बनाने पर जोर दिया गया। इस मौके पर संगीता सुराना, भाविक गादिया एवं चंदुलाल शर्मा भी उपस्थित रहे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जोडी कोटे मुनेश्वरा स्वामी देवस्थान वेंकटेश्वरा नगर में आयोजित जात्रा महोत्सव कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान की पूजा कर आशीर्वाद लिया। साथ ही अन्नदान कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आयोजको ने मुणोत को सम्मानित किया।

एनडीपीएस के 32 मामले दर्ज, विदेशी नागरिकों समेत 45 गिरफ्तार

पुलिस आयुक्त दयानंद ने दी जानकारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर पुलिस आयुक्त दयानंद ने बताया कि पिछले जून महीने में एनडीपीएस के 32 मामले दर्ज किये गये और तीन विदेशी नागरिकों समेत 45 लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार लोगों के पास से 117 किलो 449 ग्राम गांजा, 11 किलो 414 ग्राम अफीम, 400 ग्राम राख का तेल, 50 ग्राम कोकीन और 236 ग्राम एमडीएमए जब्त किया गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि जून महीने में 2 मटका मामलों में 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया, 32 जुआ मामलों में 159 लोगों को गिरफ्तार किया गया, 4 लोगों को क्रिकेट सट्टेबाजी के मामलों में गिरफ्तार किया गया और 4 लोगों को अनधिकृत सट्टेबाजी के एक मामले में गिरफ्तार किया गया। यातायात नियमों का पालन न करने के 16 मामलों में से 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया, 9 लोगों को एसएएसए अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया, दो लोगों को अनधिकृत सूदखोरी अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया, दो लोगों को बड्स अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया, ईसी अधिनियम के तहत 16 लोगों को गिरफ्तार किया गया, कॉपीराइट अधिनियम के तहत 16 लोगों को गिरफ्तार किया गया, एनडीपीएस अधिनियम के तहत 45 लोगों को

गिरफ्तार किया गया और कोटपा के तहत 43 लोगों को गिरफ्तार किया गया। कुल 179 मामलों में से 324 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। 31 प्रकरणों में न्यायालयीन प्रकरणों में उपस्थित न होकर फरार चल रहे आरोपियों का पता चला। एहतियात के तौर पर उपद्रवियों पर कार्रवाई की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि छुपे हुए 12 हुड़दंगियों को ढूंढ लिया गया और कानूनी कार्रवाई की गयी। वहीं जून माह में कुल 1185 मामलों का निपटारा किया गया और 810 लोगों को सजा दी गयी। आयुक्त ने बताया कि तीन मामलों में पांच लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनायी गयी है। कोट्टानूर पुलिस स्टेशन में हत्या के मामले में एक आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है और जेजेनगर पुलिस स्टेशन में बलात्कार के मामले में अदालत ने तीन को 20 साधारण सजा सुनाई है। परप्पा के अग्रहारा पुलिस स्टेशन में दर्ज एनडीपीएस ड्रग्स मामले में एक व्यक्ति को 3 साल 6 महीने की सजा सुनाई गई। अशोकनगर थाने में महिला से दुष्कर्म करने वाले अपराधी को 2 साल 10 महीने की सजा सुनाई गई है। साथ ही उन्होंने बताया कि 802 मामलों में 915 लोगों पर जुर्माना लगाया गया है। एक महत्वपूर्ण मामले में, तल्लाघट्टपुर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया गया और 5 लाख रुपये की रंगदारी वसूली गई। 4.30 किलोग्राम गांजा, 400 मिलीलीटर तेल और 57 ग्राम एमडीए जब्त किया गया। यलहंका न्यूटाउन पुलिस ने तीन ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया और 32 किलोग्राम गांजा और 16 लाख रुपये मूल्य के नशीले पदार्थ जब्त किए। कोनानकुंटे पुलिस ने एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया और अफीम और गांजा जब्त किया। कुमारस्वामी लेआउट में हुई चोरी के मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

चोरी के 12 मामले सामने आए

कोनानकुंटे पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया और 16.50 लाख के सोने के आभूषण जब्त किए, शहर के विभिन्न हिस्सों में चोरी के 12 मामले सामने आए। हुलमावु पुलिस ने शिवमोग्गा में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया और विभिन्न कंपनियों की 8 कारें जब्त कीं, जो उसने चोरी की थीं, गिरवी रखी थीं और बेची थीं। विविपुरम थाना पुलिस ने पूछताछ के दौरान दी गई जानकारी के आधार पर एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर चोरी के दोपहिया, तिपहिया वाहन और टेंपो ट्रैवलर जब्त कर ली। इस बीच जेपीनगर पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर 8 लाख कीमत के विभिन्न कंपनियों के दोपहिया वाहन जब्त कर लिए। आयुक्त ने कहा कि सीसीबी के मादक द्रव्य विरोधी अभियान के दौरान विदेशी अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करके विदेशी नागरिकों को मकान किराए पर देने वाले 20 मकान मालिकों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की गई है।

दुर्लभ बीमारी के कारण महिला ने वित्तीय मदद या इच्छा मृत्यु के लिए सीएम को लिखा पत्र

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के सुलिया तालुक के नावूर निवासी चांदनी जी डी (33) हाइपर आईजीई सिंड्रोम नामक एक दुर्लभ बीमारी से पीड़ित हैं और उन्होंने सरकार से चिकित्सा उपचार के लिए वित्तीय सहायता की मांग की है। चांदनी ने मुख्यमंत्री (सीएम) सिद्धरामैया और स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव को ईमेल कर अपने चिकित्सा उपचार के लिए वित्तीय सहायता या दया मृत्यु की अनुमति मांगी है।

सीएम और स्वास्थ्य मंत्री को लिखे अपने पत्र में चांदनी ने उल्लेख किया, हालाँकि मैंने अपने मूल स्थान पर अपनी बीमारी के लिए चिकित्सा उपचार प्राप्त किया, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। सुल्लिया के डॉक्टरों ने मुझे आगे के इलाज के लिए हैदराबाद के एआईजी अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी। एआईजी के डॉक्टरों ने मुझे हाइपर आईजीई मेडिएटेड सेल एक्टिवेशन सिंड्रोम नामक एक दुर्लभ बीमारी का निदान किया, जो गंभीर एलर्जी (एनाफिलैक्सिस) का कारण बनती है। एआईजी में एक बार मेरा इलाज हुआ। बाद में, मैं मेंगलूरु के वेनलॉक अस्पताल गई, जहाँ डॉक्टरों ने मुझे बताया कि मेरी बीमारी का कोई इलाज उपलब्ध नहीं है। मुझे पता चला कि बेंगलूरु के कुछ अस्पताल मेरी बीमारी का इलाज करते हैं और मैंने स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव और स्वास्थ्य विभाग के अन्य उच्च अधिकारियों को पत्र लिखा। लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। जब मेरी तबीयत खराब हुई, तो मैं मेंगलूरु के केएमसी अस्पताल के डॉक्टरों की सलाह पर हैदराबाद के एआईजी अस्पताल में भर्ती हो गई। मेरे स्थानीय समुदाय ने मेरे लिए एम्बुलेंस की व्यवस्था की। चूंकि मेरे इलाज के खर्च को कवर करने के लिए स्वास्थ्य विभाग से कोई पत्र नहीं था, इसलिए एआईजी अस्पताल के अधिकारियों ने दो बार मेरा इलाज रोक दिया। हालाँकि मुझे सरकार से आश्वासन मिला, लेकिन आवश्यक धनराशि प्रदान नहीं की गई। इसलिए, मैं इस पत्र के माध्यम से इच्छा मृत्यु का अनुरोध करती हूँ। डिप्टी कमिश्नर मुल्लई मुहिलान ने कहा डीएचओ ने इस मामले को सरकार के संज्ञान में लाने के लिए पहले ही आवश्यक कार्रवाई कर दी है। एसटी समुदाय से ताल्लुक रखने वाली चांदनी धनंजय नाइक की बेटी है, शादीशुदा है और उसका एक बच्चा भी है। दारी एसोसिएशन के रवि बंगेरा ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग को चांदनी के इलाज की जरूरत पर तुरंत ध्यान देना चाहिए और उसकी जान बचानी चाहिए। दारी एसोसिएशन चांदनी के इलाज के लिए जरूरी धनराशि हासिल करने की लड़ाई का समर्थन करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। चांदनी ने 21 जून को डीएचओ डॉ एचआर थिमैया को व्हाट्सऐप पर एक सुसाइड नोट भेजा, जिसमें कहा गया था कि उसकी मौत के लिए स्वास्थ्य मंत्री और सुल्लिया के विधायक जिम्मेदार होंगे। हालांकि, डीएचओ ने उसे जल्दबाजी में कोई फैसला न लेने को कहा और उसे आश्वासन दिया कि वह इस मामले पर राज्य सरकार के उच्च अधिकारियों से पहले ही चर्चा कर चुके हैं।

उपचुनाव से ठीक पहले ईडी के हमले ने कांग्रेस को किया शर्मसार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम मनी ट्रांसफर घोटाले में पूर्व मंत्री नागेंद्र पर प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई से कांग्रेस पार्टी को काफी शर्मिंदगी उठानी पड़ी है और उपचुनाव के दौरान तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता की आड़ में अनुसूचित जनजाति विकास निगम का पैसा हड़पने की बड़ी साजिश हुई थी। निगम अधीक्षक चन्द्रशेखरन की आत्महत्या से पूरा मामला सामने आया है, जिससे सरकारी एजेंसियों की नींव हिल गई है। नागेंद्र ने अनुसूचित जनजाति विकास मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, भाजपा लगातार उन्हें घोटाले में मुख्य खिलाड़ी मानकर हमला कर रही है। आत्महत्या करने वाले अधिकारी ने मृत्यु प्रमाण पत्र में यह दर्ज कराया है कि पैसा मंत्री के मौखिक आदेश पर ट्रांसफर किया गया था। नागेंद्र के इस्तीफे के बाद हाल तक एसआईटी ने उनसे पूछताछ करने की हिम्मत नहीं की। निगम अधिकारियों,

कर्मचारियों और मंत्रालय के अधिकारियों और नागेंद्र के करीबियों से पूछताछ के बाद पता चला है कि मंत्री के मौखिक आदेश की जानकारी मिल गई थी। मालूम हो कि जांच कर रहे एसआईटी अधिकारी यह बहाना बनाकर जांच में देरी कर रहे हैं कि अगर वे सत्ताधारी दल के विधायक को गिरफ्तार करेंगे तो इससे अलग संदेश जा सकता है। अब ईडी की छापेमारी से मामले में अहम मोड़ आ गया है। अगर ईडी के अधिकारी नागेंद्र और विधायक बसवराज दद्दल, जो निगम के अध्यक्ष हैं, को गिरफ्तार करते हैं, तो यह कांग्रेस पार्टी के लिए बहुत बड़ी शर्मिंदगी होगी। खुद नागेंद्र समेत गृह मंत्री परमेश्वर आदि ने स्वीकार किया है कि वाल्मीकि के अनुसूचित जनजाति विकास निगम में घोटाला हुआ है। अनियमितताओं के कारण ही मुख्यमंत्री ने स्वयं जांच के लिए विशेष टीम का गठन किया है। जांच जारी है। लेकिन अभी तक अधिकारियों के अलावा किसी भी अधिकारी ने घोटाले के स्रोत को नहीं छुआ है। अगर ईडी के अधिकारी एसआईटी से पहले ही नागेंद्र को गिरफ्तार कर लेते हैं तो यह न सिर्फ कांग्रेस पार्टी के लिए बड़ी शर्मिंदगी होगी, बल्कि सरकार के लिए भी झटका होगा। एसआईटी के अधिकारी भी नागेंद्र को गिरफ्तार करने से कतरा रहे हैं। कुल मिलाकर अनुसूचित जनजाति विकास निगम का घोटाला कांग्रेस पार्टी के लिए गर्म विषय बन गया है।

नेहा हिरेमठ हत्याकांड : पुलिस ने लव जिहाद के पहलू को किया खारिज

483 पन्नों का आरोपपत्र पेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एमसीए छात्रा नेहा हिरेमठ हत्याकांड में पुलिस ने लव जिहाद के पहलू को खारिज कर दिया है। हुब्बल्ली कोर्ट में पेश किए गए अपने आरोपपत्र में पुलिस ने कहा कि शादी से इनकार करने के कारण उसकी हत्या की गई। आरोपपत्र में लव जिहाद का कोई जिक्र नहीं किया गया है। आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने आरोपी फयाज कोंडिकोप्पा के खिलाफ 483 पन्नों का आरोपपत्र पेश किया है, जिसमें नेहा के पिता निरंजन हिरेमठ, कांग्रेस पार्षद, उसकी मां, भाई, सहपाठियों, दोस्तों और व्याख्याताओं की गवाही सहित 99 साक्ष्यों का उल्लेख किया गया है। आरोपपत्र में नृशंस हत्या से संबंधित प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और सीसीटीवी फुटेज भी शामिल हैं। पुलिस ने फयाज पर आईपीसी की धारा 302 (हत्या, जिसके लिए मृत्युदंड या आजीवन कारावास हो सकता है), 341 (गलत तरीके से रोकना) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत आरोप

लगाए हैं। चार्जशीट में बताया गया है कि आरोपी और मृतक नेहा 2020-21 के दौरान हुब्बल्ली के पी.सी. जाबिन कॉलेज में सहपाठी थे। वे दोस्त बन गए और 2022 में उनके बीच प्रेम संबंध शुरू हो गए। 2024 में दोनों के बीच मनमुटाव हो गया और नेहा ने फयाज से बात करना बंद कर दिया। नजरअंदाज किए जाने के बाद फयाज ने उससे रंजिश पाल ली और उसे जान से मारने का फैसला किया। 18 अप्रैल, 2024 की शाम को फयाज ने उस पर चाकू से हमला किया, उसे बार-बार चाकू मारा और उसकी हत्या कर दी। चार्जशीट में यह भी उल्लेख किया गया है कि नेहा पर हमला करने से पहले फयाज ने उस पर चिल्लाते हुए कहा कि इतने समय तक प्यार में रहने के बाद भी वह उससे शादी नहीं करेगी। फिर उसने कहा कि वह उसे नहीं छोड़ेगा और उसे चाकू मारना शुरू कर दिया। चार्जशीट में कहा गया है कि बाद में फयाज ने अपना चाकू घटनास्थल पर ही छोड़ दिया और भाग गया। फयाज ने नेहा के शादी से इनकार करने पर उसे मारने की योजना बनाई थी। उसने हत्या से तीन दिन पहले धारवाड़ के आर्य सुपर बाजार से चाकू खरीदा था। उसने लाल टोपी भी खरीदी थी और अपराध के दिन कॉलेज परिसर में प्रवेश करते समय अपने चेहरे को काले नकाब से ढक लिया था। चार्जशीट के अनुसार, सीआईडी ने इस संबंध में सीसीटीवी फुटेज एकत्र की है। हत्या के 81 दिन बाद मंगलवार शाम को आरोप पत्र अदालत में पेश किया गया। लोकसभा चुनाव से पहले हुई इस जघन्य घटना ने राज्य को हिलाकर रख दिया है, जिससे छात्राओं और युवतियों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने इस घटना को प्रेम मामला बताते हुए जो बयान दिया, उससे राज्य में लोगों में आक्रोश फैल गया, जिसके बाद दोनों ने अपने बयानों के लिए परिवार से माफी मांगी। इस घटनाक्रम से बहस शुरू होने की संभावना है, क्योंकि नेहा के माता-पिता ने जोरदार तरीके से दावा किया था कि उनकी बेटी को आरोपी द्वारा शादी और धर्म परिवर्तन के लिए प्रताड़ित किया गया था।

ईडी हमले के बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं: गृह मंत्री परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एसआईटी अधिकारियों ने वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम के धन हस्तांतरण मामले की जांच तेज कर दी है। इसी बीच गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा कि उन्हें ईडी के हमले की कोई जानकारी नहीं है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय राज्य सरकार को कोई जानकारी नहीं देंगे। स्वतंत्र जांच करायी जायेगी। हमले के दौरान भी कोई जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि उन्हें हुए हमले की पृष्ठभूमि नहीं पता। पूर्व मंत्री नागेंद्र और विधायक दद्दल के करीबियों के बयान के आधार पर एसआईटी के अधिकारियों ने दोनों को पूछताछ के लिए बुलाया है। राज्य सरकार ने पूरे मामले की जांच एसआईटी को सौंपी है। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर बैंक

की गतिविधियों को लेकर सीबीआई जांच चल रही है।

हम सार्वजनिक रूप से चर्चा किए जा रहे मुद्दों के बारे में जानकारी के बिना कोई बयान नहीं दे सकते। एसआईटी और सीबीआई के अधिकारी इसका निरीक्षण करेंगे। उन्होंने कहा कि हम जांच के स्तर पर कोई बयान नहीं दे सकते और हमें भी नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा किसी ने नहीं कहा कि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में कोई घोटाला नहीं हुआ है। यह अवैध है इसलिए एसआईटी गठित कर जांच करायी जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यहां किसी की भी सुरक्षा नहीं की जायेगी। हुब्बल्ली के नेहा हिरेमथ मामले की जांच करने वाले सीआईडी अधिकारियों ने अदालत में आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। रिपोर्ट उपलब्ध साक्ष्यों पर आधारित है। जैसा कि भाजपा ने कहा लव जिहाद के पहलू की भी जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसे तत्वों को तुरंत आरोपपत्र में शामिल नहीं किया जा सकता। बेंगलूरु एशिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला शहर है। उन्होंने रामानगर जिले का नाम बेंगलूरु दक्षिण जिला रखे जाने पर टिप्पणी करते हुए कहा कि इसके अनुरूप आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। बेंगलूरु को विकास की जरूरत है। इससे रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। तुमकुरु को ग्रेटर बेंगलूरु बनाने की योजना है। हम इस संबंध में एक प्रस्ताव भी पेश करने को तैयार हैं। बजट में तुमकुरु तक मेट्रो लाइन का प्रस्ताव किया गया है। उन्होंने कहा कि पहले मंत्री मुरुगेश निरानी ने तुमकुरु के आसपास दूसरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बनाने का प्रस्ताव दिया था। ग्रेटर बेंगलूरु का प्रस्ताव अचानक नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए जरूरी मानकों को पूरा करने को प्राथमिकता दी जा रही है। एक तथ्य-खोज समिति उन कारकों की जांच कर रही है जिनके कारण कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में कम सीटें मिलीं। उन्होंने कहा कि समिति वरिष्ठ कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद के उस बयान पर भी गौर कर सकती है जिसमें उन्होंने कहा था कि कार्यकर्ताओं की उपेक्षा के कारण चुनाव में बाधा पड़ी। भाजपा के इस आरोप का जवाब देते हुए कि मुख्यमंत्री ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण से प्राप्त भूमि का मूल्य कम कर दिया है, परमेश्वर ने कहा भाजपा कुछ भी कहे, उसे सुना नहीं जा सकता। हम जानते हैं कि इससे पहले उन्होंने चार साल तक कैसे शासन किया है। अब वो कह रहे हैं कि ऐसा होना चाहिए, वैसा होना चाहिए। हम उनसे पूछकर शासन नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि जैसा लोग कहेंगे हम वैसा ही काम करेंगे।

थप्पड़ वाली टिप्पणी को लेकर विधायक भरत शेट्टी के खिलाफ मामला दर्ज

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने बुधवार को कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ टिप्पणी करने के लिए मेंगलूरु उत्तर के विधायक डॉ. भरत शेट्टी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पार्षद अनिल कुमार ने कावूर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद विधायक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। गत सोमवार को भाजपा विधायक भरत शेट्टी ने यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि हिंदू विरोधी टिप्पणी के लिए राहुल गांधी को संसद के अंदर बंद करके थप्पड़ मारा जाना चाहिए। विधायक शेट्टी ने कावूर में आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान कहा विपक्ष के नेता राहुल गांधी को संसद के अंदर बंद करके थप्पड़ मारा जाना चाहिए। इस कृत्य से सात से आठ एफआईआर दर्ज हो जाएंगी। अगर विपक्ष के नेता राहुल गांधी मेंगलूरु शहर आते हैं, तो हम उनके लिए भी यही व्यवस्था करेंगे। शेट्टी के बयान के जवाब में कांग्रेस सदस्यों ने विधायक की टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

मुडा घोटाला मामला

भाजपा सीएम के इस्तीफे और सीबीआई जांच की मांग को लेकर कल मैसूरु में करेगी प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर दबाव बढ़ाते हुए विपक्षी भाजपा ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) में कथित अनियमितताओं के संबंध में उनके इस्तीफे और सीबीआई जांच की मांग को लेकर शुक्रवार को उनके गृह जिले मैसूरु में विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाई है।

भाजपा भारत के चुनाव आयोग में याचिका दायर करने पर भी विचार कर रही है, क्योंकि 2013 के विधानसभा चुनावों में सिद्धरामैया के हलफनामे में उनकी पत्नी के पास मुडा को दी गई 3.16 एकड़ जमीन के बारे में कुछ भी उल्लेख नहीं किया गया था, जबकि इस संबंध में उपहार विलेख 2009-10 में निष्पादित किया गया था। रिकॉर्ड से पता चलता है कि मुख्यमंत्री की पत्नी पार्वतम्मा को 2009-10 में अपने भाई से उपहार विलेख के माध्यम से 3.16 एकड़ जमीन मिली थी।

लेकिन दिलचस्प बात यह है कि सिद्धरामैया ने 2013 में विधानसभा चुनाव लड़ते समय चुनाव आयोग के समक्ष अपने हलफनामे में इसका उल्लेख नहीं किया था। भाजपा के राज्य अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में

कहा, जहां उन्होंने पार्टी के आरोपों के समर्थन में दस्तावेज जारी किए, कि हम इस संबंध में चुनाव आयोग के समक्ष याचिका दायर करने की संभावना जानने के लिए कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श कर रहे हैं, क्योंकि यह जनप्रतिनिधि अधिनियम और चुनाव मानदंडों से संबंधित मानदंडों का स्पष्ट उल्लंघन है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की संलिप्तता में मुडा में करीब 4,000 करोड़ रुपये की अनियमितता हुई है, जिसमें वैकल्पिक स्थलों का अवैध आवंटन शामिल है।

उन्होंने आरोप लगाया कि इस साल 15 जून को एक व्यक्ति को अवैध रूप से 42 वैकल्पिक स्थल आवंटित किए गए। उन्होंने मांग की कि वैकल्पिक स्थलों के ऐसे अवैध आवंटन को वापस लिया जाए और ये स्थल गरीब और योग्य लोगों को दिए जाएं। विजयेंद्र ने आगे आरोप लगाया कि उपहार विलेख में भूमि को कृषि भूमि के रूप में उल्लेख किया गया था, हालांकि इसका भूमि उपयोग पैटर्न पहले ही गैर-कृषि में परिवर्तित हो चुका था। उन्होंने सीएम के करीबी सहयोगी और शहरी विकास मंत्री बैरती सुरेश पर मुडा कार्यालय से सभी संबंधित फाइलें ले जाकर इस प्रकरण को दबाने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

केवल सीबीआई जांच ही सच्चाई सामने ला सकती है

उन्होंने कहा कि केवल सीबीआई जांच ही सच्चाई सामने ला सकती है। भाजपा 12 जुलाई को मैसूरु में विरोध प्रदर्शन करके इस कथित घोटाले को उजागर करना शुरू करेगी। इसमें विपक्ष के नेता आर. अशोक और पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सी. एन. अश्वथ नारायण के भाग लेने की उम्मीद है। महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में कथित वित्तीय अनियमितताओं का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने दलितों और आदिवासियों के विकास के लिए आए पैसे को अवैध रूप से लोकसभा चुनावों में खर्च कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दोनों कथित अनियमितताओं ने कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री का असली चेहरा उजागर कर दिया है और दलितों और गरीब लोगों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के दावों को भी उजागर कर दिया है।

अपहरण से जुड़े मामले में भवानी रेवन्ना को राहत

सुप्रीम कोर्ट का अग्रिम जमानत रद्द करने से इनकार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को जनता दल (सेक्यूलर) के पूर्व सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना की मां भवानी रेवन्ना को दी गई अग्रिम जमानत को रद्द करने से इनकार कर दिया। जस्टिस सूर्य कांत और उज्ज्वल भुयान की पीठ ने कर्नाटक हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली कर्नाटक सरकार की अपील पर नोटिस जारी किया। पीठ ने वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल से कहा आरोपी एक महिला है, जिसकी उम्र 55 साल है। उसके बेटे के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए गए हैं। वह भाग गया और आखिरकार उसे पकड़ लिया गया। पीठ ने आगे कहा इस तरह के आरोप के मामले में अपने बेटे द्वारा किए गए अपराध को बढ़ावा देने में एक मां की क्या भूमिका होगी? सिब्बल ने कहा कि अदालत की तरफ से दी गई राहत दुर्भाग्यपूर्ण थी। पीड़िता को आरोपी के परिवार के निर्देश के अनुसार बंधक बनाकर रखा गया था। पीठ ने कहा यहां कुछ भी नहीं है, इस मामले को राजनीतिक मोड़ न दें। ज्ञातव्य है कि हाई कोर्ट ने 18 जून को इस बात पर जोर देते हुए भवानी रेवन्ना को अग्रिम जमानत दी थी कि उन्होंने जांच के दौरान 85 सवालों के जवाब दिए थे। इसके बाद यह दावा करना अनुचित होगा कि वह एसआईटी के साथ सहयोग नहीं कर रही है। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते प्रज्ज्वल पर कई महिलाओं से यौन शोषण का आरोप है। वह हासन लोकसभा सीट से एनडीए के प्रत्याशी हैं। हासन लोकसभा क्षेत्र में मतदान के ठीक एक दिन बाद, 27 अप्रैल को प्रज्ज्वल जर्मनी चले गए थे। सीबीआई ने उनके खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया था। एजेंसी के द्वारा प्रज्ज्वल के ठिकानों का पता लगाया जा रहा है। यौन शोषण और दुष्कर्म के मामले में विशेष अदालत ने हासन सांसद के खिलाफ 18 मई को गिरफ्तारी का वारंट जारी किया था।

वाल्मीकि निगम घोटाला मामला

पूर्व मंत्री और निगम चेयरमैन पर ईडी का छापा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राज्य द्वारा संचालित महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में कथित घोटाले के आरोपियों और संदिग्धों से जुड़े 20 से अधिक परिसरों की एक साथ तलाशी ली, जहां कथित तौर पर 88 करोड़ रुपये तक की धनराशि का गबन किया गया था। वे दो सत्तारूढ़ कांग्रेस विधायकों - बल्लारी ग्रामीण विधायक बी. नागेंद्र, जिन्होंने कथित घोटाले के सिलसिले में 6 जून को अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था, और रायचूर ग्रामीण विधायक बसनगौड़ा दद्दल, जो निगम के अध्यक्ष हैं, से जुड़े परिसरों की तलाशी लेने पहुंचे। ईडी की छापेमारी नागेंद्र और दद्दल से 9 जुलाई को घोटाले के सिलसिले में एसआईटी द्वारा पूछताछ किए जाने के एक दिन बाद हुई है। अब तक, एसआईटी ने कथित घोटाले के सिलसिले में 11 लोगों को गिरफ्तार किया है और 14.5 करोड़ रुपये जब्त किए हैं। ईडी द्वारा छापे मारे गए अन्य लोगों में मुख्य आरोपी जे जे पद्मनाभ, निगम के प्रबंध निदेशक, परशुराम, निगम में एक एकाउंटेंट, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के तीन कर्मचारी, बेंगलूरु में एम जी रोड शाखा जहां कथित मनी लॉन्ड्रिंग हुई थी, शामिल हैं। ईडी ने छापेमारी के लिए कर्नाटक राज्य पुलिस से नहीं बल्कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) से सुरक्षा कवर लिया है। सूत्रों ने कहा कि ईडी के अधिकारियों ने सुबह 3.30 बजे ही छापेमारी करने वालों के दरवाजे खटखटाए। सूत्रों ने बताया कि छापेमारी के दौरान नागेंद्र और दद्दल अपने आवास पर मौजूद थे और ईडी अधिकारियों ने उनसे पूछताछ की। यह घोटाला तब प्रकाश में आया जब निगम के लेखा अधीक्षक पी. चंद्रशेखरन ने 26 मई को आत्महत्या कर ली। एक नोट में उन्होंने निगम से विभिन्न खातों में अवैध रूप से धन हस्तांतरित करने का आरोप लगाया। मुंबई मुख्यालय वाले यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को दी गई अपनी शिकायत में 88 करोड़ रुपये की राशि के गबन का आरोप लगाया था। राज्य सरकार और सीबीआई द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) के अलावा ईडी कथित घोटाले की जांच करने वाली तीसरी एजेंसी है।

मैसूरु में मुडा मुद्दे पर कितनी बार बोलना चाहिए: सीएम

अनावश्यक रूप से विवाद पैदा की जा रही

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को मैसूरु में मीडिया से बातचीत के दौरान मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) के संदर्भ पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। सीएम ने कांग्रेस उम्मीदवार सुनील बोस को जिताने के लिए लोकसभा क्षेत्र के मतदाताओं का आभार व्यक्त करने के लिए एक बैठक में भाग लेने के लिए चामराजनगर जाते समय मैसूरु हवाई अड्डे पर मीडियाकर्मियों से बात की। सीएम ने पलटवार करते हुए कहा, इस मुद्दे पर कितनी बार बोलना चाहिए। विपक्ष और मीडिया मेरी पत्नी के मुडा से वैकल्पिक भूमि प्राप्त करने के मुद्दे पर अनावश्यक रूप से विवाद पैदा कर रहे हैं।

मुडा अधिकारियों ने केसर गांव में मेरी पत्नी की भूमि को अवैध रूप से अधिग्रहित किया, बिना उन्हें बताए। इसलिए, उन्होंने माफी मांगी और उनके नुकसान की भरपाई की। हमने विजयनगर लेआउट में वैकल्पिक भूमि नहीं मांगी थी। कानूनी मुआवजे के बारे में इतना विवादास्पद क्या है? उन्होंने कहा विपक्ष बिना किसी मुद्दे के विरोध प्रदर्शन और भीड़ जुटाने की धमकी दे रहा

है। अगर मुडा में अनियमितताएं हैं, तो दो आईएएस अधिकारियों के नेतृत्व में एक टीम जांच करेगी। अगर अधिकारी दोषी पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सिद्धरामैया ने कथित मुडा घोटाले की सीबीआई जांच की मांग को पूरी तरह से नकार दिया। भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान कितने मामले सीबीआई को सौंपे हैं? अब, वे बिना सोचे-समझे सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं।

वर्तमान सीबीआई निदेशक भी कर्नाटक कैडर के आईपीएस अधिकारी हैं। क्या हमारी अपनी पुलिस जांच करने में सक्षम नहीं है? हमारी कर्नाटक पुलिस कथित घोटाले की जांच करेगी। रामनगर जिले का नाम बदलकर बेंगलूरु दक्षिण जिला करने की मांग को लेकर केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी के बारे में विपक्ष के सवाल का जवाब देते हुए सिद्धरामैया ने कहा कि जिले के नेताओं ने उनसे मुलाकात की और नाम बदलने का आग्रह किया। सिद्धरामैया ने कहा लंबे समय से रामनगर जिले का नाम बदलकर बेंगलूरु दक्षिण करने की मांग की जा रही है। उन्होंने इस संबंध में ज्ञापन दिया है। हम इस मुद्दे पर कैबिनेट की बैठक में चर्चा करेंगे और उसके बाद कोई निर्णय लेंगे। कुमारस्वामी का यह बयान कि अगर वे सत्ता में आए तो बेंगलूरु दक्षिण जिले का नाम बदल देंगे, बेतुका है। वे सत्ता में आने पर ही नाम बदलेंगे, है न? मैं अब मुख्यमंत्री हूं, क्योंकि लोगों ने मुझे और मेरी पार्टी को आशीर्वाद दिया है। कुमारस्वामी फिर से मुख्यमंत्री कैसे बनेंगे? नाम बदलना एक दिवास्वप्न है। पूर्व मंत्री बी नागेंद्र, कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष बसनगौड़ा दद्दाल और अन्य के परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के बारे में पूछे जाने पर सिद्धरामैया ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा मैं इस पर कुछ नहीं बोलूंगा। ईडी अपना काम कर रही है। उसे छापेमारी और जांच करने दें। हमें इससे कोई सरोकार नहीं है।

मुडा मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की मुश्किलें बढ़ीं

पत्नी-साले समेत नौ के खिलाफ शिकायत दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले के सिलसिले में उनके और नौ अन्य के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने यह शिकायत मैसूरु के विजयनगर पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई है।

उन्होंने कर्नाटक के राज्यपाल, मुख्य सचिव और राजस्व विभाग के प्रधान सचिव को भी पत्र लिखकर विवाद की जांच की मांग की है। कृष्णा ने आरोप लगाया है कि मैसूरु जिला कलेक्टर और अन्य सरकारी अधिकारियों के साथ-साथ सिद्धरामैया, उनकी पत्नी पार्वती,

उनके साले मल्लिकार्जुन, उपायुक्त, तहसीलदार, उप रजिस्ट्रार और मुडा के कुछ अधिकारी भूमि आवंटन घोटाले में शामिल हैं। स्नेहमयी ने शिकायत में कहा कि सिद्धरामैया के साले मल्लिकार्जुन ने अन्य सरकारी और राजस्व विभाग के अधिकारियों की मदद से 2004 में अवैध रूप से जमीन खरीदी और जाली दस्तावेजों के आधार पर इसकी रजिस्ट्री कराई। उन्होंने आरोप लगाया है कि पार्वती, मल्लिकार्जुन और एक अन्य व्यक्ति ने इन दस्तावेजों का इस्तेमाल मुडा से जुड़े करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने के लिए किया। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शनिवार को कथित मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण घोटाले की निष्पक्ष जांच की मांग की थी। इसके साथ ही उन्होंने राज्य सरकार से इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपने को कहा। वहीं कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को मुदा में किसी भी घोटाले के आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि राज्य में कांग्रेस के कार्यकाल के दौरान कोई घोटाला नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा राज्य में जितने भी घोटाले हुए हैं, वे सभी भाजपा के कार्यकाल के दौरान हुए हैं। हम सत्र के दौरान सभी आरोपों का जवाब देंगे। इसी बीच सीएम सिद्धरामैया ने कहा कि यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण की जमीनों के आवंटन में कोई घोटाला हुआ है या नहीं। प्लॉट आवंटन में शामिल लोगों का तबादला कर दिया गया है और एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी जांच में लगे हुए हैं। रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

यह है पूरा मामला

कर्नाटक में भूमि आवंटन घोटाला सुर्खियों में रहा है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री की पत्नी 2021 में भाजपा के कार्यकाल के दौरान मुडा की लाभार्थी थीं। उस समय मैसूरु के प्रमुख स्थानों में 38,284 वर्ग फुट भूमि उन्हें उनकी 3.16 एकड़ जमीन के कथित अवैध अधिग्रहण के मुआवजे के रूप में आवंटित की गई थी। मैसूरु के केसारे गांव में उनकी 3.16 एकड़ जमीन उनके भाई मल्लिकार्जुन ने उन्हें उपहार में दी थी। मुआवजे के तौर पर दक्षिण मैसूरु में एक प्रमुख इलाके में उन्हें जमीन दी गई। आरोप है कि केसर गांव की जमीन की तुलना में इसकी कीमत काफी अधिक है। इसके कारण मुआवजे की निष्पक्षता पर सवाल उठाए गए हैं।

कर्नाटक जाति जनगणना रिपोर्ट जल्द ही कैबिनेट के समक्ष रखी जाएगी: सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि जाति जनगणना रिपोर्ट को चर्चा के लिए जल्द ही कैबिनेट के समक्ष रखा जाएगा। राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने लोकसभा चुनाव से पहले 4 मार्च को सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक सर्वेक्षण सरकार को सौंप दिया था। मीडिया को संबोधित करते हुए सिद्धरामैया ने कहा कि सरकार को सर्वेक्षण की विषय-वस्तु के बारे में पता नहीं है, जिसे अभी चर्चा के लिए कैबिनेट के समक्ष रखा जाना है। उन्होंने सर्वेक्षण का बचाव करते हुए कहा कि यह प्रक्रिया गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) कार्ड धारकों को अयोग्य घोषित करने के लिए आवश्यक थी। उन्होंने कहा कर्नाटक में लगभग 4.8 करोड़ लोगों के पास बीपीएल कार्ड हैं,

जिसका अर्थ है कि हमारी 80 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा के नीचे है। इसकी तुलना में तमिलनाडु में 40 प्रतिशत आबादी और केरल में 36 प्रतिशत आबादी के पास बीपीएल कार्ड हैं। यह सर्वेक्षण अप्रैल और मई 2015 में किया गया था। कर्नाटक में 1.3 करोड़ घरों में किए गए सर्वेक्षण के लिए कुल 1.6 लाख कर्मियों को तैनात किया गया था। राज्य ने सर्वेक्षण के लिए 169 करोड़ रुपये खर्च किए। रिपोर्ट को डिजिटल बनाने का काम भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को दिया गया था। 2018 में सर्वेक्षण के कुछ हिस्से लीक हो गए थे। लीक हुए विवरणों के अनुसार, राज्य में अनुसूचित जाति सबसे बड़ा समुदाय है, उसके बाद मुस्लिम हैं। सर्वेक्षण में लिंगायत और वोक्कालिगा की आबादी वर्तमान अनुमान से काफी कम बताई गई है। पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष के जयप्रकाश हेगड़े ने नवंबर 2023 में कहा था कि जाति जनगणना सुरक्षित है और केवल कांताराजू आयोग द्वारा तैयार की गई वर्कशीट ही गायब हैं। उन्होंने कहा अगर वर्कशीट उपलब्ध होती तो हमारे लिए काम आसान हो जाता। डेटा सुरक्षित है। पिछली सरकार ने हमारे पत्र का जवाब नहीं दिया, लेकिन वर्तमान सरकार ने जवाब दिया और हमें अपलोड किए गए डेटा का उपयोग करके रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा।

बांग्लादेशियों को ही बेची जाती थी बांग्लादेशियों की किडनी

- राजधानी दिल्ली में चल रहा था किडनी का काला कारोबार
- अमानवीय धंधे में शामिल थे बड़े-बड़े डॉक्टर और अस्पताल

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम ने अंतर्राष्ट्रीय किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने एक नामी महिला डॉक्टर समेत सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई महिला डॉक्टर एक बड़े अस्पताल में काम करती है। आरोपी डोनर को साढ़े तीन लाख रुपए देते थे और प्राप्तकर्ता से 20 से 22 लाख रुपए लेते थे। बताया जा रहा है कि किडनी रैकेट तीन वर्ष से ज्यादा समय से चल रहा था। चलिए आपको हम बताते हैं कि यह पूरा गिरोह किस तरह से काम करता था।

किडनी का गैरकानूनी धंधा बांग्लादेश और भारत में बड़े पैमाने पर फैला हुआ है। गिरोह चार साल में करीब 500 लोगों की किडनी गैरकानूनी तरीके से प्रत्यारोपित कर चुके हैं। इसका खुलासा किडनी रैकेट के पर्दाफाश के बाद हुआ। किडनी बदलने के दौरान चार लोगों की जान भी जा चुकी है। किडनी प्रत्यारोपण अधिकतर नोएडा के यथार्थ और अप-ोलो अस्पताल में हुए हैं। दिल्ली के एक बड़े प्रतिष्ठित अस्पताल में केवल टेस्ट और जांच होती थी। अपराध शाखा के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरोह बांग्लादेश में ज्यादा सक्रिय था। गिरोह के सदस्य गरीब लोगों को भारत में नौकरी दिलाने के बहाने दिल्ली ले आते थे। भारत में उन्हें जसोला में किराए पर मकान लेकर या फिर गेस्ट हाउस में रखते थे। इसके बाद ये उन लोगों का पासपोर्ट जब्त कर लेते थे। इसके बाद गरीब बांग्लादेशियों पर किडनी डोनेट करने का दबाव बनाते थे। उनसे कहा जाता था कि नौकरी तभी मिलेगी जब आप किडनी बेचोगे। इसके एवज में उन्हें पैसे का भी लालच दिया जाता था।

मजबूरन पीड़ित किडनी देने को तैयार हो जाता था। दूसरी तरफ ये बांग्लादेशियों के डायलिसिस अस्पतालों पर नजर रखते थे। वहां जरूरतमंदों से संपर्क साधते थे। ये किडनी प्राप्तकर्ता को भारत ले आते थे। गिरोह के सदस्य किडनी डोनर व प्राप्तकर्ता के नकली कागजात किराये के मकान में तैयार करते थे। ये किडनी डोनर व प्राप्तकर्ता के बीच आपस में रिश्तेदार होने के कागजात बनाते थे। कागजात तैयार होने के बाद किडनी डोनर व प्राप्तकर्ता के दिल्ली के प्रतिष्ठित प्राइवेट अस्पताल में टेस्ट होते थे। टेस्ट होने के बाद ये नोएडा के अस्पतालों में प्रत्यार-ोपण कराते थे। किडनी प्रत्यारोपण के करीब-करीब सभी ऑपरेशन इन्हीं दोनों अस्पतालों में हुए हैं।

अपराध शाखा के पुलिस अधिकारियों के अनुसार नोएडा के इन दोनों की अस्पतालों में किडनी प्रत्यारोपण डॉ. डी विजया कुमारी ने किए हैं। वह अपने सहायक विक्रम के जरिए ही इस गिरोह के संपर्क में आई थी। वह पिछले चार साल से इस गिरोह के लिए काम कर रहे हैं। पूछताछ में पुलिस को पता चला कि किडनी डोनर को मात्र 4.5 लाख टका (बांग्लादेशी मुद्रा) दिया जाता था। किडनी प्राप्तकर्ता से 25 से 30 लाख रुपए लिए जाते थे। 4 लाख रुपए डॉ. डी विजया कुमारी की टीम को मिलते थे। प्रति किडनी प्रत्यारोपण की फीस के बतौर 1 लाख रुपए खुद डॉ. डी विजया कुमारी लेती थी। 4 लाख रुपए उस अस्पताल को दिए जाते थे जिनमें किडनी बदली जाती थी। 10 लाख रुपए गिरोह के लोग अपने पास रख लेते थे।

दिल्ली के एक नामचीन निजी अस्प-ताल में कंस्लटेंट रही डॉ. डी विजया कुमारी का पैसे लेने का तरीका भी अलग था। पुलिस ने उसके दो बैंक खातों का पता लगाया है। पीएनबी के खाते में 10 लाख रुपए से ज्यादा और दूसरे खाते में दो लाख रुपए से ज्यादा मिले हैं। दिल्ली पुलिस डॉ. डी विजया कुमारी के दोनों बैंक खातों की पिछले कई सालों की डिटेल खंगाल रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार नोएडा के एक अस्पताल से उसके सहायक विक्रम के बैंक खाते में पैसे आते थे। डॉक्टर के बैंक खाते में 90 हजार से एक लाख रुपए आते थे, जबकि नोएडा के ही दूसरे अस्पताल में वह मरीज से खुद पैसे लेती थी। इसके बाद वह सभी को पैसे बांटती थी। वह अपनी पूरी टीम के साढ़े तीन लाख से चार लाख रुपए रख लेती थी। अस्पताल को एक किडनी प्रत्यारोपण का चार लाख रुपए दिया जाता था।

आरोपियों ने पूछताछ के दौरान बताया कि गिरोह के सदस्य बांग्लादेश में डायलिसिस केंद्रों पर जाकर किडनी की बीमारी से पीड़ितों को निशाना बनाते थे। ये किडनी डोनर भी बांग्लादेश में ही ढूंढ़ते थे। डोनर को भारत लाया जाता था और फिर पासपोर्ट जब्त कर उन्हें किडनी देने के लिए मजबूर किया जाता था। इसके बाद आरोपी रसेल और इफ्ति अपने सहयोगियों मोहम्मद सुमन मियां, मोहम्मद रोकन उर्फ राहुल सरकार और रतेश पाल के माध्यम से प्राप्तकर्ताओं/डोनर के बीच संबंध दिखाने के लिए जाली दस्तावेज तैयार करते थे। जाली दस्तावेज के आधार पर अस्पतालों से प्रारंभिक चिकित्सा जांच कराते थे। इसके बाद दिल्ली व नोएडा के अस्पतालों में किडनी ट्रांसप्लांट करवाते थे।

जांच के दौरान यह पाया गया कि डॉ. डी. विजया राजकुमारी का निजी सहायक विक्रम सिंह रोगियों की फाइलें तैयार करने में सहायता करता थे और रोगी और डोनर का हलफनामा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था। विक्रम सिंह आरोपियों से प्रति मरीज 20000 लेता था। रसेल ने अपने एक सहयोगी के रूप में मोहम्मद शारिक का नाम भी बताया। मोहम्मद शारिक डॉ. डी. विजया राजकुमारी से मरीजों का अपॉइंटमेंट लेता था और पैथोलॉजिकल टेस्ट करवाता था और डॉक्टर की टीम से संपर्क करता था। मोहम्मद शारिक प्रति मरीज 5000 से 60000 लेता था। दो आरोपी व्यक्तियों विक्रम सिंह और मोहम्मद शारिक को 23 जून को गिरफ्तार कर लिया।

मूलरूप से बांग्लादेश निवासी रसेल 2019 में भारत आया और एक बांग्लादेशी मरीज को अपनी किडनी दान की थी। किडनी देने के बाद उसने यह रैकेट शुरू किया। वह इस रैकेट का किंगपिन है और विभिन्न हितधारकों के बीच समन्वय करता है। उसने बांग्लादेश के संभावित किडनी दाताओं और किडनी प्राप्तकर्ताओं के बीच संपर्क स्थापित किया। वह बांग्लादेश में रहने वाले इफ्ति नामक व्यक्ति से डोनर मंगवाता था। प्रत्यारोपण पूरा होने पर उसे आमतौर पर इस कंपनी से 20-25 फीसदी तक कमीशन मिलता है।

मूलरूप से बांग्लादेश निवासी आरोपी मोहम्मद सुमन मियां, आरोपी रसेल का साला है और वर्ष 2024 में भारत आया था। तब से वह रसेल के साथ उसकी अवैध गतिविधि में शामिल है। वह किडनी रोगियों की पैथोलॉजिकल जांच का काम देखता है। रसेल उसे प्रत्येक मरीज/दाता के लिए 20,000 का भुगतान करता था। मोहम्मद रोकोन उर्फ राहुल सरकार उर्फ बिजय मंडल-बांग्लादेश निवासी मोहम्मद रसेल के निर्देश पर किडनी दानकर्ताओं और किडनी प्राप्तकर्ताओं के फर्जी दस्तावेज तैयार करता था। रसेल उसे प्रत्येक मरीज/दाता के लिए 30,000 का भुगतान करता था। उसने 2019 में एक बांग्लादेशी नागरिक को अपनी किडनी भी दान की थी। त्रिपुरा निवासी रतेश पाल को रसेल उसे प्रत्येक मरीज/दाता के लिए 20,000 का भुगतान करता था। गिरोह के सदस्य शरीक ने बीएससी मेडिकल लैब टेक्नीशियन तक की पढ़ाई की है। वह यूपी का रहने वाला है। वह मरीजों और दाताओं की प्रत्यारोपण फाइलों की प्रोसेसिंग के संबंध में निजी सहायक विक्रम और डॉ. विजया राजकुमारी के साथ समन्वय करता था। उत्तराखंड का रहने वाला विक्रम वर्तमान में वह फरीदाबाद, हरियाणा में रहता है। आर-ोपी डॉ. डी. विजया राजकुमारी का सहायक है।

डॉ. विजया राजकुमारी किडनी सर्जन और दो अस्पतालों में विजिटिंग कंसल्टेंट हैं। फिलहाल उसे अपोलो अस्पताल से निलंबित किया हुआ है। तीन आरोपी मरीज हैं। इस कारण उन्हें गिरफ्तार करने के बजाय बाउन-डाउन किया गया है। इन लोगों के पास से अलग-अलग प्रमुखों यानी डॉक्टर, नोटरी पब्लिक, एडवोकेट आदि की 23 मोहरें, किडनी मरीजों और दाताओं की छह जाली फाइलें, अस्पतालों के जाली दस्तावेज, जाली आधार कार्ड, जाली स्टिकर, खाली स्टाम्प पेपर, पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क, दो लैपटॉप जिसमें आपत्तिजनक डेटा है, आठ मोबाइल फोन और 1800 यूएस डॉलर बरामद किए गए हैं।

उन्नाव में भीषण सड़क हादसा

बस और टैंकर की भिड़ंत में 18 यात्रियों की मौत

राष्ट्रपति, पीएम समेत कई नेताओं ने जताया दुख

उन्नाव, 10 जुलाई (एजेंसियां)। उन्नाव जिले में एक डबल डेकर बस के दूध के टैंकर से टकराने के कारण 18 लोगों की मौत हो गई। 20 से अधिक लोग घायल हो गए। यह हादसा आज सुबह करीब पांच बजे हुआ। इस दर्दनाक हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई नेताओं ने दुख जताया है। प्रधानमंत्री ने उन्नाव में हुए हादसे में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। घायलों को 50,000 रुपए दिए जाएंगे।

जानकारी के अनुसार, डबल डेकर बस (यूपी 95 टी 4720) बिहार के शिवगढ़ से राजधानी दिल्ली जा रही थी। जैसे ही स्लीपर बस लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर बेहटा मुजावर थाना इलाके में हवाई पट्टी पर पहुंची तो दूध से भरे टैंकर से उसकी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस के परखच्चे उड़ गए। जिस जगह पर हादसा हुआ, वहां लाशों का अंबार लग गया।

सड़क पर लाश ही लाश दिखाई दे रही थी। मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे में एक बच्चे और महिलाओं समेत 18 यात्रियों की मौत हो गई। जबकि 20 यात्री गंभीर रूप से जख्मी हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। मृतकों में 2 महिलाएं और एक बच्चा भी शामिल है। वहीं 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक बिहार के शिवगढ़ से दिल्ली जा रही स्लीपर बस बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र में हवाई पट्टी पर टैंकर में भिड़ गई। हादसा इतना भीषण था कि बस से परखचे उड़ गए।

पुलिस के मुताबिक बिहार के सीतामढ़ी से दिल्ली जा रही डबल डेकर बस को दूध के एक टैंकर ने ओवरटेक करने की कोशिश की। इसी बीच दोनों में जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि बस दो हिस्सों में फट गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर एसपी और डीएम पहुंचे।

हादसे में मारे गए लोगों में लालबाबू दास पुत्र रामसूरज दास निवासी थाना हिरागा जनपद शिवहर, बिहार, रामप्रवेश कुमार निवासी थाना हिरागा जनपद शिवहर, बिहार, भरत भूषण कुमार पुत्र लाल बहादुर दास निवासी थाना हिरागा जनपद शिवहर, बिहार, बाबू दास पुत्र रामसूरज दास निवासी थाना हिरागा जनपद शिवहर, बिहार, चांदनी पत्नी मो. शमशाद निवासी शिवोली, मुलहारी, मो. शफीक पुत्र अब्दुल बसीर निवासी शिवोली, मुलह-ारी, मुन्नी खातून पत्नी अब्दुल बसीक निवासी शिवोली, मुलह-ारी, मो. सद्दाम पुत्र पुत्र मो. बशीर निवासी गमरोली थाना शिवहर, बिहार, दिलशाद (22) पुत्र अशफाक निवासी थाना मोदीपुरम, मेरठ, बीटू (9) पुत्र राजेन्द्र निवासी थाना भादूर, शिवहर, बिहार, रजनीश पुत्र रामविलास निवासी जनपद सीवान, बिहार, नगमा पुत्री मो. शहजाद निवासी भजनपुरा, दिल्ली, शबाना पत्नी मो. शहजाद निवासी भजनपुरा, दिल्ली, तौफीक आलम पुत्र अब्दुल बसीर निवासी शिव-ोली, मुलहारी समेत चार अन्य अज्ञात शामिल हैं।

दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री राजकुमार आनंद भाजपा में शामिल

छतरपुर विधायक ने भी छोड़ा आम आदमी पार्टी का साथ

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार में मंत्री रह चुके आम आदमी पार्टी के नेता राजकुमार आनंद आज भाजपा में शामिल हो गए। लोकसभा चुनाव से पहले मंत्री पद से इस्तीफा देकर वे बसपा में शामिल हुए थे। आनंद के अलावा आपा के छतरपुर से विधायक करतार सिंह तंवर और आपा के पार्षद उमेद सिंह फोगाट भी भाजपा में शामिल हुए हैं।

आपा के पूर्व विधायक वीणा आनंद, आपा नेता रत्नेश गुप्ता और सचिन राय भी भाजपा में शामिल हुए। भाजपा मुख्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह और दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद सचदेवा ने उन्हें भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई।

राजकुमार आनंद ने हाल में हुए लोकसभा चुनाव में नई दिल्ली सीट से बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था। इस सीट से भाजपा की बांसुरी स्वराज ने जीत दर्ज की थी। राजकुमार आनंद दिल्ली सरकार में सामाजिक कल्याण मंत्री थे। उन्होंने दिल्ली सरकार पर अनुसूचित जाति विरोधी बताते हुए मंत्री पद के साथ ही आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देकर बसपा का दामन थाम लिया था।

सभी हमलों आतंकियों ने अपनाई एक जैसी रणनीति

एम-4 अमेरीकी स्नाइपर राइफलों का कर रहे इस्तेमाल

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 10 जुलाई। पिछले तीन साल में जम्मू संभाग के लगभग सभी जिलों को सैनिकों के खून से लहूलुहान करने वाले आतंकियों ने इन सभी हमलों में एक जैसी रणनीति अपनाई है। इस रणनीति में पहले उन्होंने हमले वाली जगहों की रेकी करने में स्थानीय गाइडों का सहारा लिया और फिर हथगोलों की बरसात कर एम-4 अमेरीकी स्नाइपर राइफलों से जानें ली।

पिछले तीन साल में जम्मू संभाग के राजौरी, पुंछ, डोडा, भद्रवाह, किश्तवाड़, रियासी और कठुआ के मच्छेड़ी में सैन्य वाहनों को निशाना बना 51 सैनिकों को मौत के घाट उतारने के मामलों की जांच अब एनआईए के हवाले है। इसजांच में जुटे अधिकारी सकते में हैं कि तीन साल पहले आतंकियों ने जिस रणनीति को अपनाया था वे अभी भी उसी को अपनाते हुए जानलेवा साबित हो रहे हैं पर सुरक्षाबल उसका तोड़ नहीं निकाल पा रहे हैं। इन जिलों में हुए आतंकी हमलों में आतंकियों ने अधिकतर में सैन्य वाहनों को उन स्थानों पर अपना निशाना बनाया जो सुनसान थे या तीखे मोड़ों पर थे। हालांकि अभी इसके प्रति स्पष्टता नहीं है कि इन हमजलों में मदद करने वाले आतंकियों के स्थानीय समर्थकों और गाइडों को भी आतंकियों ने साथ रखा था या नहीं। लेकिन यह जानकारी अब बाहर आ रही है कि इन हमलों को अंजाम देने के लिए पाकिस्तानी मूल के आतंकियों ने उन स्थानीय आतंकिये की मदद जरूर ली थी जो हाल ही में बरास्ता नेपाल से वापस प्रदेश में लौटे हैं या फिर जो सरेंडर करने के बाद रिहा हो चुके हैं।

अधिकारियों ने माना है कि मच्छेड़ी के ताजा हमले में भी इसी प्रकार की रणनीतियां अपनाई गई और वैसे ही हथियारों का इस्तेमाल किया गया। हालांकि मच्छेड़ी हमले में प्रयुक्त एम-4 अमेरीकी स्नाइपर राइफल अभी तक बरामद नहीं की जा सकी है, पर जिस वाहन पर हमला हुआ उसके साथ चल रहे दूसरे सैन्य वाहन पर सवार सैनिकों का दावा था कि आतंकियों ने स्नाइपर राइफल से दोनों वाहनों के चालकों को सबसे पहले निशाना बनाने के बाद दोनों पर हथगोले दागे थे। यह बात अलग थी कि दूसरे वाहन पर दागा गया हथगोला फूटा नहीं था और उसमें सवार जवानों ने आतंकियों का मुकाबला किया था जो कुछ देर बाद परिदृश्य से गायब हो गए थे। नतीजतन सुरक्षाधिकारी अब इस रणनीति का तोड़ ढूंढने की कोशिश में तो लगे हुए हैं पर स्थानीय गाइडों द्वारा मिल रहे समर्थन और भौगोलिक परिस्थितियों के कारण वे अधिक कुछ न कर पाने को मजबूर हैं।

11 दिन में 2 लाख श्रद्धालुओं ने की अमरनाथ यात्रा

जम्मू, 10 जुलाई (ब्यूरो)। इस बार की अमरनाथ यात्रा ने 11 दिनों में ही 2 लाख का आंकड़ा पार कर एक नया रिकार्ड बनाया है। ऐसे में उम्मीद यह की जा रही है कि इस बार की अमरनाथ यात्रा आज तक का सबसे बड़ा आंकड़े का रिकार्ड कायम करेगी अगर सब कुछ सामान्य तौर पर चलता रहा। हालांकि अमरनाथ यात्रा के प्रति एक रिकार्ड सबसे ज्यादा श्रद्धाल-ुओं के शामिल होने का वर्ष 2011 की यात्रा में बना था जब रिकार्ड तोड़ 6.35 लाख श्रद्धाल-ुओं ने इस यात्रा में शिरकत की थी। हालांकि अब जम्मू संभाग में आतंकी हमलों के उपरांत प्रशासन को अमरनाथ श्रद्धालुओं की चिंता इसलिए सताने लगी है क्योंकि अब खुफिया अधिकारी भी चेताने लगे हैं कि अमरनाथ यात्रा आतंकी हमलों से दो चार हो सकती है।

वैसे मौसम इस बार अमरनाथ यात्रा में उम्मीद से अधिक मेहरबान है जिस कारण प्रशासन का एक ही टारगेट है कि इस बार की अमरनाथ यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालु शिरकत करें। वैसे प्रशासन प्रतिदिन 20 से 25 हजार श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए रवाना कर गुफा के बाहर जबरदस्त भीड़ एकत्र किए हुए है। वैसे इस बार की यात्रा 52 दिनों की है और अभी यात्रा समाप्त होने में 41 दिन बाकी हैं। और प्रशासन की चिंता 41 दिनों तक इसमें उत्साह बरकरार रखने की भी है क्योंकि अक्सर देखा गया है कि अमरनाथ यात्रा के प्रतिक हिमलिंग के पिघलने के बाद से ही यात्रा हमेशा ही ढलान पर आ जाती है। और चिंता का विषय यह भी है कि इस बार भी भक्तों की सांसों की गर्मी से हिमलिंग कब का पिघल चुका है।

जानकारी के लिए वर्ष 2007 से लेकर वर्ष 2019 के आंकड़ों पर अगर एक नजर दौड़ाएं तो वर्ष 2016 में, जब हिज्बुल मुजाहिदीन के पोस्टर ब्याय बुरहान वानी की मौत हुई थी, सबसे कम 2.20 लाख श्रद्धालु यात्रा में शामिल हुए थे।

जबकि चौंकाने वाली बात यह है कि वर्ष 2008 में जब अमरनाथ भूमि आंदोलन को लेकर जम्मू में दो माह तक लगातार आंदोलन, हड़ताल और कर्फ्यू लागू रहा था तब भी सरकारी रिकार्ड के मुताबिक, 5.50 लाख श्रद्धालुओं ने 14500 फुट की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा में बनने वाले हिमलिंग के दर्शन किए थे। हालांकि इस आंकड़े पर आज भी संदेह व्यक्त किया जाता रहा है।

2007 से लेकर 2019 तक के आंकड़ों में इस साल के 11 दिनों के आंकड़े ने पिछले चार साल का रिकार्ड जरूर तोड़ दिया है। जबकि अमरनाथ यात्रा श्राइन बोर्ड के अधिकारियों को उम्मीद थी कि अगर सब सकुशलता से चलता रहा तो इस बार यात्रा एक नया रिकार्ड बनाएगी। आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017 तथा 2018 में क्रमशः 2.63, 5.50, 3.75, 4.59, 6.35, 6.20, 3.53, 3.72, 2.20, 2.60 तथा 2.85 लाख श्रद्धालुओं ने शिरकत की थी।

लद्दाख में 108 किलो सोना बरामद, दो गिरफ्तार

जम्मू, 10 जुलाई (ब्यूरो)। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) ने लद्दाख में 108 किलोग्राम से अधिक वजन के 108 सोने के बिस्किट जब्त किए हैं। लद्दाख सेक्टर में दो लोगों के कब्जे से तस्करी का सोना जब्त किया गया। आईटीबीपी के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की और कहा कि आईटीबीपी के इतिहास में यह अब तक की सबसे बड़ी बरामदगी है। पूछताछ के बाद दोनों संदिग्धों को सीमा शुल्क विभाग को सौंप दिया जाएगा।

आईटीबीपी ने बताया कि सब-सेक्टर लद्दाख के इलाकों में गश्त के दौरान सेरिगाप्ले इलाके में दो संदिग्धों को देखा गया, जिन्होंने पूछताछ में दावा किया कि वे औषधीय पौधे एकत्र कर रहे थे। आईटीबीपी के जवानों ने उनके टेंट की तलाशी ली तो वहां सोने के 108 बिस्किट पाए गए। उनके पास से एक दूरबीन, कुछ चाकू, चाइनीज खाना, दो टट्टू और दो सेल फोन भी जब्त किए गए। दोनों की पहचान तेनजिंग टार्गे (40) और चेरिंग चंबा (69) के रूप में हुई, जो लद्दाख के हेनले गांव के निवासी हैं। तलाशी अभियान आईटीबीपी की 21वीं बटालियन द्वारा लद्दाख और श्रीनगर सेक्टर के सहयोग से शुरू किया गया था। संदिग्ध व्यक्तियों ने चकमा देकर भागने की भी कोशिश की, लेकिन गश्ती दल ने उन्हें दबोच लिया।

सीएम योगी ने 7720 लेखपालों को वितरित किए नियुक्ति पत्र

लखनऊ, 10 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लोकभवन में आयोजित मिशन रोजगार कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत चयनित 7720 लेखपालों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर सीएम योगी ने नव चयनित लेखपालों को उनके कर्तव्यों के प्रति आगाह किया। उन्होंने कहा कि ये नियुक्ति प्रक्रिया पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ संपन्न हुई है। इसमें कहीं कोई भेदभाव नहीं हुआ, कोई सिफारिश की आवश्यकता नहीं पड़ी। ऐसे में ये आपकी जिम्मेदारी बनती है कि बिना किसी सिफारिश के प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के साथ ही एक गरीब की ईज ऑफ लिविंग के लिए आपको अपने स्तर पर विशेष कार्य करना है। एक गरीब के जीवन के लिए आपकी ऊर्जा और प्रतिभा लगे, निवेश की संभावनाओं में आपका सकारात्मक सहयोग मिले, जाति, निवास, आय प्रमाणपत्र के लिए जो समय सीमा तय की गई है उसके अनुसार आम जनमानस और युवाओं को सहयोग प्राप्त हो। विरासत, नामांतरण और पैमाइश से जुड़ी कार्यवाही समय से पूरी हों। लोगों के बीच में आपकी अच्छी छवि बने और लेखपाल के नाम से लोग घबराएं नहीं। कार्यक्रम के दौरा सीएम योगी के समक्ष मिशन रोजगार को लेकर एक लघु फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। लोकभवन के साथ ही विभिन्न कमिश्नरी में भी कार्यक्रम का लाइव आयोजन किया गया।

सीएम योगी ने नव चयनित लेखपालों से अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आपका जनता के बीच नजदीकी जुड़ाव होता है। किसी को पट्टे की जमीन देनी है, किसी को वरासत का कार्य करना है, किसी के नामांतरण का कार्य करना है, कृषि को अकृषि घोषित करते हुए निवेश की संभावना को आगे बढ़ाना है, कहीं पर पैमाइश की कार्यवाही को बढ़ाना है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में एक फुट, दो फुट के लिए हिंसक घटनाएं होती हैं। अगर हम समय पर पैमाइश करके सीमांकन कर लें तो कोई विवाद नहीं होगा। कोई दबंग भूमाफिया जबर्दस्ती सरकारी या गरीब की जमीन पर कब्जा कर रहा है तो वहां एंटी भूमाफिया टास्क के साथ जाकर हम बड़ी कार्रवाई करें। कहीं पर निवेश के लिए कोई प्रस्ताव आया है तो उसको समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ा दें। बाढ़ जैसी आपदा में समय पर लोगों को राहत दे दें। कृषक दुर्घटना बीमा में कृषक, उसके परिवार के किसी सदस्य या फिर बटाईदार और उसके परिवार के सदस्य की किसी आपदा में मृत्यु होने पर समयबद्ध तरीके से राहत की धनराशि उसके परिवार को मिल जाए। गलत तरीके से कोई भी कार्य न करें और टेक्नोलॉजी का उपयोग करें। राजस्व की पूरी व्यवस्था ही डिजिटाइज हो रही है। लैपटाप और टैबलेट उपलब्ध कराने की कार्यवाही को ट्रेनिंग के समय से ही जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाला कोई भी व्यक्ति अगर परंपरागत रूप से ग्राम समाज की आबादी की जमीन पर मकान बनाकर रह रहा है तो उसकी जमीन का मालिकाना हक उसे घरौनी के माध्यम से मिल सके। अब तक 63 लाख से ज्यादा लोगों को हमने यह व्यवस्था दे दी है और हमारा प्रयास है कि इस वर्ष तक सभी 1.25 करोड़ परिवारों को यह सुविधा उपलब्ध करा देंगे।

सीएम योगी ने कहा कि इस नियुक्ति प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने के लिए 2022 में राजस्व विभाग ने अपना अधियाचन अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को दिया था। चयन की प्रक्रिया पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ आयोग ने संपन्न की, लेकिन कुछ लोगों की फितरत होती है कि हर अच्छे कार्य में रोड़ा अटकाया जाए। नवचयनित लेखपालों के नियुक्ति पत्र वितरण में भी रोड़े अटकाने के कार्य हुए, लेकिन राजस्व विभाग और अधीनस्थ सेवा चयन आयोग इसके लिए लड़ा और अंततः सुप्रीम कोर्ट से भी फैसला अपने पक्ष में करके आज 7720 नवचयनित युवाओं को उनकी आकांक्षा के अनुरूप ये नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा रहे हैं। यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद 4700 और नई नियुक्ति के अधियाचन हम भेज चुके हैं और जल्द ही उस प्रक्रिया को भी पूर्ण करने वाले हैं। इस प्रक्रिया के पूरा होते ही 3837 लेखपाल जो प्रदेश में नियुक्त होने चाहिए, उनकी संख्या पूरी हो जाएगी।

2017 के पहले की तस्वीर सबने देखी है। लेखपालों के आधे पद खाली पड़े थे,क्योंकि भर्ती नहीं होती थी। भर्ती की प्रक्रिया में तमाम होल थे। प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही चाचा-भतीजे की जोड़ी वसूली के लिए निकल पड़ती थी और पूरे खानदान को जिले आवंटित हो जाते थे। ये वही उत्तर प्रदेश है जिसका युवा बाहर कहीं जाता था तो उसे पहले ही साइड कर दिया जाता था। कुछ जिलों की छवि तो ऐसी बना दी गई थी कि लोग नौकरी की बात तो दूर होटल और धर्माशाला में भी जगह नहीं देते थे। आज युवा कहीं भी जाएगा बड़े सम्मान की निगाहों से देखा जाता है, क्योंकि उन्हें मालूम है कि यह नए उत्तर प्रदेश का नया युवा है, इसकी प्रतिभा का लोहा दुनिया मान रही है। ये जो कार्य हुए हैं, उसने उत्तर प्रदेश को एक पहचान दी है। यह जो नई पहचान बनी है, उसे बरकरार रखने की आवश्यकता है और इसमें पूरी ताकत और ऊर्जा लगानी है। इस अवसर पर वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, अध्यक्ष राजस्व परिषद डॉ रजनीश दुबे, प्रमुख सचिव राजस्व पी गुरु प्रसाद, राजस्व विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहे।

निवेश और योजनाओं से करोड़ों नौकरियों का सृजन

सीएम योगी ने प्रदेश में मिशन रोजगार को लेकर कहा कि पिछले 7 वर्ष में आपने देखा होगा कि प्रदेश सरकार नियुक्ति की प्रक्रिया को पूरी इमानदारी और बिना भेदभाव के युवा की योग्यता और उनकी क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ा रही है। इसी का परिणाम है कि 6 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान की गई है और आज वो सभी युवा अलग-अलग क्षेत्र में प्रदेश के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। प्रदेश में एक लाख 55 हजार से अधिक पुलिस कार्मिकों की नियुक्ति की गई है, जबकि 1 लाख 54 हजार से अधिक शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया को पूरा किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य विभागों में भी इसी प्रकार की भर्तियों की प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा किया गया है। सीएम ने कहा कि प्रदेश में अब तक हमारी सरकार 15 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश को धरातल पर उतार चुकी है। हमारे पास अभी लगभग 30 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव बाकी है, जिन्हें धरातल पर उतारने की कार्यवाही चल रही है। प्रदेश में निवेश का बेहतरीन माहौल बना है, एमएसएमई सेक्टर को प्रोत्साहित करने का कार्य हुआ, इन सबसे भी हमने प्रदेश में एक करोड़ 62 लाख युवाओं को अपने ही जनपद में नौकरी की संभावनाएं उपलब्ध कराई हैं। पहली बार इतनी बड़ी संख्या में अपने जनपद और गांव में रोजगार की सुविधा प्राप्त हुई। यही नहीं, प्रदेश ने स्वरोजगार के लिए भी केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को आगे बढ़ाने का कार्य किया, जिससे प्रदेश में 62 लाख लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ। आज इसी का परिणाम है कि यूपी का अनइंप्लायमेंट रेट तेजी से नीचे गिर रहा है और अधिक से अधिक युवाओं को नौकरी व स्वरोजगार से जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ है।

20 जुलाई को पौधरोपण का नया रिकॉर्ड बनाएगा यूपी : योगी

लखनऊ, 10 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ जन अभियान-2024 की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में एक पेड़ मां के नाम अभियान को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया। एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत उत्तर प्रदेश को इस वर्ष 36.46 करोड़ से अधिक का लक्ष्य मिला है। मुख्यमंत्री जी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि आपसी समन्वय से इस लक्ष्य को हर हाल में आगामी 20 जुलाई को पूरा करें। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेशव्यापी पौधरोपण महाअभियान के लिए विभागवार व जनपदवार लक्ष्य निर्धारित करते हुए कार्य किया जाए। बैठक में उन्होंने प्रदेश सरकार के मंत्रियों व विभिन्न विभागाध्यक्षों को दिशा-निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पौधरोपण अभियान अब जन आंदोलन का स्वरूप ले चुका है। विगत छह वर्ष में यहां 168 करोड़ से अधिक पौधे रोपित किए जा चुके हैं। जिनमें 2017-18 में 5.72 करोड़, 2018-19 में 11.77 करोड़, 2019-20 में 22.60 करोड़, 2020-21 में 25.87 करोड़, 2021-22 में 30.53 करोड़, 2022-23 में 35.49, 2023-24 में 36.16 करोड़ पौधरोपण किए गए। भारतीय वन सर्वेक्षण, देहरादून द्वारा प्रकाशित स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश में 1.98 लाख एकड़ भूमि में हरित आवरण में वृद्धि हुई है। प्रदेश में आगामी 20 जुलाई को 36.46 करोड़ से अधिक पौधे लगेंगे। सभी मंत्री अपने प्रभार वाले जनपद में उपस्थित रहकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों व आमजन के साथ मिलकर पौधरोपण करें। इस कार्यक्रम में नोडल अधिकारी अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन करें। पौधरोपण अभियान की सफलता के लिए पौधों की उपलब्धता अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा 54.20 करोड़ पौधे तैयार किए गए हैं। इन पौधों के रोपण के साथ-साथ इनकी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। पौधरोपण स्थलों की जियो टैगिंग की जाए।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सारस की ग्रीष्मकालीन गणना-2024 की घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस बार गणना 19918 सारस पाए गए हैं। 2023 में यह संख्या 19522, 2022 में 19188 थी। माननीय मुख्यमंत्री जी ने पेड़ लगाओ- पेड़ बचाओ जन अभियान-2024 के लोगो का अनावरण भी किया। साथ ही उन्होंने वृक्षारोपण फ्लिप बुक का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापक जन सहयोग से प्रदेश के कुल हरित क्षेत्र में सतत वृद्धि हो रही है। राज्य सरकार का लक्ष्य प्रदेश के कुल हरित क्षेत्र को 2021-22 के 9.23 प्रतिशत से बढ़ाकर 2026-27 तक 15 प्रतिशत तक ले जाने का है। इस लक्ष्य के अनुरूप 175 करोड़ पौधे लगाने और संरक्षित करने होंगे।

दम्पति की आत्महत्या पर अखिलेश यादव का दावा झूठा निकला

परिजनों ने नकारी बेरोजगारी की बात, मिलता था एक लाख वेतन

लखनऊ, 10 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के मुखिया और सांसद अखिलेश यादव ने हाल ही में एक युवक की आत्महत्या को लेकर झूठ फैलाया। उन्होंने वाराणसी में फांसी लगा आत्महत्या करने वाले हरीश और उनकी पत्नी संचिता शरण को लेकर यह झूठे दावे किए। अखिलेश यादव ने दावा किया कि 28 वर्षीय हरीश बागेश ने अपनी नौकरी जाने और दूसरी नौकरी न मिलने के दबाव के कारण आत्महत्या की है। यादव ने भाजपा को इसमें घसीटते हुए दावा किया कि पति-पत्नी की आत्महत्या उत्तर प्रदेश में भाजपा की विफलता का प्रमाण है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, नौकरी छूटने और फिर न लग पाने के दबाव में पति की आत्महत्या की सूचना मिलने पर पत्नी द्वारा भी आत्महत्या करने का दुखद समाचार मिला। भाजपा सरकार की नाकामी का इससे बड़ा कोई और हलफनामा चाहिए क्या। भाजपा को सिर्फ़ सत्ता की राजनीति से मतलब है, जनता के दुख-दर्द, बेरोजगारी या महंगाई से नहीं। भाजपा राज में हताश जनता से विनम्र आग्रह है कि ऐसा कोई भी क़दम न उठाएं क्योंकि आत्महत्या कोई समाधान नहीं है, समाधान है भाजपा सरकार का बदलना।

संचिता शरण के पिता डॉ. राम शरण ने अखिलेश यादव के दावों को झूठा और राजनीति प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि सपा नेता दंपत्ति की आत्महत्या पर राजनीति कर रहे हैं। शरण ने कहा कि हरीश मुंबई में नौकरी करते थे और उनकी सैलरी एक लाख रुपए थी। उन्होंने स्वयं हरीश को गोरखपुर वापस बुलाया था, क्योंकि राम शरण और उनकी पत्नी (संचिता के माता-पिता) यहां अकेले थे और उनका बेटा इंग्लैंड में रहता है। उन्होंने कहा कि यह अखिलेश यादव की राजनीति है। इस घटना का बेरोजगारी से कोई लेना-देना नहीं है।

हाथरस हादसा : मायावती ने एसआईटी की जांच पर उठाए सवाल

लखनऊ, 10 जुलाई (एजेंसियां)। हाथरस की घटना को लेकर बसपा प्रमुख मायावती ने एक बार फिर से बाबा सूरजपाल के खिलाफ आवाज उठाई है। साथ ही एसआईटी द्वारा सरकार को पेश रिपोर्ट पर भी सवालिया निशान खड़ा किया। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा, यूपी के जिला हाथरस में सत्संग भगदड़ कांड में हुई 121 निर्दोष महिलाओं और बच्चों की दर्दनाक मौत सरकारी लापरवाही का जीता-जागता प्रमाण है। घटना की एसआईटी द्वारा सरकार को पेश की गई जांच रिपोर्ट घटना की गंभीरता के हिसाब से नहीं होकर राजनीति से प्रेरित ज्यादा लगती है, यह अति-दुखद है।

मायावती ने कहा, इस जानलेवा दर्दनाक घटना के मुख्य आयोजक भोले बाबा की भूमिका के सम्बंध में एसआईटी की खामोशी भी लोगों में चिन्ता का कारण बन रही है।

साथ ही, उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के बजाय उसे क्लीनचिट देने का प्रयास खासा चर्चा का विषय बना हुआ है। सरकार इस पर जरूर ध्यान दे ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृति न हो। इससे पहले 6 जुलाई को भी मायावती ने बाबा के खिलाफ आवाज उठाई थी। साथ ही ऐसे बाबाओं से दूर रहने की सलाह दी थी। मायावती ने कहा था कि देश में गरीबों, दलितों व पीड़ितों आदि को अपनी गरीबी व अन्य सभी दुःखों को दूर करने के लिए हाथरस के भोले बाबा जैसे अनेकों और बाबाओं के अंधविश्वास और पाखंडवाद के बहकावे में आकर अपने दुःख व पीड़ा को और नहीं बढ़ाना चाहिए, यही सलाह है।

मायावती ने कहा था कि बल्कि बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के बताए हुए रास्तों पर चलकर इन्हें सत्ता खुद अपने हाथों में लेकर अपनी तकदीर खुद बदलनी होगी अर्थात् इन्हें अपनी पार्टी बीएसपी से ही जुड़ना होगा, तभी ये लोग हाथरस जैसे कांडों से बच सकते हैं जिसमें 121 लोगों की मृत्यु हुई। उन्होंने कहा था कि हाथरस कांड में, बाबा भोले सहित अन्य जो भी दोषी हैं, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। ऐसे अन्य और बाबाओं के विरुद्ध भी कार्रवाई होनी जरूरी। इस मामले में सरकार को अपने राजनीतिक स्वार्थ में ढीला नहीं पड़ना चाहिए ताकि आगे लोगों को अपनी जान न गंवानी पड़े।

मायावती पहली ऐसी नेता हैं, जिन्होंने बाबा के खिलाफ खुलकर आवाज उठाई है। मायावती को छोड़कर वोटबैंक खिसकने की वजह से अभी तक किसी भी राजनेता ने बाबा के खिलाफ दो शब्द भी नहीं बोले हैं। जहां योगी सरकार ने इस पूरे मामले में जांच की बात कहकर पल्ला छाड़ लिया है तो वहीं राहुल-अखिलेश ने हाथरस हादसे के लिए सरकार पर सवाल खड़े किए हैं, लेकिन सूरजपाल बाबा के खिलाफ आवाज नहीं उठाई है। जानकार कहते हैं, नेताओं के बाबा के खिलाफ आवाज न उठाना एक वोटबैंक सबसे बड़ा कारण है। यही वजह है कि यूपी पुलिस की एफआईआर में बाबा का नाम भी शामिल नहीं है।

भ्रष्टाचारी और गैर जिम्मेदार अफसरों और कर्मचारियों पर हुई कार्रवाई

लखनऊ, 10 जुलाई (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार में लिप्त और पद का दुरुपयोग करने वाले सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों पर फिर एक बार सीएम योगी का चाबुक चला है। जनपद फिरोजाबाद के अंतर्गत सिरसागंज तहसील में गलत तरीके से भूमि का विक्रय करने, संदिग्ध रूप से अपने करीबियों को जमीन दिलाने के मामले में कड़ा एक्शन लेते हुए सरकार ने यहां उप जिलाधिकारी, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, लेखपाल और पेशकार को सस्पेंड कर दिया है। जांच के लिए गठित कमेटी की अनुशंसा के बाद यह कार्रवाई की गई है। शासन की ओर से डीएम को इनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई के साथ-साथ एफआईआर कराने के भी निर्देश दिए गए हैं।

प्रदेश सरकार के सतर्कता विभाग की ओर से इन सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की जांच के भी निर्देश दिए गए हैं। उपजिलाधिकारी, फिरोजाबाद विवेक राजपूत द्वारा सिरसागंज तहसील में तैनाती के दौरान जून 2024 में ग्राम रुधैनी की जमीन से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए अवर न्यायालय द्वारा पारित आदेश को खारिज कर संदिग्ध रूप से आदेश पारित किया गया। आदेश के महज 5 दिन के अंदर अनियमित तरीके से पद का दुरुपयोग करते हुए भूमि अपने गृह जनपद के निवासियों एवं अन्य सगे संबंधियों को दिला दी गई। इस मामले में प्रथम दृष्टया उत्तरदायी पाते हुए उत्तर प्रदेश शासन ने विवेक राजपूत को तत्कालीन प्रभाव से निलंबित कर दिया तथा विभागीय कार्रवाई की संस्तुति कर दी है। इसी प्रकार, प्रभारी तहसीलदार/नायब तहसीलदार नवीन कुमार पर भी पद का दुरुपयोग कर राजस्व अधिकारियों की मिली भगत से जमीन हड़पने एवं सरकारी सेवक आचरण नियमावली के उल्लंघन पर कार्यालय राजस्व परिषद ने कार्रवाई करते हुए निलंबित कर दिया। लेखपाल अभिलाष सिंह को भी जमीन हड़पने व फसल बर्बादी के संबंध में की गई शिकायत की जांच में दोषी पाए जाने पर उपजिलाधिकारी द्वारा निलंबित किया गया और विभागीय कार्रवाई के साथ-साथ एफआईआर के भी निर्देश दिए गए हैं।

प्रदेश के सतर्कता विभाग की ओर से उपजिलाधिकारी विवेक राजपूत, नायब तहसीलदार नवीन कुमार, राजस्व निरीक्षक मुकेश कुमार सिंह, लेखपाल अभिलाष सिंह और उपजिलाधिकारी के रीडर प्रमोद शाक्य की आय से अधिक संपत्ति की जांच के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, शासन की ओर से इन सभी के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई के साथ विधिक कार्रवाई (एफआईआर) किए जाने की संस्तुति की गई है।

संपादकीय

ईरान के सुधारवादी राष्ट्रपति

उदारवादी सुधारवादी मसूद पेजेशकियान का ईरान के राष्ट्रपति पद के लिए जीतना किसी आश्चर्य से कम नहीं है। ईरान में दोबारा चुनाव कराना पड़ा, क्योंकि प्रथम चरण में किसी भी प्रत्याशी को 50 फीसदी वोट नहीं मिले थे। दूसरे चरण में मसूद ईरान का नया और नरम चेहरा थे, जो समग्र तौर पर सुधारों के पक्षधर थे। उनके प्रतिपक्ष में ईरान का कट्टरवाद था। अब मसूद की जीत हुई है, तो माना जा रहा है कि अभी तक बंद, कट्टरपंथी और रूढ़िवादी ईरान के नए आयाम खुलेंगे। ईरान सांस्कृतिक, सामाजिक और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों और टकरावों से घिरा देश रहा है। अधिकतर पड़ोसी अरब देशों और पश्चिम से ईरान के टकरावपूर्ण और लंबे तनाव के समीकरण आज भी हैं। ईरान की जनता ने उदारवादी, सुधारवादी, नरम राष्ट्रपति का चुनाव किया है। साफ मायने हैं कि ईरान अब शेष दुनिया के साथ अमन-चैन के रिश्ते चाहता है, इंटरनेट को स्वतंत्र और मुक्त करने का पक्षधर है और खासकर औरतों पर से सामाजिक पाबंदियों और बंदिशों को उठाना चाहता है। दिवंगत राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और उनके चुनावी प्रतिद्वंद्वी सईद जलीली की ईरान के भीतर और विदेशों के संदर्भ में नीतियां 'कट्टरवादी' थीं। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मसूद के प्रतिपक्ष की सोच भी कट्टरपंथी थी। प्रतिपक्षी नेता जेल में भी रहे थे, लेकिन मसूद ने अपने प्रचार के लिए जो गीत रचा था, उसका सारांश यह था कि गलियों में नाचो, चुंबन लेते वक्त मत डरो और मेरी बहन, तुम्हारी बहन और हमारी बहन... ! उसके उलट प्रतिपक्षी ने ईरान की औसत औरत पर कड़े नियंत्रणों की पैरवी की, ताकि परिवार नामक संस्थान की पवित्रता बरकरार रह सके। राष्ट्रपति मसूद ने संकेत दिए हैं कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान में बदलावों के अध्याय जोड़े जाएंगे। उन्होंने लोगों की सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया और ईरान के लोगों की चिंताओं को ध्यान से सुनने का वायदा दोहराया। सामाजिक स्तर पर सुधार किए जाएंगे। ईरानी औरत की उम्मीदें जगी हैं, लेकिन ईरान का इजरायल-विरोध जारी रहेगा। ईरान गाजा पट्टी, लेबनान, यमन का साथ देता रहेगा। ईरान पाकिस्तान और अफगानिस्तान की तनावपूर्ण सरहदों को नए आकार देने की भूमिका निभाते हुए काबुल और रावलपिंडी के बीच संतुलन स्थापित करना चाहता है। यह भूमिका ईरान का राष्ट्रीय सिद्धांत भी है। बहरहाल वहां की आर्थिक जरूरतों के मद्देनजर राष्ट्रपति मसूद चाहते हैं कि अमरीका अपनी पाबंदियां उठाए। उस संदर्भ में ईरान के रहस्यमयी 'परमाणु कार्यक्रम' का जो गतिरोध अमरीका के साथ रहा है, उसका समाधान शीघ्र ही निकालना होगा। ईरान की रूस और चीन के साथ जो सामरिक साझेदारी है, उस पर भी अमरीका को आश्वस्त करना होगा। अमरीका समेत पश्चिमी देशों के साथ ईरान के तनावपूर्ण संबंध राष्ट्रपति मसूद की सबसे गंभीर चुनौती है। जहां तक भारत-ईरान संबंधों का सवाल है, उसकी बुनियाद कच्चा तेल है। भारत के लिए ईरान कभी सबसे बड़ा तीसरा, तो कभी दूसरा देश रहा है, जो कच्चा तेल सप्लाई करता रहा है। बुनियादी तौर पर ईरान तेल के मामले में भारत का बहुत बड़ा स्रोत रहा है। चूंकि अमरीका ने ईरानी तेल के आयात पर पाबंदी चस्पा कर दी थी, लिहाजा उसके प्रभाव में भारत ने भी वित्त वर्ष 2019 में ईरान से कच्चा तेल खरीदना बंद कर दिया था। अब ईरान 90 फीसदी से ज्यादा कच्चा तेल चीन को भेज रहा है। भारत ने रूस से इतनी मात्रा में कच्चे तेल का आयात किया है कि रूस की ढहती अर्थव्यवस्था फिर से खिलने लगी है। अमरीका और यूरोपीय देशों की आर्थिक पाबंदियों से रूस को भारत ने धराशायी नहीं होने दिया। ईरान के साथ भी भारत के पुराने सांस्कृतिक संबंध रहे हैं। ईरान और अमरीका के बीच अमन-चैन के संबंध बनते हैं, तो वे भारत के लिए बेहद सुखद साबित हो सकते हैं। यदि ट्रंप दोबारा अमरीका के राष्ट्रपति चुने जाते हैं, तो ईरान के संदर्भ में कोई महत्वपूर्ण फैसला ले सकते हैं। बहरहाल भारत को मसूद-युग में नई संभावनाओं को लपकना चाहिए।

ईरान में दोबारा चुनाव कराना पड़ा, क्योंकि प्रथम चरण में किसी भी प्रत्याशी को 50 फीसदी वोट नहीं मिले थे। दूसरे चरण में मसूद ईरान का नया और नरम चेहरा थे, जो समग्र तौर पर सुधारों के पक्षधर थे। उनके प्रतिपक्ष में ईरान का कट्टरवाद था। अब मसूद की जीत हुई है, तो माना जा रहा है कि अभी तक बंद, कट्टरपंथी और रूढ़िवादी ईरान के नए आयाम खुलेंगे। ईरान सांस्कृतिक, सामाजिक और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों और टकरावों से घिरा देश रहा है। अधिकतर पड़ोसी अरब देशों और पश्चिम से ईरान के टकरावपूर्ण और लंबे तनाव के समीकरण आज भी हैं। ईरान की जनता ने उदारवादी, सुधारवादी, नरम राष्ट्र पति का चुनाव किया है। साफ मायने हैं कि ईरान अब शेष दुनिया के साथ अमन-चैन के रिश्ते चाहता है, इंटरनेट को स्वतंत्र और मुक्त करने का पक्षधर है और खासकर औरतों पर से सामाजिक पाबंदियों और बंदिशों को उठाना चाहता है। दिवंगत राष्ट्र पति इब्राहिम रईसी और उनके चुनावी प्रतिद्वंद्वी सईद जलीली की ईरान के भीतर और विदेशों के संदर्भ में नीतियां 'कट्टरवादी' थीं।

विकसित देशों में तो पति-पत्नि के बीच तलाक की दर 50 प्रतिशत से भी अधिक हो गई है

भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुरूप हो इस वर्ष का बजट

प्रह्लाद सबनानी

आर्थिक क्षेत्र में बहुत भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और यह देश इन समस्याओं का हल निकाल ही नहीं पा रहे हैं। नियंत्रण से बाहर होती मुद्रा स्फीती की दर, लगातार बढ़ता कर्ज का बोझ, प्रौढ़ नागरिकों की बढ़ती जनसंख्या के चलते सरकार के खजाने पर बढ़ता आर्थिक बोझ, बजट में वित्तीय घाटे की समस्या, बेरोजगारी की समस्या, आदि कुछ ऐसी आर्थिक समस्याएं हैं जिनका हल विकसित देश बहुत अधिक प्रयास करने के बावजूद भी नहीं निकाल पा रहे हैं एवं इन देशों का सामाजिक तानाबाना भी छिनभिन्न हो गया है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 का पूर्णकालिक बजट माननीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा भारतीय संसद में 23 जुलाई 2024 को पेश किया जा रहा है। वर्तमान में भारत सहित विश्व के लगभग समस्त देशों में पूंजीवादी नीतियों का अनुसरण करते हुए अर्थव्यवस्थाएं आगे बढ़ रही हैं। परंतु, हाल ही के वर्षों में पूंजीवादी नीतियों के अनुसरण के कारण, विशेष रूप से विकसित देशों को, आर्थिक क्षेत्र में बहुत भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और यह देश इन समस्याओं का हल निकाल ही नहीं पा रहे हैं। नियंत्रण से बाहर होती मुद्रा स्फीती की दर, लगातार बढ़ता कर्ज का बोझ, प्रौढ़ नागरिकों की बढ़ती जनसंख्या के चलते सरकार के खजाने पर बढ़ता आर्थिक बोझ, बजट में वित्तीय घाटे की समस्या, बेरोजगारी की समस्या, आदि कुछ ऐसी आर्थिक समस्याएं हैं जिनका हल विकसित देश बहुत अधिक प्रयास करने के बावजूद भी नहीं निकाल पा रहे हैं एवं इन देशों का सामाजिक तानाबाना भी छिनभिन्न हो गया है। पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के अंतर्गत चूंकि व्यक्तिवाद हावी रहता है अतः स्थानीय समाज में विभिन्न परिवारों के बीच आपसी रिश्ते केवल आर्थिक कारणों के चलते ही टिक पाते हैं अन्यथा शायद विभिन्न परिवार एक दूसरे से रिश्तों को आगे बढ़ाने में विश्वास ही नहीं रखते हैं। कई विकसित देशों में तो पति-पत्नि के बीच तलाक की दर 50 प्रतिशत से भी अधिक हो गई है। अमेरिका में तो यहां तक कहा जाता है कि 60 प्रतिशत बच्चों को अपने पिता के बारे में जानकारी ही नहीं होती है एवं केवल माता को ही अपने बच्चे का लालन-पालन करना होता है, जिसके कारण बच्चों का मानसिक विकास प्रभावित हो रहा है एवं यह बच्चे अपने जीवन में आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं, समाज में हिंसा की दर बढ़ रही है तथा वहां की जेलों में कैदियों की संख्या में तीव्र वृद्धि देखी जा रही है। इन देशों के नागरिक अब भारत की ओर आशाभारी नजरों से देख रहे हैं एवं उन्हें उम्मीद है कि उनकी आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं का हल भारतीय सनातन संस्कृति में से ही निकलेगा। अतः इन देशों के नागरिक अब भारतीय सनातन संस्कृति की ओर भी आकर्षित हो रहे हैं। भारत में वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात कुछ हद तक वामपंथी नीतियों का अनुसरण करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था को विकास की राह पर ले जाने का प्रयास किया गया था। परंतु, वामपंथी विचारधारा पर आधारित आर्थिक

नीतियों ने बहुत फलदायी परिणाम नहीं दिए अतः बहुत लम्बे समय तक यह नीतियां आगे नहीं बढ़ सकीं। हालांकि बाद के खंडकाल में तो वैश्विक स्तर पर वामपंथी विचारधारा ही धराशायी हो गई एवं सोवियत रूस कई टुकड़ों में बंट गया। आज तो रूस एवं चीन सहित कई अन्य देश जो पूर्व में वामपंथी विचारधारा पर आधारित आर्थिक नीतियों को अपना रहे थे, ने भी पूंजीवादी विचारधारा पर आधारित आर्थिक नीतियों को अपना लिया है। भारत का इतिहास वैभवशाली रहा है एवं पूरे विश्व के आर्थिक पटल पर भारत का डंका बजा करता था। एक ईसवी से लेकर 1750 ईसवी तक वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत के आसपास बनी रही है। उस समय पर भारतीय आर्थिक दर्शन पर आधारित आर्थिक नीतियों का अनुपालन किया जाता था। मुद्रा स्फीति, बेरोजगारी, ऋण का बोझ, वित्तीय घाटा, बुजुर्गों को समाज पर बोझ समझना, बच्चों का हिंसक होना, सामाजिक तानाबाना छिनभिन्न होना आदि प्रकार की समस्याएं नहीं पाई जाती थीं। समाज में समस्त नागरिक आपस में भाईचारे का निर्वहन करते हुए खुशी खुशी अपना जीवन यापन करते थे। प्राचीन काल में भारत के बाजारों में विभिन्न वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जाता था, जिसके चलते मुद्रा स्फीति जैसी समस्याएं उत्पन्न ही नहीं होती थी। ग्रामीण इलाकों में कई ग्रामों को मिलाकर हाट लगाए जाते थे जहां खाद्य सामग्री एवं अन्य पदार्थों की पर्याप्त उपलब्धता रहती थी, कभी किसी उत्पाद की कमी नहीं रहती थी जिससे वस्तुओं के दाम भी नहीं बढ़ते थे। बल्कि, कई बार तो वस्तुओं की बाजार कीमत कम होती दिखाई देती थी क्योंकि इन वस्तुओं की बाजार में आपूर्ति, मांग की तुलना में अधिक रहती थी। माननीय वित्तमंत्री महोदय को भी देश में मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के लिए बाजारों में उत्पादों की उपलब्धता पर विशेष ध्यान देना चाहिए न कि ब्याज दरों को बढ़ाकर बाजार में वस्तुओं की मांग को कम किए जाने का प्रयास किया जाए। विकसित देशों द्वारा अपनाई गई आधुनिक अर्थशास्त्र की यह नीति पूर्णत असफल होती दिखाई दे रही है और इतने लम्बे समय तक ब्याज दरों को ऊपरी स्तर पर रखने के बावजूद मुद्रा स्फीति की दर वांछनीय स्तर पर नहीं आ पा रही है। भारत को इस संदर्भ में पूरे विश्व को राह दिखानी चाहिए एवं आधुनिक अर्थशास्त्र के मांग एवं आपूर्ति के सिद्धांत को बाजार में वस्तुओं की मांग कम करने के स्थान पर वस्तुओं की आपूर्ति को बढ़ाने के प्रयास होने चाहिए अर्थात आपूर्ति पक्ष पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। इससे मुद्रा स्फीति तो कम होगी ही परंतु साथ ही अर्थव्यवस्था में विकास की दर भी और तेज होगी क्योंकि वस्तुओं की आपूर्ति बढ़ते रहने से विनिर्माण इकाईयों में गतिविधियां बढ़ेंगी, रोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे। परंतु यदि वस्तुओं की मांग में कमी करते हुए मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के प्रयास होंगे तो उत्पादों की मांग में कमी होने के चलते उत्पादों का निर्माण कम होने लगेगा, विनिर्माण इकाईयों में गतिविधियां कम होंगी एवं देश में बेरोजगारी की समस्या बढ़ेगी। मांग में कमी करने के प्रयास सम्बंधी सोच ही अमानवीय है। इसी प्रकार, प्राचीन भारत में ग्रामीण इलाकों में कृषि क्षेत्र के साथ ही कुटीर एवं लघु उद्योगों पर विशेष ध्यान दिया जाता था। कई ग्रामों को मिलाकर हाट लगाए जाते थे, इन कृषि उत्पादों के साथ ही इन कुटीर एवं लघु उद्योगों में निर्मित उत्पाद भी बेचे जाते थे। अतः ग्रामीण इलाकों से शहरों की पलायन नहीं होता था तथा नागरिकों को रोजगार के अवसर ग्रामीण इलाकों में ही उपलब्ध हो जाते थे। आज की परिस्थितियों के बीच कृषि क्षेत्र तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि ग्रामीण इलाकों में ही रोजगार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित हो सकें। जनता पर करों के बोझ को कम करने के सम्बंध में भी विचार होना चाहिए। भारत के प्राचीन शास्त्रों में कर सम्बंधी नीति का वर्णन मिलता है जिसमें यह बताया गया है कि राज्य को जनता पर करों का बोझ उतना ही डालना चाहिए जितना एक मधुमक्खी फूल से शहद निकालती है। अर्थात, जनता को करों का बोझ महसूस नहीं होना चाहिए। अतः वित्तीय वर्ष 2024-25 वर्ष के लिए प्रस्तुत किए जाने बजट में भी आवश्यक वस्तुओं पर लागू करों की दरों को कम करने के प्रयास होने चाहिए।

दृष्टि कोण

खिलाड़ियों को प्रशिक्षण-संसाधनों की जरूरत

हमारा देश 'विचित्र किंतु सत्य' की पराकाष्ठा पर सदैव खरा उतरता आया है। क्षेत्र चाहे कोई भी क्यों न हो, इसे देवभूमि का प्रताप समझें या देश की माटी का हुनर, भाव चाहे कोई कुछ भी समझे, मगर असीमित संसाधनों व प्रतिभाओं से परिपूर्ण इस देश को पूरा विश्व समुदाय संज्ञान में लेने लगा है। लेकिन विडंबना यह है कि सब कुछ हो जाने के बाद उन प्रतिभाओं को पूछा जाता है कि तुम्हें सुविधाओं का अभाव तो नहीं है। फिर उन्हें शाबाशी दी जाती है, पीठ थपथपाई जाती है और पुरस्कारों की वर्षा की जाती है। देश-दुनिया में प्रशंसा का एक दौर चल पड़ता है। इन सबके पीछे वो खिलाड़ी व उनके प्रशिक्षक होते हैं, जिन्हें शुरुआती दौर में कोई नहीं पूछता। अगर पूछता है तो देश-प्रदेश के लिए मेडल लाने के बाद, मगर तब तक हजारों खेल प्रतिभाएं दम तोड़ चुकी होती हैं। आखिर कब तक यह विडंबना खिलाडियों का पीछा करती रहेगी? कुछ एक समर्थवान खेल संघों को छोडक़र बाकी सब खेलों में खिलाड़ी बुनियादी सुविधाओं के अभाव के बावजूद जी-जान लगाकर कभी सफल तो कभी असफल भी रहते हैं, मगर हिम्मत नहीं हारते। बल्कि स्वयं के विश्वास, हौसले व कुछ कर पाने की भावना के बूते अपने प्रयास जारी रखते हैं। सभी खेलों को बढ़ावा देने वाले व आवश्यक खेल संसाधनों की पूरे देश में कमी है। कोई भी इस ओर ध्यान देना क्यों आवश्यक नहीं समझता? क्योंकि सबको एक आदत सी हो गई है कि जब कोई खिलाड़ी या टीम प्रदेश या देश का नाम रोशन कर देगी तो खुशी के लम्हों में उनकी पीठ थपथपा देंगे, सभी खुश तो बात खत्म। मगर खेल प्रतिभाओं से परिपूर्ण इस देश में कब तक एक पारदर्शी खेल व संसाधनयुक्त नीति ग्रामीण स्तर तक पहुंच पाएगी? देश की खेल योजनाएं तो सभी जानते हैं, मगर हाल ही में हिमाचल प्रदेश सरकार ने एक नई खेल योजना 'खेलेगा हिमाचल, बढ़ेगा हिमाचल' शुरू की है। अच्छी पहल है, स्वागत योग्य है, मगर उसमें अपनी क्षमता पर ओलंपिक से स्वर्ण जीतने पर 3 करोड़, रजत पदक जीतने पर 2 करोड़ व कांस्य पदक जीतने पर 1 करोड़ की राशि विजेता खिलाड़ी को बतौर पुरस्कार प्रदान की जाएगी। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने पर 50 लाख, रजत पदक पर 30 लाख व कांस्य पदक जीतने पर 20 लाख की पुरस्कार राशि विजेता खिलाडियों को सरकार प्रदान करेगी। वहीं राष्ट्रमंडल खेलों में भी एशियाई खेलों के बराबर पुरस्कार राशि विजेता खिलाडियों में वितरित की जाएगी। मगर ग्रामीण क्षेत्रों व बुनियादी स्तर पर खेल प्रतिभा को उभारने व प्रशिक्षित करने हेतु कब पूरे देश व हर राज्य स्तर पर पारदर्शी खेल नीति उतारने की पहल होगी? मूलभूत सुविधाओं के अभाव में हर खेल क्षेत्र में प्रतिभा प्रभावित होती है। देश का नाम रोशन करने पर अनेकों प्रतिष्ठित व्यावसायिक घराने आगे आ जाते हैं, मगर बुनियाद को मजबूत करने आज तक कोई भी आगे नहीं आया। ऐसा हमारे देश में क्यों होता है? हकीकत सभी जानते हैं, मगर समझना कोई नहीं चाहता। शायद समय आ गया है कि विभिन्न खेलों में देश का नाम रोशन करने वाले सभी खेलों के खिलाडियों को भी देश की खेल व्यवस्था में सुधार करने व प्रोत्साहन देने हेतु आगे आना चाहिए। हर खिलाड़ी अपने खेल क्षेत्र या मनपसंद का एक खेल गोद लेकर, उसे प्रोत्साहित कर सकता है। जिस शुरुआती दौर से किस तरह खुद को निखार कर वे हीरे निकले हैं, अब उन हीरों को अपनी रौशनी से अन्य हीरों को तराशने में मदद करनी होगी। हर खेल को उसी खेल की मूल भावना से विकसित करना होगा। हर खेल के आवश्यक मूलभूत संसाधन व प्रशिक्षण चाहे जिला स्तर पर ही सही, मगर पूरे देश में खिलाडियों को उपलब्ध होने चाहिएं। तभी तो खेल प्रतिभाएं अपने प्रदेश व देश का नाम विश्व स्तर पर अंकित कर पाएंगी। परिवर्तन समय का नियम है। समय रहते देश-प्रदेश की खेल नीतियों में सार्थक परिवर्तन की बुनियादी स्तर के खिलाडियों को आवश्यकता है। हर खेल में निपुण प्रशिक्षकों को नियुक्त करने व आवश्यक प्रोत्साहन की आवश्यकता है। नियमित प्रशिक्षण शिविर हर स्तर पर आयोजित करने होंगे व खेल प्रेमी शिक्षक-प्रशिक्षकों को विश्वास में लेकर ही बेहतर खेल परिणाम पाने की उम्मीद की जा सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों में बसने वाली अपार खेल प्रतिभाओं तक सरकारों की बुनियादी सुविधाओं का न पहुंचना भी खिलाडियों को निरुत्साहित कर सकता है। 'खेलों से स्वास्थ्य', 'खेलो इंडिया, फिट इंडिया' जैसे अनेकों उपक्रम क्यों सीमित होकर रह जाते हैं? वक्त आ गया है कि बेहतर खेल परिणाम पाने की इच्छा में बेहतर खेल सुविधाएं सभी खेलों के खिलाडियों को राष्ट्रीय, राज्य, जिला व खंड स्तर तक उपलब्ध करवाई जाएं। ग्रामीण ओलंपियाड जैसे कार्यक्रम, जो खिलाडियों को आगे बढऩे के लिए कारगर साबित हो सकते थे, फिलहाल दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहे हैं। सफलता के बाद मात्र पीठ थपथपाने से खेल प्रतिभाएं शायद ही निखर पाएंगी।

कुछ अलग

संसद के सलीके

हमारी नई लोकसभा अभी बनी ही है, लेकिन चल नहीं पा रही। चल पाएगी, इसमें शक है। चलकर भी क्या कर पाएगी, कह नहीं सकते। कहावत बहुत पुरानी है जो हर अनुभव के साथ नई होती रहती है कि 'पूत के पांव पालने में ही दीख जाते हैं।' जो पांव दीख रहा है, वह शुभ नहीं है। यदि मैं भूलता नहीं हूं तो कवि विजयदेव नारायण साही ने इस कहावत में एक दूसरी मार्मिक पंक्ति जोड़ दी थी : 'पूत के पांव पालने में मत देखो, वह पिता के फटे जूते पहनने आया है।' इस लोकसभा के बारे में यही पंक्ति बार-बार मन में गूंज रही है। जिस पार्टी ने, जिन पार्टियों के साथ जोड़ बिठाकर सरकार बनाई है, उन सबको मालूम है कि यह वक्ती व्यवस्था है। कौन, पहले, किसे और कब लंगड़ी मारता है, इसी पर इस लोकसभा का भविष्य टिका है, और यह तो सारे संविधानतज्ञ जानते हैं कि लोकसभा के भविष्य पर ही सांसद नाम के निरीह प्राणियों का भविष्य टिका होता है। निरीह इसलिए कह रहा हूं कि पिछले कम से कम 10 सालों से हमारे सांसदों का एक ही काम रहा है, जिसे वे बड़ी शिद्दत से निभाते हैं : सरकार की दी हुई मेज थपथपाना या भगवान की दी हुई हथेलियों से तालियां बजाना। विपक्ष भी ऐसा ही करता है। फर्क है तो बस इतना कि उसके पास कोई प्रधानमंत्री नहीं होता। इस बार उसके पास एक 'छाया प्रधानमंत्री' जरूर है जिसकी छाया कब तक, कहां तक रहती है, देखना बाकी है। हम दुआ करते हैं कि अंग्रेजी के 'शैडो प्राइम मिनिस्टर' का मक्खीमार अनुवाद भले उसे 'छाया प्रधानमंत्री' कहे, नेता प्रतिपक्ष कभी इस प्रधानमंत्री की छाया न बनें। न उनकी छाया में रहें, न उनको छाया दें। ओम बिरला को दोबारा लोकसभा अध्यक्ष बनाने के पीछे प्रधानमंत्री का एक ही मकसद था : विपक्ष को आखिरी हद तक अपमानित करना! बिरला कभी इस पद के योग्य नहीं थे, आज भी नहीं हैं। विद्वता, कार्यकुशलता, व्यवहार कुशलता, वाकपटुता तथा सदन में गरिमामय माहौल बनाए रखने जैसे किसी भी गुण से उनका नाता नहीं रहा है, यह हमने पिछले पांच सालों में देखा है। पता नहीं विपक्ष ने उनका इतना स्वागत व गुणगान क्यों किया! ओम बिरला ने पिछली संसद में जिस तरह विपक्ष को तिरस्कृत व अपमानित किया था, उसे ही दोहराने के लिए इस बार भी उन्हें ही प्रधानमंत्री ने आगे किया है, ताकि विपक्ष व देश समझे कि कहीं, कुछ भी बदला नहीं है। नई लोकसभा के पहले ही दिन वे अपने पुराने अवतार में दिखाई दिए। जिस असभ्यता से उन्होंने दीपेंद्र हुड्डा को अपमानित किया, शशि थरूर के 'जय संविधान' कहने से तिलमिलाए, विपक्ष के सांसदों को कब उठना-कब बैठना सिखाने की फब्ती कसी, वह सब यह समझने के लिए पर्याप्त है कि उन्हें क्या करने का निर्देश हुआ है। राहुल गांधी ने जब यह कहा कि उनका माइक बंद क्यों किया गया, तो अध्यक्ष का जवाब आया कि मैंने पहले भी यह व्यवस्था दी है कि मेरे पास माइक का कोई बटन नहीं है। क्या अध्यक्ष की जानकारी व अनुमति के बगैर ही कोई, कहीं से बैठकर लोकसभा की कार्रवाई में दखल दे रहा है? अगर ऐसा है तो अध्यक्ष चाहिए ही क्यों? जो अनदेखा-अनजाना आदमी बटन बंद कर सकता है, वही लोकसभा चला भी सकता है। इंडिया गठबंधन को तब तक न लोकसभा जाना चाहिए, न राज्यसभा जब तक कि यह बता न दिया जाए कि माइक बंद किसने किया था, किसकी अनुमति या निर्देश से किया था। परंपरा की बात है तो यह समझना जरूरी है कि विपक्ष के नेता की भी परंपराएं हैं। इस अध्यक्ष को न वे परंपराएं पता हैं, न विपक्ष के नेता का मतलब मालूम है। जिन सांसदों का जन्म ही 10 साल पहले हुआ है, उनकी यह त्रासदी स्वाभाविक है।

देश दुनिया से

समुद्र में कार्बन भंडारण से रुकेगी ग्लोबल वार्मिंग

समुद्र तल पर स्थित बेसाल्ट की चट्टानों के भंडार में कार्बन डाइऑक्साइड को जमा करने की क्षमता है। ये ज्वालामुखीय चट्टानें हमारे वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड को जमा करने की क्षमता रखती हैं। ये ज्वालामुखीय चट्टानें हमारे वायुमंडल से गर्मी को कैद करने वाली गैस को हटाने में मदद कर सकती हैं। वैज्ञानिकों की एक टीम समुद्री तटों के निकट फ्लोटिंग रिग बनाना चाहती है। ये रिग समुद्र तल से तेल निकालने के बजाय उसमें कार्बन डाइऑक्साइड प्रविष्ट करेंगे। अपने स्वयं के विंड टर्बाइनों द्वारा संचालित फ़्लोटिंग प्लेटफार्म आकाश या समुद्री जल से कार्बन डाइऑक्साइड को खींचेंगे और उसे समुद्र तल में छिद्रों में पंप करेंगे।

जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिक उत्सर्जित कार्बन को वायुमंडल से हटाने के लिए नए-नए तरीके खोज रहे हैं। कार्बन को ठिकाने लगाने के लिए कुछ वैज्ञानिकों का ध्यान समुद्र तल की चट्टानों की ओर गया है। समुद्र तल पर स्थित बेसाल्ट की चट्टानों के भंडार में कार्बन डाइऑक्साइड को जमा करने की क्षमता है। ये ज्वालामुखीय चट्टानें हमारे वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड को जमा करने की क्षमता रखती हैं। ये ज्वालामुखीय चट्टानें हमारे वायुमंडल से गर्मी को कैद करने वाली गैस को हटाने में मदद कर सकती हैं। वैज्ञानिकों की एक टीम समुद्री तटों के निकट फ्लोटिंग रिग बनाना चाहती है। ये रिग समुद्र तल से तेल निकालने के बजाय उसमें कार्बन डाइऑक्साइड प्रविष्ट करेंगे। अपने स्वयं के विंड टर्बाइनों द्वारा संचालित फ़्लोटिंग प्लेटफार्म आकाश या समुद्री जल से कार्बन डाइऑक्साइड को खींचेंगे और उसे समुद्र तल में छिद्रों में पंप करेंगे। वैज्ञानिक अपनी परियोजना को 'सॉलिड कार्बन' कहते हैं। अगर यह परियोजना उनकी उम्मीद के मुताबिक काम करती है तो तल में प्रविष्ट कार्बन डाइऑक्साइड हमेशा के लिए समुद्र के तल पर एक चट्टान बन जाएगी। प्रोजेक्ट पर काम कर रहे कनाडा के भूभौतिकीविद् मार्टिन शरवाथ ने कहा कि इससे कार्बन भंडारण बहुत टिकाऊ और सुरक्षित हो जाएगा। इस तकनीक से हमें अन्य भंडारण तकनीकों की तरह कार्बन के वायुमंडल में वापस लौटने और वैश्विक तापमान वृद्धि के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। यह अभी तक निश्चित नहीं है कि ये कार्बन हटाने वाली समुद्री फैक्टरियां उम्मीद के मुताबिक काम करेंगी या नहीं। सबसे पहले विज्ञानियों को समुद्र में एक प्रोटोटाइप का परीक्षण करने के लिए लगभग 6 करोड़ डॉलर की आवश्यकता है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि दुनियाभर में, बेसाल्ट चट्टानें पृथ्वी के समस्त जीवाश्म ईंधन से निकलने वाले कार्बन से ज्यादा कार्बन को स्थायी रूप से जमा कर सकती हैं। गौरतलब है, इस तरह की तकनीक को अपनाने का मतलब यह नहीं कि जीवाश्म ईंधन को अंधाधुंध तरीके से जलाना सुरक्षित है। फिर भी विज्ञानियों का कहना है कि कुछ रिग ही बड़ा बदलाव ला सकते हैं। शरवाथ के अनुसार कनाडा के पश्चिमी तट से दूर, वैंकूवर द्वीप के पास कैस्केडिया बेसिन में विश्व के 20 साल के कार्बन उत्सर्जन को कैद करने की गुंजाइश है। यहीं पर विज्ञानी एक फील्ड टेस्ट करना चाहते हैं। यह योजना एक रासायनिक प्रतिक्रिया पर आधारित है जो पहले से ही स्वाभाविक रूप से होती है। बेसाल्ट चट्टान अत्यधिक प्रतिक्रियाशील होती है। ऐसी चट्टानें धातुओं से भरी होती हैं जो आसानी से कार्बन डाइऑक्साइड को पकड़ लेती हैं और कार्बोनेट खनिजों का निर्माण करने के लिए रासायनिक रूप से इसके साथ जुड़ जाती हैं। बेसाल्ट भी टूट जाता है और छिद्रपूर्ण हो जाता है, जिससे नए कार्बोनेट के भरने के लिए पर्याप्त जगह बच जाती है। आइसलैंड में कार्बफिक्स नामक एक परियोजना ने इस प्रक्रिया के एक छोटे संस्करण का सफल प्रदर्शन किया है। इस विधि में पानी में कार्बन डाइऑक्साइड को घोला जाता है। फिर उसे भूमिगत बेसाल्ट चट्टान में इंजेक्ट किया जाता है। ये समुद्री कार्बन-भंडारण कारखाने बहुत महंगे उपक्रम होंगे लेकिन यदि हम पृथ्वी को पूर्व-औद्योगिक तापमान पर वापस लाना चाहते हैं तो हमें अंततः ऐसे मेगा-प्रोजेक्ट का सहारा लेना पड़ सकता है। सॉलिड कार्बन उन बुनियादी तात्कालिक उपायों का विकल्प नहीं है, जिनकी दुनिया भर के जलवायु विशेषज्ञ मांग कर रहे हैं। इन उपायों में जीवाश्म ईंधन को नवीकरणीय ऊर्जा में बदलना और खाद्य प्रणालियों के कार्बन उत्सर्जन को कम करना शामिल है। इस बीच, एक अन्य अध्ययन में वैज्ञानिकों ने ऐसे वायरस खोजे हैं जो जलवायु परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वायरस शब्द हमारे मन में खौफ पैदा करता है लेकिन सभी वायरस खौफनाक नहीं होते। इनकी दूसरी भूमिकाएं भी हो सकती हैं। वैज्ञानिकों ने ग्रीनलैंड की बर्फ पर विशाल वायरस की मौजूदगी का पता लगाया है जो बर्फ के शैवाल को संक्रमित करके आर्कटिक की बर्फ के काले होने और पिघलने को नियंत्रित कर सकते हैं। वायरस के 'विशाल' से चकित न हों। विशाल होने के बावजूद इन वायरस को कोरी आंख से नहीं देखा जा सकता। अभी माइक्रोस्कोप से भी इन्हें नहीं देखा जा सका है। इनकी खोज नमूनों के डीएनए विश्लेषण से हुई। वैज्ञानिकों का कहना है कि इन वायरस का उपयोग करके बर्फ के पिघलने की गति को धीमा किया जा सकता है। इससे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को रोकने के लिए एक नया रास्ता मिल सकता है। हर वसंत में आर्कटिक के पिघलने पर जीव-जंतु और काले शैवाल सक्रिय हो जाते हैं। शैवाल के सक्रिय होने से बर्फ पिघलने की गति बढ़ जाती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि बर्फ के तेजी से पिघलने से होने वाली समस्याओं से निपटने के लिए ये वायरस प्राकृतिक समाधान प्रदान करते हैं। आर्कटिक में महीनों के अंधेरे के बाद हर वसंत में जब सूरज उगता है, तो जीवन वापस आ जाता है। ध्रुवीय भालू अपनी सर्दियों की मांद से बाहर निकलते हैं।

आप का नजरिया

पर्यटन की भगदड़ में

इस बार हिमाचल के पर्यटन सीजन से सोशल मीडिया का युद्ध कुछ हलकों में बाहरी सैलानियों खास तौर पर पड़ोसी पंजाब से एक गलत संदेश का वाहक बना रहा। हालांकि इसके बराबर पंजाब के ही कई पोर्टल व डिजीटल मीडिया ने हिमाचल के पक्ष और यहां के सुकून को जिंदा रखा, फिर भी यह मसला कहीं सुलगा जरूर है और एक आर्थिक व सांस्कृतिक टकराव में चंद सिरफिरों को न्यौता दे रहा है। कुछ पहल या ऐसे घटनाक्रम हिमाचल में भी हुए जहां डलहौजी, मकलोडगंज, मनाली व कुछ और स्थल कुख्यात होने लगे हैं। यहां की टैक्सी का साम्राज्य भी 'पर्यटक संबंधों' को सिर्फ एक सीजन को लूटने का जरिया बन गया है, तो सडक़ पर रगड़ खाते ट्रैफिक इंतजाम ने अमन चैन से ही लोहा ले लिया। बेशक पड़ोस से आ रहीं अफवाहें आम नहीं, फिर भी इस तरह के कुप्रचार पर हिमाचल में सामाजिक, सांस्कृतिक व सरकारी चेतना परिलक्षित होनी चाहिए। कम से कम ऐसे दुष्प्रचार का संज्ञान तो लेना होगा, दूसरे यह पर्यटन के मौजूदा हुलिए से रू-ब-रू होने का एक अवसर है ताकि मालूम हो, कौन वास्तविक और कौन शोर शराबा है। हमारे पास फिलहाल ऐसा कोई फिल्टर नहीं। हमारे प्रवेश द्वार सिर्फ औपचारिक हैं। कम से कम हिमाचल के शांतिप्रिय सफर और पर्यटन के अर्थ की एक आचार संहिता तो लागू की जाए। अगर पर्यटन भीड़ बन रहा है और सरकार इसको केवल पांच करोड़ संख्या के आंकड़े में देख रही है, तो बिगड़ैल परिस्थितियों में हर कोई मौके का फायदा या अवसर की लूट में वर्चस्व की होड़ में शरीक हो जाएगा। यही सब हो भी रहा है। वर्चस्व टैक्सी आपरेटरों से लेकर होटल-रेस्तरां मालिकों तक और यह भी पर्यटन इकाइयों के नाम पर चल रहे धंधे, भीड़ पर्यटन को असामाजिक पर्यटन में बदलते देर नहीं लगाते। पहले चोरी छिपे रेव पार्टियां चलती थीं, लेकिन अब पहाड़ की कंद्राओं तक पहुंचा कारवां कहीं गोवा के नाम पर तो कहीं किसी विदेशी समुद्री तट की तरह अपना आवरण खो रहा है। सर्वप्रथम हिमाचल को यह तय करना है कि इसे किस श्रेणी का पर्यटक चाहिए। यह फैसला गुणात्मक या हाई एंड पर्यटन की खोज में करना है या पांच करोड़ सैलानियों को एक साथ बुलाकर भगदड़ में करना है। आखिर रोहतांग, त्रियूंड या शिकारीदेवी की एक सीमा है। शिमला-मनाली के माल या बिलिंग के टेक ऑफ प्वाइंट की एक गरिमा है। दलाईलामा की नगरी या मिनी लहासा की एक छवि है और जिसे न टैक्सी आपरेटर, होटल-रेस्तरां मालिक या गिफ्ट सेंटर भ्रष्ट या नष्ट कर सकते, लेकिन यहां पूछता कौन है। यहां फ्लाइट या विदेश से पहुंच रहा पर्यटक वैसे ही हांका जा रहा है, जैसे कोई खटारा गाड़ी में आने वाला और मुफ्त के लंगर खाने वाला भीड़ को बढ़ा रहा है। अपने तौर पर हिमाचल को यह तय करना है कि कहां हाई एंड, कहां सांस्कृतिक और कहां भीड़ में पर्यटक को व्यवस्थित करना है। कहां निजी व पर्यटक वाहनों को रोकना और साइट सीईंग टूअर के माध्यम से कैसे आकर्षणों को जोडऩा है। पर्यटन अब व्यवस्था, सही प्रचार और सही छवि के साथ-साथ यह सुनिश्चित भी करना है कि राज्य का चरित्र बदनाम न हो। सारे मंदिरों में देवी दर्शन के लिए फीस और हर डेस्टिनेशन पर ग्रीन टैक्स लगाया जाए।

रूसी राजनयिक ने पीएम मोदी को दौरे को बताया महत्वपूर्ण कहा- यह ऐतिहासिक और खेल बदलने वाला था

मॉस्को, 10 जुलई (एजेंसियां) ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस के दो दिवसीय दौरे के बाद अब ऑस्ट्रिया पहुंच गए। पीएम मोदी के रूस दौरे को लेकर रूसी राजनयिक रोमन बाबुश्किन ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की बैठक ऐतिहासिक और खेल बदलने वाला था। रूसी राजनयिक ने बताया कि पीएम मोदी का रूस दौरा पूरे विश्व ने देखा और इससे यह साबित होता है कि उनका यह दौरे कितना महत्वपूर्ण था। पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच वार्ता के एक दिन बाद रूसी राजनयिक रोमन बाबुश्किन ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मॉस्को दौरा पूरे विश्व ने देखा था और यह इस बात का सबूत है कि यह दौरा कितना महत्वपूर्ण था। उन्होंने आगे बताया कि दोनों नेताओं के बीच भारत-रूस के व्यापार और आर्खित संबंधों को बढ़ाने पर चर्चा हुई। पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच बातचीत के परिणामों पर प्रकाश डालते हुए रोमन बाबुश्किन ने कहा, भारत और रूस ने राष्ट्रीय मुद्राओं का उपयोग करके द्विपक्षीय भुगतान प्रणाली को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। भारत की मांग पर रूस अपनी सेना में भर्ती किए भारतीय नागरिकों को वापस भेजने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, इस मामले में हम भारत के साथ है। हमें उम्मीद है कि इसे जल्द सुलझा लिया जाएगा। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के समक्ष रूसी सेना में भारतीयों के फंसे होने का मुद्दा उठाए जाने के बाद रूस ने रूसी सेना में कार्यरत सभी भारतीयों को बर्खास्त करने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि कई भारतीयों को धोखा देकर रूसी सेना में भर्ती करने का खुलासा हुआ था। दर्जनों भारतीय रूसी सेना में फंसे हैं और कई भारतीय रूस-यूक्रेन युद्ध में मोर्चे पर तैनात हैं। पीएम मोदी का रूस दौरा पीएम मोदी दो दिवसीय दौरे पर मॉस्को पहुंचे। रूस के यूक्रेन के खिलाफ युद्ध शुरू करने के बाद से पीएम मोदी की यह रूस की पहली यात्रा है। रूस के प्रथम उप-प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव ने हवाई अड्डे पर पीएम मोदी स्वागत किया। प्रधानमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। पीएम मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आवास पर उनसे मुलाकात की। प्रधानमंत्री राष्ट्रपति पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता में भाग लिए और मॉस्को में 22वें भारत-रूस शिखर सम्मेलन में भी शामिल हुए।

न्यूज ब्रीफ

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की परेशानी बढ़ी, अदालत ने दंगा मामले में अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज कीं

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। अब यहां कि एक आतंकवाद रोधी अदालत (एटीसी) ने खान की नौ मई को भड़की हिंसा के तीन मामलों में अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख खान पर पिछले साल नौ मई को लाहौर कॉर्प्स कमांडर हाउस जिसे जिन्ना हाउस, अस्करी टॉवर और शादमान पुलिस स्टेशन के नाम से जाना जाता है, पर हमलों के लिए उकसाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। दरअसल, उनके समर्थकों ने पिछले साल मई में कथित भ्रष्टाचार के एक मामले में उनकी गिरफ्तारी के बाद कई महत्वपूर्ण सरकारी इमारतों और सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला किया था। अमेरिका के इस हमले से की तुलना एटीसी लाहौर के न्यायाधीश खालिद अरशद ने खान को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया और तीन मामलों में उनकी याचिकाओं को खारिज कर दिया। अभियोजन पक्ष ने नौ मई की हिंसा की तुलना 2021 में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों द्वारा किए गए हमलों से की ।अभियोजन पक्ष ने कहा कि पुलिस को तीनों मामलों की जांच पूरी करने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री को हिरासत में लिया जाना जरूरी है। 200 से अधिक केस दर्ज बता दें, क्रिकेटर से नेता बने 71 वर्षीय इमरान खान के खिलाफ 200 से अधिक मामले दर्ज हैं और वह पिछले साल अगस्त से रावलपिंडी की अदियाला जेल में हैं। आएगा पूरा फैसला एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, न्यायाधीश अरशद ने शाम सात बजे एक आदेश सुनाया, जिसे उन्होंने अभियोजन और याचिकाकर्ता के वकीलों की अंतिम दलीलें सुनने के बाद छह जुलाई को सुरक्षित रख लिया था। खान की कानूनी टीम के अदालत में मौजूद नहीं होने के कारण न्यायाधीश ने फैसला किया कि अदालत एक संक्षिप्त आदेश सुनाएगी।

अमेरिका में तूफान बेरिल के कारण 23 लाख घरों की बिजली हुई गुल, मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 18

वॉशिंगटन। दक्षिणी अमेरिका में बेरिल नामक तूफान ने भारी तबाही मचा रखी है। इसे उत्तर-

उष्णकटिबंधीय चक्रवात घोषित किया कर दिया गया। अब तक यह तूफान लगभग 18 लोगों की जान ले चुका है। वहीं भी आठ लोगों की तूफान के कारण मौत हुई। वहीं इस तूफान के कारण लगभग 2.3 मिलियन लोगों के घरों की बिजली गुल रही। बीते सप्ताह कैरेबियन सागर में बेरिल तूफान आया। जो कि अब तक की सर्वाधिक तीव्रता वाला, श्रेणी 5 का तूफान था। इस तूफान की चपेट में आकर अब तक लगभग 18 लोगों की जान जा चुकी है। यह तूफान टेक्सास में श्रेणी 1 के रूप में प्रवेश कर गया। जहां इसने लगभग 7 लोगों को अपनी चपेट में लिया, वहीं पड़ोसी लुइसियाना में एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। पेड़ गिरना और बाढ़ आने से आठ लोग मारे गए। इसे उत्तर-उष्णकटिबंधीय चक्रवात नाम दिया गया। तूफान के बाद क्षतिग्रस्त विद्युत ग्रिडों के कारण टेक्सास में लगभग 2.2 मिलियन घरों में बिजली नहीं थी। वहीं लुइसियाना में भी 14,000 घरों में बिजली नहीं थी। निवासियों के लिए वातानुकूलित आश्रय स्थल स्थापित किए गए, हालांकि कर्मचारी सेवाएं दुरुस्त करने में लगे रहे। अलग-अलग स्थानों पर हुई मौतें 2.3 मिलियन की आबादी वाला विशाल शहर ह्यूस्टन, तूफानी हवाओं और बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हो चुका है। हैरिस काउंटी के शेरिफ एड गोंजालेज ने बताया कि घरों पर पेड़ गिरने की अलग-अलग घटनाओं में 53 वर्षीय पुरुष और 74 वर्षीय महिला की मौत हो गई।

अमेरिका में तूफान बेरिल के कारण 23 लाख घरों की बिजली हुई गुल, मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 18

वॉशिंगटन। दक्षिणी अमेरिका में बेरिल नामक तूफान ने भारी तबाही मचा रखी है। इसे उत्तर-उष्णकटिबंधीय चक्रवात घोषित किया कर दिया गया। अब तक यह तूफान लगभग 18 लोगों की जान ले चुका है। वहीं भी आठ लोगों की तूफान के कारण मौत हुई। वहीं इस तूफान के कारण लगभग 2.3 मिलियन लोगों के घरों की बिजली गुल रही। बीते सप्ताह कैरेबियन सागर में बेरिल तूफान आया। जो कि अब तक की सर्वाधिक तीव्रता वाला, श्रेणी 5 का तूफान था। इस तूफान की चपेट में आकर अब तक लगभग 18 लोगों की जान जा चुकी है। यह तूफान टेक्सास में श्रेणी 1 के रूप में प्रवेश कर गया। जहां इसने लगभग 7 लोगों को अपनी चपेट में लिया, वहीं पड़ोसी लुइसियाना में एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। पेड़ गिरना और बाढ़ आने से आठ लोग मारे गए। इसे उत्तर-उष्णकटिबंधीय चक्रवात नाम दिया गया।

उपराष्ट्रपति हैरिस ने डोनाल्ड ट्रंप पर लगाए गंभीर आरोप कहा- वह लोकतंत्र को तानाशाही में बदलना चाहते हैं

वॉशिंगटन, 10 जुलई (एजेंसियां) ।

अमेरिका में पांच नवंबर को चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में सभी राजनीतिक दल अपने प्रचार प्रसार में लगे हुए हैं। यहां राष्ट्रपति पद के लिए दो नेताओं जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ा मुकाबला है। दोनों ही प्रतिद्वंद्वी एक दूसरे पर हमलावर हैं। इस बीच, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने एक बार फिर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन पार्टी के संभावित उम्मीदवार ट्रंप अमेरिकी लोकतंत्र को तानाशाही में बदल देंगे।

एएएनएसपीआई किया लॉन्च

हैरिस ने लास वेगास में बाइडन-हैरिस के लिए एक एएएनएसपीआई लॉन्च किया है। यह एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है, जो देश भर में एशियाई अमेरिकी, मूल हवाईयन और प्रशांत द्वीप समूह (एएनएसपीआई) मतदाताओं, समुदायों और नेताओं को एक साथ एक मंच पर लाएगा।

इस दौरान उन्होंने कहा, डोनाल्ड ट्रंप हमारे लोकतंत्र को तानाशाही में बदलना चाहते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मूल रूप से घोषणा की है कि वह इससे बच सकते हैं।

ट्रंप लगाए गंभीर आरोप

हैरिस ने आरोप लगाया कि ट्रंप के सलाहकारों ने 900 पन्नों का एक खाका तैयार किया है। इसे प्रोजेक्ट 2025 बताया जा रहा है। इसमें दूसरे कार्यकाल में उनके द्वारा की जाने वाली अन्य सभी योजनाओं का ब्योरा है, जिसमें सामाजिक सुरक्षा में कटौती, इंसुलिन पर 35 अमेरिकी डॉलर की सीमा को हटाना, शिक्षा विभाग और हेड स्टार्ट जैसे कार्यक्रमों को समाप्त करना शामिल है।

उन्होंने आगे कहा, प्रोजेक्ट 2025 में गर्भनिरोधक तक पहुंच को सीमित करने और संसद के एक अधिनियम के साथ या उसके बिना देश भर में गर्भपात पर प्रतिबंध लगाने की योजना की रूपरेखा तैयार की गई है। यदि इसे लागू किया जाता है, तो यह योजना डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रजनन स्वतंत्रता पर नया हमला होगा।

महिलाओं को पता है उनका हित

उपराष्ट्रपति ने लोगों की तालियों की गूंज के बीच कहा, कोई गलती न करें, अगर ट्रंप को मौका मिलता है तो वह हर एक राज्य में गर्भपात को गैरकानूनी घोषित करने के लिए राष्ट्रीय गर्भपात प्रतिबंध पर हस्ताक्षर करेंगे। लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। हम ऐसा नहीं होने देंगे क्योंकि हम महिलाओं पर भरोसा करते हैं। हम जानते हैं कि महिलाएं जानती हैं कि उनके अपने हित में क्या है और उन्हें सरकार द्वारा यह बताए जाने की जरूरत नहीं है कि उन्हें अपने शरीर के साथ क्या करना है।

अपनी मां से जुड़ा किस्सा बताया

उन्होंने कहा, मेरी मां उस समय भारत से अमेरिका आई थीं, जब मैं महज 19 साल की थीं। वह और मेरे पिता नागरिक अधिकार आंदोलन में सक्रिय होने के दौरान मिले थे। वास्तव में, जब मैं छोटी थी तो मेरे माता-पिता मुझे स्ट्रोलर में मार्च में ले जाते थे। मेरी मां के जीवन में दो लक्ष्य थे। एक अपनी दो बेटियों मैं और मेरी बहन माया को बड़ा करना और दूसरा स्तन कैंसर को समाप्त करना। वह एक स्तन कैंसर शोधकर्ता थीं। अगर मैं सच कहूं तो मेरी मां ने अपने सपनों को पूरा करने के लिए कभी किसी की अनुमति नहीं मांगी।

हैरिस ने बताया कि उनकी मां की लंबाई पांच फीट थीं। हालांकि, अगर आप उनसे मिलते तो आपको लगता कि वह 10 फीट लंबी हैं। यह उनके चरित्र, ताकत और दृढ़ संकल्प के कारण ही मैं संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति के रूप में आपके सामने खड़ी हूं।

चुनाव में 118 दिन बाकी

उन्होंने कहा कि यह हमारी जिंदगी का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव है। उन्होंने कहा, चुनाव में 118 दिन रह गए हैं। हममें से कई हर चार साल में इन चुनावों में शामिल होते हैं और लगभग हर बार हम कहते हैं, यही वह चुनाव है। खैर, यह हमारे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव है। अब, हम हमेशा जानते थे कि यह चुनाव कठिन होगा। पिछले कुछ दिन याद दिलाते रहे हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के लिए दौड़ना कभी आसान नहीं होता है। लेकिन एक बात जो हम अपने राष्ट्रपति जो बाइडन के बारे में जानते हैं, वह यह है कि वह एक योद्धा हैं।

निक्की हेली के समर्थक रिपब्लिकन प्रतिनिधि अब ट्रंप का देंगे साथ मजबूत होगा पूर्व राष्ट्रपति का दावा

वॉशिंगटन, 10 जुलई (एजेंसियां) ।

रिपब्लिकन पार्टी की नेता निक्की हेली ने कई दर्जन प्रतिनिधियों (डेलीगेट्स) की सूची जारी की है। भारतीय-अमेरिकी नेता ने इनका समर्थन इस साल की शुरुआत में पार्टी के राष्ट्रपति पद के प्राथमिक चुनावों के दौरान संभावित उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के लिए जुटाया था।

जुलाई में होगा रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन

हेली का यह कदम विस्कॉन्सिन के मिल्वौकी में जुलाई में होने वाले रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन (आरएनसी) से पहले आया है। बता दें कि इस सम्मेलन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए औपचारिक रूप से नामित किया जाएगा।

बाइडन दूसरे कार्यकाल के लिए सक्षम नहीं

रिपब्लिकन नेता ने कहा, नामांकन सम्मेलन रिपब्लिकन एकता का समय है। जो बाइडन दूसरे कार्यकाल के लिए सक्षम नहीं हैं। वह अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सकेंगे। अगर उनकी जगह कमला हैरिस आती हैं तो अमेरिका के लिए यह एक आपदा होगी।

एक ऐसे राष्ट्रपति की आवश्यकता...

उन्होंने आगे कहा, हमें एक ऐसे राष्ट्रपति की आवश्यकता है जो हमारे दुश्मनों को जवाबदेह ठहराए, हमारी सीमाओं को सुरक्षित करे, हमारे कर्ज में कटौती करे और हमारी अर्थव्यवस्था को वापस पटरी पर लाए। मैं अपने प्रतिनिधियों को अगले सप्ताह मिल्वौकी में डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करती हूं। किसने कितना समर्थन जुटाया निक्की हेली ने 97 डेलीगेट का समर्थन हासिल किया था, जबकि बाइडन को 2,265 डेलीगेट मिले थे। राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी का नामांकन जीतने के लिए एक उम्मीदवार को 1,215 प्रतिनिधियों के समर्थन की जरूरत है। उन्होंने मार्च में अपना प्रचार अभियान स्थगित कर दिया था। हेली आरएनसी में नहीं होंगी शामिल संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत और दक्षिण कैरोलिना की गवर्नर हेली आरएनसी में शामिल नहीं हो रही हैं। उनके प्रवक्ता चेनी डेंटन का कहना है कि उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया है। वह इस फैसले के साथ ठीक है।

अमेरिका में भारत दिवस की परेड में पहली बार दिखेगी राम मंदिर की झलक

वॉशिंगटन, 10 जुलई (एजेंसियां) ।

भारत के स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में अमेरिका में एक परेड होने वाली है। न्यूयॉर्क में भारत दिवस के मौके पर 18 अगस्त को होने वाली परेड में लोगों को एक खास झांकी देखने को मिलेगी। दरअसल, इसमें राम मंदिर की प्रतिकृति प्रदर्शित की जाएगी। इसमें शहर और उसके आसपास से हजारों भारतीय-अमेरिकी शामिल होंगे। प्रवासी भारतीयों की अग्रणी संस्था फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन एनवाई-एनजे-सीटी-एनई (एफआईए) ने यहां भारतीय महावाणिज्य दूतावास में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि 18 अगस्त को होने वाली 42वीं वार्षिक भारत दिवस परेड में विशेष राम मंदिर की झांकी का प्रदर्शन किया जाएगा। एफआईए ने बताया कि प्रसिद्ध भारतीय अभिनेता पंकज त्रिपाठी परेड में मुख्य अतिथि होंगे। यह परेड न्यूयॉर्क शहर के लोकप्रिय मैडिसन एवेन्यू से होकर गुजरेगी और इसमें हजारों भारतीय प्रवासी शामिल होंगे। क्या है भारत दिवस परेड भारत दिवस परेड का आयोजन हर साल फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन की ओर से आयोजित किया जाता

है। भारतीय स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर यह भारत से बाहर होने वाला बड़ा आयोजन माना जाता है। इस परेड में विभिन्न भारतीय-अमेरिकी समुदायों और संस्कृति की विविधता का प्रतिनिधित्व करने वाली दर्जनों झांकियां न्यूयॉर्क की सड़कों पर देखी जाती हैं। इस दौरान भारतीय लोग झांकियों का सड़क पर स्वागत करते हैं और तिरंगा लहराते हैं। भारत की महान संस्कृति का प्रदर्शन न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत बिनय प्रधान ने कहा कि वाणिज्य दूतावास परेड का समर्थन करेगा और न्यूयॉर्क तथा अमेरिका में भारत की महान संस्कृति का प्रदर्शन करेगा। इतनी लंबी होगी प्रतिकृति एफआईए के अध्यक्ष डॉ. अविनाश गुप्ता ने बताया कि इस बार परेड की थीम वसुधैव कुटुम्बकम है।

नाटो सम्मेलन में बाइडन ने की यूक्रेन को हवाई रक्षा उपकरण देने की घोषणा, कहा- रूस युद्ध में विफल हो रहा

वॉशिंगटन, 10 जुलई (एजेंसियां) ।

अमेरिका में नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (नाटो) शिखर सम्मेलन शुरू हो गया। इस सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन की सहायता के लिए एक नई घोषणा की। रूस-यूक्रेन के संघर्ष के बीच उन्होंने यूक्रेन को हवाई रक्षा उपकरण दान में देने की घोषणा करते हुए कहा कि रूस इस युद्ध में विफल हो रहा है। नाटो शिखर सम्मेलन के 75वीं वर्षगांठ के मौके पर राष्ट्रपति बाइडन ने बताया कि अमेरिका, जर्मनी, नीदरलैंड, रोमानिया और इटली यूक्रेन को पांच अतिरिक्त रणनीतिक वायु-रक्षा प्रणालियों के लिए उपकरण प्रदान करेंगे।

राष्ट्रपति बाइडन का यूक्रेन को समर्थन

शिखर सम्मेलन में नाटो सदस्यों का स्वागत करते हुए जो बाइडन ने कहा कि आने वाले महीनों में अमेरिका और उसके साझेदार यूक्रेन को दर्जनों अतिरिक्त वायु-रक्षा प्रणालियां प्रदान करेंगे। उन्होंने आश्वासन देते हुए कहा, जब हम महत्वपूर्ण वायु-रक्षा इंटरसेप्टर निर्यात करेंगे तो युद्ध में यूक्रेन

आगे निकल जाएगा। किसी अन्य को मिलने से पहले उन्हें यह सहायता मिलेंगी। अगले साल तक यूक्रेन को सैकड़ों अतिरिक्त इंटरसेप्टर मिलेंगे। इससे यूक्रेनी सैनिक रूसी हमलों का डटकर जवाब दे सकेंगे। बाइडन ने रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को लेकर टिप्पणी भी की। उन्होंने कहा, रूस इस युद्ध में विफल हो रहा है। इस युद्ध में दो से अधिक वर्ष हो गए। इस युद्ध में रूस की हार चौंका देने वाली है। 350,000 से ज्यादा रूसी सैनिक या तो मारे गए या फिर घायल हो गए। दस लाख से भी अधिक रूसी नागरिक, जिनमें ज्यादातर युवा थे, रूस छोड़कर भाग गए। इसका कारण यह है कि वे रूस में अपना भविष्य नहीं देखना चाहते थे। उन्होंने रूस पर तंज कसते हुए आगे कहा, दोस्तों क्या आपको याद है, कीव को दो दिनों के भीतर गिराने की बात की गई थी, लेकिन दो से ढाई साल बाद भी वह वहीं है। सभी साझेदारों को यह लगता था कि इस युद्ध से पहले नाटो टूट जाएगा। आज इतिहास में नाटो सबसे ज्यादा मजबूत है। जब इस युद्ध की शुरुआत हुई थी तब यूक्रेन एक मुक्त राष्ट्र था और आज भी वह एक मुक्त राष्ट्र ही है। रूस के राष्ट्रपति पर साधा निशाना राष्ट्रपति बाइडन ने रूस पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर निशाना साधा। बाइडन ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति यूक्रेन को नष्ट करना चाहते हैं। वह इसकी संस्कृति, और लोकतंत्र को मिट्टी में मिलाना चाहते हैं और देश को नक्शे से हटाना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, हमें मालूम है कि पुतिन केवल यूक्रेन पर नहीं रुकेंगे। बिना कोई गलती किए यूक्रेन पुतिन को रोक सकता है और रोकेगा। उन्होंने यूक्रेन पर भरोसा जताते हुए कहा कि यूक्रेन इस युद्ध को एक मुक्त राष्ट्र के तौर पर ही खत्म करेगा।

सिंगापुर में दो भारतवंशियों को सजा, 50 कंपनियों के जरिए लोगों से ठगे थे लाखों डॉलर

सिंगापुर, 10 जुलई (एजेंसियां) ।

दो भारतीय मूल के सिंगापुरी नागरिकों को ठगी के आरोप में जेल की सजा सुनाई गई। दोनों ने लगभग 50 कंपनियों के जरिए बैंक खातों के जरिए पैसे लूटे। इनमें से दो कंपनियों के जरिए चीन और यूएई से भी लेनदेन किया था। पिछले चार-पांच सालों से ये लोग कंपनियों के नाम पर लोगों से पैसे ठग रहे थे।

34 वर्षीय ईशान शर्मा और 36 वर्षीय कंधीबन लेचुमननसामी को अमेरिका में पीड़ितों को ठगने के आरोप में जेल की सजा सुनाई गई। ईशान को चार सप्ताह की सजा और कंधीबन को एक सप्ताह की जेल की सजा सुनाई गई। दोनों ही कंपनी अधिनियम के तहत दो आरोपों में दोषी पाए गए। आरोप था कि दोनों ने लगभग 50 कंपनियों के जरिए बैंक खातों से पैसे प्राप्त किए थे, जिनमें से दो कंपनियों ने चीन और यूएई से भी लेनदेन किया था।

ईशान ने अपने दोस्त कंधीबन लेचुमननसामी को उचित परिश्रम न करने के लिए उकसाया था, जबकि वह दोनों फर्मों में निदेशक था। कंधीबन ने कंपनियों के मामलों पर कोई निगरानी रखने में विफल रहने के बाद अपने को दोषी स्वीकार किया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अदालती दस्तावेजों में यह नहीं बताया गया है कि अपराध कैसे सामने आए। वहीं उप लोक अभियोजक मैथ्यू चू ने अदालत में कहा कि इस सब में मास्टर माइंड ईशान था। उन्होंने कहा कि अपराधी ने उन दो कंपनियों के जरिए घपला कर कुल 12,000 सिंगापुरी डॉलर कमाए। 2019 और 2020 के बीच अपराधों के समय ईशान एक चार्टर्ड अकाउंटेंट थे। 2017 में, उन्हें पता चला कि कंधीबन बेरोजगार थे और उन्होंने वृद्ध व्यक्ति को कार्मिक सर्किल नामक एक फर्म में 500 सिंगापुरी डॉलर के मासिक वेतन पर नौकरी की पेशकश की। कंधीबन को

निगमित कंपनियों के निदेशक रखा जाना था। वह इस सौदे के लिए सहमत हो गए।

डीपीपी चू ने कहा: कंधीबन समझ रहे थे कि उन्हें एक मूक निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था। उनका कंपनियों के संचालन और गतिविधियों से कोई लेना-देना नहीं था। ईशान के साथ अपनी व्यवस्था के कारण, कंधीबन 2019 और 2020 के बीच 50 से अधिक कंपनियों के सूचीबद्ध निदेशक बन गए। फिर जून 2019 से कुछ समय पहले आशीष नंदा नामक एक व्यक्ति ने ईशान को भारतीय नागरिक राहुल बत्रा से मिलवाया। आशीष ने ईशान को बताया कि राहुल सिंगापुर में एक कंपनी बनाना चाहता है।

इसके बाद ईशान ने क्वार्ट्ज रिसोर्सेज के निगमन के लिए आगे बढ़ने से पहले राहुल से दो बार फोन पर संपर्क किया। अभियोक्ता ने कहा, क्वार्ट्ज रिसोर्सेज के निगमन के बाद जून 2019 में ईशान और कंधीबन ने राहुल से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की। जहां राहुल ने ईशान को दी गई सेवाओं और क्वार्ट्ज रिसोर्सेज के कॉर्पोरेट खाते खोलने के लिए नकद में 6,000 सिंगापुरी डॉलर का भुगतान किया।

इसके बाद कंधीबन ने क्वार्ट्ज रिसोर्सेज के नामित निदेशक बनने के लिए राहुल के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते में एक खंड में कहा गया था कि कंधीबन को फर्म के प्रबंधन और संचालन में शामिल नहीं होना चाहिए। क्वार्ट्ज रिसोर्सेज को 7 जून, 2019 को शामिल किया गया था, और ईशान के घर को इसके पंजीकृत कार्यालय के पते के रूप में दर्ज किया गया था। वहीं कंधीबन और राहुल को इसके निदेशक के रूप में जबकि ईशान को इसके सचिव के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। उस महीने के अंत में, क्वार्ट्ज रिसोर्सेज के नाम से तीन कॉर्पोरेट बैंक खाते खोले गए, जिसमें राहुल उनके एकमात्र हस्ताक्षरकर्ता थे। डीपीपी ने कहा कि कंधीबन के पास बैंक स्टेटमेंट तक पहुंच नहीं थी, उसने स्टेटमेंट का अनुरोध नहीं किया और खातों के माध्यम से किए गए लेन-देन की समीक्षा भी नहीं की।

क्वार्ट्ज रिसोर्सेज के दो बैंक खातों में बाद में पांच घोटाले के पीड़ितों से 583,000 सिंगापुरी से अधिक प्राप्त हुए। ईशान और कंधीबन ने किओरा वर्ल्डवाइड से जुड़े इसी तरह के कई अपराध किए। जिसे 3 नवंबर, 2019 को शामिल किया गया था। इस मामले में अदालत बताया गया कि नवंबर 2019 से कुछ समय पहले, आशीष ने ईशान को एक अन्य भारतीय नागरिक वधावन सुचित से मिलवाया। ईशान ने वधावन से व्यक्तिगत रूप से नवंबर 2019 में किओरा वर्ल्डवाइड के शामिल होने के बाद ही मुलाकात की। वधावन ने उन्हें सेवाओं सहित अन्य मदों के लिए नकद में 6,000 सिंगापुर डॉलर का भुगतान किया।

कांधीबन और वधावन को किओरा वर्ल्डवाइड के निदेशक के रूप में रखा गया। जबकि ईशान को इसके सचिव के रूप में रखा गया। किओरा वर्ल्डवाइड के दो बैंक खातों में बाद में तीन घोटाले के पीड़ितों से लगभग 480,000 अमेरिकी डॉलर प्राप्त हुए। किओरा वर्ल्डवाइड और क्वार्ट्ज रिसोर्सेज के बैंक खातों में प्राप्त धन को चीन और संयुक्त अरब अमीरात सहित देशों में अन्य कंपनियों के खातों में भेज दिया गया। घोटाले की आय वापस नहीं मिली।

मेदवेदेव ने सिनर से बदला लिया, पाओलिनी ने इटली के लिए रचा इतिहास

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां) । पांचवीं वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव ने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जानिक सिनर को विम्बलडन में पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में हरा दिया जबकि महिला वर्ग में फ्रेंच ओपन फाइनलिस्ट जैस्मीन पाओलिनी ने उलटफेर भरी जीत के साथ पहली बार ग्रास कोर्ट के ग्रैंड स्लैम विम्बलडन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में 2-0 से आगे रहने के बाद पांच सेटों में पराजित पांचवीं वरीयता प्राप्त मेदवेदेव ने पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में सिनर पर पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में 6-7(7), 6-4, 7-6(4), 2-6, 6-3 से शानदार जीत दर्ज की।

मेदवेदेव ने 55 विनर लगाकर वर्ल्ड नंबर 1 को सीज़न की चौथी हार दी। अपनी चार घंटे की रोमांचक जीत के साथ, मेदवेदेव ने जोड़ी के करियर मुकाबले में 7-5 का सुधार किया। एटीपी टूर ने अपनी वेबसाइट पर एक रिपोर्ट में मेदवेदेव के हवाले से कहा, मुझे पता था कि अगर मैं जानिक को हराऊंगा तो यह एक कठिन मैच होगा।वह ऐसा खिलाड़ी नहीं है जिसे आप आसानी से हरा सकें। एक समय वह बहुत अच्छा महसूस नहीं कर रहा था लेकिन उसने बेहतर खेलना शुरू कर दिया और मुझे खुशी है कि मैं उच्च स्तर पर बने रहने में कामयाब रहा। कुछ बेहतरीन अंक थे, यह एक शानदार मैच था और मैं जीत कर खुश हूं और मैं आगे देख रहा हूं।

अपने नौवें प्रमुख सेमीफाइनल (विंबलडन में लगातार दूसरे) में, एटीपी रैंकिंग में नंबर 5 खिलाड़ी 2021 यूएस ओपन के बाद अपने पहले ग्रैंड स्लैम खिताब का पीछा कर रहा है। मेदवेदेव का सेमीफाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त स्पैनियार्ड कार्लोस अल्काराज या 12वीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी टॉमी पॉल से मुकाबला होगा।

उधर महिला वर्ग में फ्रेंच ओपन फाइनलिस्ट जैस्मीन पाओलिनी लगातार दूसरे बड़े फाइनल की राह पर बनी हुई हैं। वह एम्मा नवारो को हराकर विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली इटली की पहली महिला खिलाड़ी बन गईं। पाओलिनी ने नंबर 19 वरीयता प्राप्त नवारो पर 6-2, 6-1 से शानदार जीत दर्ज की और पहली बार ग्रास-कोर्ट ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंची।

सेंटर कोर्ट पर पाओलिनी की 58 मिनट की जीत से पहले इतालवी महिलाएं विंबलडन में सभी चार क्वार्टर फाइनल हार गई थीं। क्रोएशिया की डोना वेकिच ने न्यूजीलैंड की क्वालीफायर लुलु सन को 5-7, 6-4, 6-1 से हराकर अपने करियर के पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पिछड़ने के बाद जीत हासिल की।

अपने तीसरे ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में और विंबलडन में पहली बार, विश्व नंबर 37 वेकिच को 123वीं रैंकिंग वाली सुन को मात देने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी, जिसका लक्ष्य विंबलडन में महिला एकल सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए केवल दूसरा क्वालीफायर बनना था। 28 वर्षीय वेकिच ने अंततः नंबर 1 कोर्ट पर 2 घंटे और 8 मिनट के खेल के बाद 23 वर्षीय सन को पीछे छोड़ दिया।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय फुटबॉल टीम के कोच बनने की दौड़ में शामिल रोजारियो और नौशाद

कोलकाता । भारतीय फुटबॉल टीम को अब आने वाले समय में नया कोच मिल सकता है। इगोर स्टिमक को कोच पद से हटाये जाने के बाद से ही अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) नये कोच की तलाश कर रहा है। जिसके बाद उसे दुनिया भर से कई प्रस्ताव मिले हैं। इस पद के लिए मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के पूर्व कोच स्टेनली रोजारियो और नॉर्थईस्ट यूनाईटेड के मौजूदा सहायक कोच नौशाद मूसा ने भी आवेदन किया है। इस पद के लिए 100 आवेदनकर्ता यूएफा प्रो लाइसेंस डिप्लोमा धारक हैं जबकि 20 के पास एएफसी प्रो लाइसेंस डिप्लोमा है। तीन के पास दक्षिण अमेरिका फुटबॉल परिसंघ (कोनमेबोल) लाइसेंस है। रोजारियो और मूसा एएफसी प्रो लाइसेंस डिप्लोमा धारक हैं। इसके अलावा मोहन बागान सुपर जाइंट्स को 2023-24 आईएसएल लीग शील्ड जिताने में सहायता करने वाले एंटोनियो लोपेज हबास ने भी आवेदन किया है। एक अधिकारी के अनुसार रोजारियो और मूसा उन भारतीयों में शामिल हैं जिन्होंने आवेदन किया है और वे एएफसी प्रो लाइसेंस धारक भी हैं। इसके अलावा एंटोनियो हबास ने भी आवेदन किया है। प्रस्तावों में शामिल भारतीय उम्मीदवारों के नाम 20 जुलाई को एआईएफएफ कार्यकारी समिति की बैठक में रखे जाएंगे। इससे पहले एआईएफएफ उपाध्यक्ष एनए हैरिस की अगुआई वाली समिति आवेदनों की समीक्षा करेगी। समिति में तकनीकी, लीग, प्रतियोगिता, वित्त और विकास समिति के अध्यक्ष और कोषाध्यक्ष भी शामिल होगा। एआईएफएफ ने कहा है कि इस महीने के अंत तक पुरुष टीम के नए कोच का नाम तय कर दिया जाएगा।

कोच के तौर पर बेहतर परिणाम देने के पूरे प्रयास करुंगा : गंभीर

मुम्बई । भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के नये मुख्य कोच बने गौतम गंभीर ने कहा है कि वह टीम के लिए बेहतर परिणाम देने अपनी ओर से पूरे प्रयास करेंगे। गंभीर को राहुल द्रविड़ की जगह टीम का नया मुख्य कोच बनाया गया है। गंभीर ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि भारत मेरी पहचान है और अपने देश की सेवा करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। मैं टीम के साथ जुड़कर सम्मानित अनुभव कर रहा हूं, भले ही अब में खिलाड़ी की जगह पर कोच की भूमिका में हूं पर मेरा लक्ष्य हमेशा की तरह ही वही है, हर भारतीय को गर्व का अनुभव कराना है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम एक अरब 40 करोड़ लोगों की उम्मीदें लेकर चल रही है और मेरा प्रयास इसे पूरा करना रहेगा। गौरतलब है कि गंभीर काफी सख्त प्रकार के कोच माने जाते हैं। अब देखना होगा कि टीम के मुख्य कोच की भूमिका में वह कितने सफल होते हैं।

जेसविन और अंकिता अब पेरिस ओलंपिक में भाग लेंगे

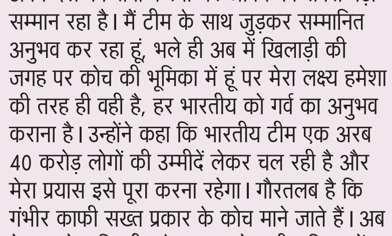

नई दिल्ली । एथलीट जेसविन एल्ड्रिन और अंकिता ध्यानी अब पेरिस ओलंपिक में भाग लेते हुए नजर आयेंगे। जेसविन को पुरुषों की लंबी कूद और अंकिता को महिला वर्ग में पांच हजार मीटर दौड़ में विश्व रैंकिंग में जगह मिलने के साथ ही पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीम में जगह मिल गयी है। इन दोनों एथलीटों के टीम में शामिल होने के साथ ही पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीम के सदस्यों की संख्या बढ़कर अब 30 पहुंच गयी है। विश्व एथलेटिक्स ने भी इन दोनो को शामिल किये जाने की पुष्टि की है। एल्ड्रिन को पुरुषों की लंबी कूद में 31 वां स्थान मिला है। उन्हें शीर्ष 32 एथलीटों में जगह मिलने के कारण ही पेरिस के लिए भारतीय टीम में जगह मिली है। दूसरी ओर महिलाओं की पांच हजार मीटर में अंकिता को 42 वां स्थान मिला, ये इस स्पर्धा में कटऑफ रैंक के अंदर है।

भारत ने जिम्बाब्वे को 23 रन से हराया
5 मैचों की टी-20 सीरीज में 2-1 की बढ़त

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां) । भारतीय क्रिकेट टीम ने जिम्बाब्वे को तीसरे टी20 मैच में 23 रन से हराकर 5 मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है. भारत की ओर से रखे गए 183 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की पूरी टीम 6 विकेट पर 159 रन बनाकर पवेलियन लौट गई. हरारे स्पोर्ट्स क्लब पर खेले गए इस मैच में भारत की ओर से कप्तान शुभमन गिल ने सर्वाधिक 66 रन बनाए जबकि ऋतुराज गायकवाड़ एक रन से अपना अर्धशतक चूक गए. ओपनर यशस्वी जायसवाल ने 36 रन के साथ वापसी की. भारतीय टीम इस मैच में एक या दो नहीं बल्कि पूरे चार ओपनर्स के साथ उतरी थी. यशस्वी, गिल, अभिषेक और ऋतुराज इस मैच में एक साथ उतरे थे. सीरीज का चौथा टी20 मैच 13 जुलाई को को इसी वेन्यू पर खेला जाएगा।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत बेहद खराब रही. मेजबान टीम ने 39 के स्कोर पर अपने 5 विकेट गंवा दिए। ओपनर वेस्ले मधवेरे एक रन बनाकर आउट हुए वहीं मारुमानी 13 रन बनाकर पवेलियन लौटे। ब्रायन बेनेट ने 4 रन का योगदान दिया। कप्तान सिकंदर रजा 15 रन की पारी खेलकर पवेलियन लौटे वहीं जोनाथन कैम्बेल ने एक रन बनाए। भारत को पहली सफलता आवेश खान ने दिलाई वहीं मारुमानी को शिवम दुबे के हाथों कैच कराकर खलील ने जिम्बाब्वे को दूसरा झटका दिया. विकेटकीपर क्लाइव मडांडे 37 रन बनाकर आउट हुए. वही डियोन मायर्स ने सबसे ज्यादा नाबाद 65 रन बनाए वहीं मासाकाद्जा 18 रन बनाकर नाबाद लौटे। भारत के लिए वॉशिंगटन सुंदर ने 3 विकेट चटकाए जबकि आवेश खान ने 2 विकेट लिए।

गिल ने 66 रन की पारी खेली

कप्तान शुभमन गिल के अर्धशतक से भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले बैटिंग करते हुए 4 विकेट पर 182 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज गिल ने 49 गेंद में सात चौकों और तीन छक्कों से 66 रन की पारी खेलने के अलावा यशस्वी जायसवाल (36) के साथ पहले विकेट के लिए 67 जबकि ऋतुराज गायकवाड़ (49) के साथ तीसरे विकेट के लिए 62 रन की साझेदारी करके टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

रजा-मुजरबानी ने 2-2 विकेट चटकाए

जिम्बाब्वे की ओर से कप्तान सिकंदर रजा ने 24 जबकि ब्लेसिंग मुजरबानी ने 25 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए. गिल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और जायसवाल के साथ पावर प्ले में बिना विकेट खोए 55 रन जोड़कर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। जायसवाल ने ऑफ स्पिनर ब्रायन बेनेट के पहले ही ओवर में दो चौके और एक छक्का मारा जबकि गिल ने अगले ओवर में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज रिचर्ड नगारवा पर दो चौके और एक छक्का जड़ा।

जायसवाल को 29 के स्कोर पर मिला जीवनदान

जायसवाल ने तेज गेंदबाज तेंडई चतारा की लगातार गेंदों पर भी चौका और छक्का मारा. जायसवाल को 29 रन के निजी स्कोर पर चतारा की गेंद पर स्वीपर कवर पर ताडिवनाशे मरुमानी ने जीवनदान दिया. वह हालांकि इसका फायदा नहीं उठा पाए और अगले ओवर में रजा की गेंद पर बैकवर्ड प्वाइंट पर बेनेट को कैच दे बैठे. उन्होंने 27 गेंद का सामना करते हुए चार चौके और दो छक्के मारे।

पिछले मैच के शतकवीर अभिषेक 10 रन बनाकर हुए आउट

पिछले मैच में शतक जड़ने वाले अभिषेक शर्मा भी सिर्फ 10 रन बनाने के बाद रजा की गेंद पर मरुमानी को कैच दे बैठे. गिल और गायकवाड़ ने इसके बाद पारी को आगे बढ़ाया. दोनों ने 13वें ओवर में वेस्ली माधेवेरे पर छक्के मारे. इसी ओवर में भारत के रनों का शतक पूरा हुआ. गिल ने चतारा पर चौके के साथ 36 गेंद में अर्धशतक पूरा किया।

गिल और गायकवाड़ ने 17वें ओवर में रजा पर भी छक्के जड़े. गिल हालांकि इसके बाद मुजरबानी की उछाल लेती गेंद को हवा में लहराकर रजा को कैच दे बैठे जबकि गायकवाड़ भी इस तेज गेंदबाज के अंतिम ओवर में माधेवेरे को कैच देकर अर्धशतक से एक रन से चूक गए. गायकवाड़ ने 28 गेंद की अपनी पारी में चार चौके और तीन छक्के मारे।

चैंपियंस ट्रॉफी खेलने संन्यास से वापसी करने भी तैयार हैं वार्नर

सिडनी, 10 जुलाई (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेयिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर अगले साल पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए संन्यास से वापसी करने तैयार हैं। वार्नर ने कहा है कि वह इस एक आईसीसी टूर्नामेंट में खेलने के लिए तैयार हैं। वार्नर ने टी20 विश्वकप के बाद इस प्रारुप से संन्यास की घोषणा कर दी थी।

चैंपियंस ट्रॉफी खेलने संन्यास से वापसी करने भी तैयार हैं वार्नर

इस खिलाड़ी ने प्रशंसकों और अपने साथियों के समर्थन के लिए उनका अभार जताया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी में राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने की इच्छा जताया है। इस बल्लेबाज ने कहा कि मेरे करियर का समय अंतरराष्ट्रीय खेलने में लगा है। साथ ही कहा कि सभी प्रारूपों में 100 से अधिक खेलना मेरा सपना रहा है जिससे संभव बनाने में मुझे सभी का समर्थन मिलन और मैं उनके प्रति आभारी हूं। उन्होंने कहा, मेरी पत्नी और मेरी बेटियां ने खेल के दौरान मेरा पूरा साथ दिया। जिसके लिए मैं उनका आभारी हूं। कोई भी बाहरी व्यक्ति कभी नहीं जान पाएगा कि हमने क्या-क्या सहा है। मुझे उम्मीद है कि सभी क्रिकेट प्रशंसकों का मैंने अपने खेल से मनोरंजन किया है और टेस्ट क्रिकेट को तेजी से खेलकर बदलने का प्रयास किया है। साथ ही कहा कि हम प्रशंसकों के बिना वह नहीं कर सकते जो हमें पसंद है, इसलिए धन्यवाद। मैं कुछ समय तक फ्रैंचाइजी क्रिकेट खेलना जारी रखूंगा और इसके बाद अगर मुझे अवसर मिलता है तो मैं चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने को तैयार हूं। ऑस्ट्रेलिया की सीमित ओवरों की टीमें सितंबर में अपने सत्र की शुरुआत करेंगी। इसमें टीम पहली बार वार्नर के बिना ही उतरेगी। उसे सबसे पहले स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ तीन-तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है।

टेस्ट क्रिकेट शीर्ष टीमों के बीच ही खेला जाये टी20 के जरिये खेल को आगे बढ़ायें : शास्त्री

मुम्बई, 10 जुलाई (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि टी20 से खेल को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाया जाना चाहिये। वहीं टेस्ट क्रिकेट केवल 6 या 7 देशों के बीच ही होना चाहिये। शास्त्री ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि आप 2 स्तर रख सकते हैं पर टेस्ट क्रिकेट में रुचि बनाए रखने के लिए शीर्ष छह टीमों को ही खेलते रहने दें। आप इस खेल को टी20 जैसे अन्य प्रारूपों के जरिये दुनिया भर में लोकप्रिय बना सकते हैं पर इसके लिए खेल का स्तर अच्छा होना चाहिये क्योंकि अगर आपके पास गुणवत्ता नहीं है।

तो रेटिंग गिरती जाएगी। अगर आपके पास 12 टेस्ट मैच टीमें हैं तो इसे छह या सात तक ही सीमित करें। जो बढ़िया खेले ऊपर आए जो खराब खेले वह नीचे चली जाए और उससे आगे खेलने का अवसर नहीं मिले।

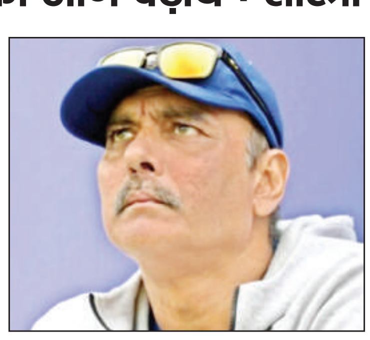

वहीं एमसीसी अध्यक्ष मार्क निकोलस ने कहा कि टी20 क्रिकेट से आने वाला पैसा खेल को आगे बढ़ाने का एकमात्र तरीका हो सकता है। टी20 क्रिकेट ऐसा प्रारुप है जो हर कोई चाहता है। यह वह जगह है जहां नया बाजार है, जहां प्रशंसक हैं और जहां पैसा है। क्रिकेट में पैसे के आने को बाजारीकरण नाम दिया जा रहा है पर ऐसा नहीं होना चाहिए क्योंकि यह खेल को बनाए रखने का एकमात्र तरीका है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज और मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया में वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमर जोसेफ के यादगार टेस्ट डेब्यू का हवाला देते हुए कहा कि वह चाहते हैं कि युवाओं पर इसके प्रभाव के कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को संरक्षित किया जाए।

मेसी ने दागा 109वां गोल, कनाडा को हराकर अर्जेंटीना कोपा अमेरिका के फाइनल में

ईस्ट रदरफोर्ड (न्यू जर्सी) , 10 जुलाई (एजेंसियां) ।

अर्जेंटीना की तरफ से जूलियन अल्वारेज ने 22वें मिनट में पहला गोल किया जबकि मेसी ने 51वें मिनट में एन्जो फर्नांडीज के शॉट को गोल में भेज कर उसकी बढ़त दोगुनी की।

लियोनेल मेसी के अपने करियर के 109वें अंतरराष्ट्रीय गोल और वर्तमान टूर्नामेंट के पहले गोल के दम पर गत चैंपियन अर्जेंटीना ने कनाडा को 2-0 से हराकर कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया।

अर्जेंटीना की तरफ से जूलियन अल्वारेज ने 22वें मिनट में पहला गोल किया, जबकि मेसी ने 51वें मिनट में एन्जो फर्नांडीज के शॉट को गोल में भेज कर उसकी बढ़त दोगुनी की। मेसी के सामने तब गोलकीपर मैक्सिम क्रेप्यू थे लेकिन इस स्टार फुटबॉलर के आगे उनकी एक नहीं चली।

मेसी ने अर्जेंटीना के लिए अपने पिछले 25 मैचों में 28 गोल किए हैं। वह कोपा अमेरिका में अब तक 14 गोल कर चुके हैं जो रिकॉर्ड से तीन गोल कम हैं। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में मेसी से अधिक गोल पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम पर दर्ज हैं जिन्होंने अभी तक 130 गोल किए हैं। ईरान के अल देई के नाम 1993 से 2006 तक 108 या 109 गोल दर्ज हैं। इक्वाडोर के खिलाफ 2000 में किए गए उनके गोल को लेकर विवाद है क्योंकि इस मैच के अंतरराष्ट्रीय दर्जे को लेकर मतभेद हैं।

अर्जेंटीना ने यह जीत अपने स्वतंत्रता दिवस पर हासिल की जिससे उसका अजेय अभियान 10 मैच तक पहुंच गया है। अर्जेंटीना होने वाले फाइनल में उरुग्वे या कोलंबिया का सामना करके रिकॉर्ड 16वां कोपा खिताब जीतने की कोशिश करेगा।

ईशान ने बताया घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने का कारण

मुम्बई, 10 जुलाई (एजेंसियां) ।

पिछले साल हुए दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने अब रणजी ट्रॉफी के अलावा घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने का कारण बताया है। ईशान ने कहा, तब मैंने क्रिकेट से ब्रेक लेने का फैसला लिया था। इसलिए मुझे लगा कि यह सामान्य बात है।

क्रिकेट बोर्ड का भी नियम है कि अगर कोई खिलाड़ी टीम में वापसी करना चाहता है तो उसे घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने साथ ही कहा, यह मेरे लिए इतना आसान भी नहीं था। इसका कारण है कि तब मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को छोड़कर ब्रेक लेने जा रहा था। ऐसे में कोई कैसे घरेलू क्रिकेट खेल सकता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से ब्रेक लेकर घरेलू क्रिकेट में मैच खेलने की बातअजीब है। इससे तो अच्छा ये होता कि मैं ब्रेक ही ना लेता और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ही खेलते रहता। ईशान ने आगे कहा, यह सारी बातें इतनी सहज नहीं थी, मेरे लिए बहुत ही निराशाजनक था। तब मैंने सोचा नहीं था कि हालात ऐसे होंगे। ईशान के घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के कारण बीसीसीसी नाराज था और उसने उसे केन्द्रीय अनुबंध भी नहीं दिया। इसके अलावा किसी भी सीरीज के लिए टीम में जगह नहीं दी। ऐसे में ईशान के भविष्य को लेकर सवाल उठने लगे हैं। बीसीसीआई ने सभी खिलाड़ियों को अपने अपने राज्य की टीम की तरफ से घरेलू क्रिकेट में खेलने को कहा था। इसके बाद भी ईशान ना तो रणजी ट्रॉफी में खेलने उतरे और ना ही किसी और टूर्नामेंट में झारखंड की टीम के लिए खेलते नजर आए। इससे पहले ईशान ने एकदिवसीय में बांग्लादेश के खिलाफ दोहरा शतक लगाया था और उनका प्रदर्शन भी बेहतर होता जा रहा था। इसके बाद भी एक गलती के कारण वह टीम से बाहर हो गये।

द्रविड़ ने अतिरिक्त बोनस लेने से इंकार किया, बाकि कोचिंग स्टाफ जितनी राशि ही लेंगे

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर और भारतीय टीम के मुख्य कोच रहे राहुल द्रविड़ सही मायनों में एक जेंटलमैन हैं। क्रिकेटर के अलावा मुख्य कोच के तौर पर भी वह अपने काम में पूरी तरह से समर्पित रहें हैं। अपनी सादगी और विनम्रता के लिए वह जाने जाते हैं। सफलता का श्रेय स्वयं न लेकर दूसरों को देना उनकी आदत रही है। अब मुख्य कोच पद छोड़ने के बाद भी उन्होंने अपने व्यवहार से यही बात साबित की है। द्रविड़ ने कोच पद छोड़ते ही अतिरिक्त बोनस लेने से मना कर दिया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी20 विश्वकप विजेता टीम को 125 करोड़ रुपए का इनाम दिया है। यह इनामी राशि खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के 42 सदस्यों के बीच बंटेगी। 125 करोड़ रुपए में से टीम के सभी 15 सदस्यों और कोच राहुल द्रविड़ को 5-5 करोड़ मिलने थे और कोचिंग स्टाफ के बाकी सदस्यों को 2.5-2.5 करोड़ रुपए मिलने थे। ऐसे में द्रविड़ ने अतिरिकत बोनस लेने से मना कर दिया है। द्रविड़ ने कहा है कि कोचिंग स्टाफ के बराबर ही इनामी राशि की उन्हें दी जाये। द्रविड़ का कहना है कि उन्हें बाकि स्टाफ की तरह ही 2.5 करोड़ रुपये ही दिये जाये।

अडाणी समूह से जमीन वापस लेने के गुजरात हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली,10 जुलाई (एजेंसियां)।

गुजरात हाईकोर्ट ने अदाणी समूह से 108 हेक्टेयर चारागाह जमीन वापस लेने का आदेश राज्य सरकार को दिया था। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। गुजरात हाईकोर्ट ने अदाणी समूह से 108 हेक्टेयर चारागाह जमीन वापस लेने का आदेश राज्य सरकार को दिया था।जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी।मुंद्रा बंदरगाह के पास 2005 में अदाणी समूह की कंपनी को यह गौचर भूमि दे दी गई थी।

5 जुलाई को राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय को बताया था कि वे लगभग 108 हेक्टेयर गौचर भूमि अदाणी समूह की इकाई से वापस लेगी।जो कि 2005 में उन्हें दी गई थी। इस पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने आदेश दिया था कि गुजरात राज्य के राजस्व विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के हलफनामे पर ध्यान देते हुए, हम संबंधित प्राधिकरण से कानून के अनुसार पुनः अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी करने की अपेक्षा करते हैं।इस आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड की अपील पर गौर किया कि न्याय के हित में विवादित आदेश पर रोक लगाना जरूरी है।पीठ ने कहा, नोटिस जारी करें। विवादित आदेश पर रोक लगाएं।

क्या था मामला

दरअसल, 2005 में गुजरात के राजस्व विभाग ने अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड को 231 एकड़ गौचर भूमि आवंटित की थी।लेकिन ग्रामीणों को भूमि आवंटित होनी की सूचना 2010 में पता चली। जब एपीएसईजेड ने गौचर भूमि पर बाड़ लगाना शुरू किया।गांव के निवासियों ने अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड को 231 एकड़ गौचर भूमि आवंटित करने के निर्णय के खिलाफ एक जनहित याचिका के माध्यम से हाईकोर्ट का रुख किया था। 2014 में राज्य सरकार ने बताया कि डिप्टी कलेक्टर ने चरागाह के उद्देश्य से अतिरिक्त 387 हेक्टेयर सरकारी भूमि देने का आदेश पारित किया था।इसके बाद उच्च न्यायालय ने जनहित याचिका का निपटारा कर दिया था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

वोट से अयोध्या...

यूपी गृह विभाग के सचिव संजीव गुप्ता (आईपीएस) की पत्नी डॉ. चेतना गुप्ता ने 5 अगस्त 2022 को राम मंदिर से 14 किलोमीटर दूर बनवीरपुर (अयोध्या) में 253 वर्ग मीटर आवासीय भूमि 35.92 लाख रुपए में खरीदी थी। इस संबंध में संजीव गुप्ता ने कहा, उन्होंने अब वह जमीन बेच दी है।यूपी शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक अरविंद कुमार पांडेय और उनकी पत्नी ममता पांडेय ने जून और अगस्त 2023 के बीच मंदिर से 7 किलोमीटर दूर शाहनवाजपुर माझा (अयोध्या) में 64.57 लाख रुपए में 1,051 वर्ग मीटर आवासीय जमीन खरीदी। पांडेय भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करते हुए निलंबित हैं। उनकी पत्नी ममता पांडेय बस्ती में भाजपा नेता हैं और अयोध्या में 2022 में खुलने वाले होटल द रामायण की प्रबंध निदेशक हैं। अरविंद पांडे ने कहा, जमीन होटल से सटी हुई है और इसे विस्तार के लिए खरीदा गया था।रेलवे के डिप्टी चीफ इंजीनियर महाबल प्रसाद के बेटे अंशुल ने नवंबर 2023 में मंदिर से 7 किलोमीटर दूर शाहनवाजपुर माझा में एक अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर 0.304 हेक्टेयर कृषि भूमि 24 लाख रुपए में खरीदी। प्रसाद ने कहा, यह एक अविकसित क्षेत्र है, अभी तक कुछ भी योजना नहीं बनाई गई है।अलीगढ़ के एडिशनल एसपी पलाश बंसल (आईपीएस) के पिता देशराज बंसल भारतीय वन सेवा से रिटायर हुए अधिकारी हैं। उन्होंने अप्रैल 2021 में दिल्ली के ईश्वर बंसल के साथ मिलकर मंदिर से 15 किलोमीटर दूर राजेपुर उपरहार (अयोध्या) में 1781.03 वर्ग मीटर आवासीय जमीन 67.68 लाख रुपए में खरीदी थी। ईश्वर बंसल ने 2012 में दिल्ली में नगर निगम चुनाव और 2013 में विधानसभा चुनाव लड़ा था। उन्होंने दोनों बार कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा। पलाश बंसल 26 मई 2022 तक अयोध्या में तैनात थे। पलाश ने कहा, इस जमीन में मेरी कोई दिलचस्पी नहीं है। मेरे पिता ने किसी दूर के रिश्तेदार के साथ मिलकर यह काम किया है।अमेठी के एसपी अनूप कुमार सिंह (आईपीएस) के ससुराली रिश्तेदार शैलेंद्र सिंह और मंजू सिंह ने मिलकर मंदिर से 9 किलोमीटर दूर दुर्गागंज (गोंडा) में 21 सितंबर 2023 को 20 लाख रुपए में 4 हेक्टेयर कृषि भूमि खरीदी। अनूप सिंह ने कहा, इस (भूमि खरीद) से मेरा कोई लेना-देना नहीं है।यूपी के पूर्व डीजीपी यशपाल सिंह (आईपीएस रिटायर्ड) ने दिसंबर 2020 से सितंबर 2023 के बीच मंदिर से 14 किलोमीटर दूर बनवीरपुर (अयोध्या) में 0.427 हेक्टेयर कृषि भूमि और 132.7137 वर्ग मीटर आवासीय भूमि 73 लाख रुपए में खरीदी। उनकी पत्नी गीता सिंह बलरामपुर की पूर्व सपा विधायक हैं। उन्होंने कहा, हमारे पास वहां जमीन थी, नई खरीदी गई जमीन छोटे प्लॉट्स हैं।उत्तर मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी अनुराग त्रिपाठी 2017 से 2023 तक सीबीएसई के सचिव थे। उनके पिता मदन मोहन त्रिपाठी ने मंदिर से 15 किलोमीटर दूर कोटसराय (अयोध्या) में 1.57 हेक्टेयर कृषि भूमि और 640 वर्ग मीटर आवासीय भूमि 2.33 करोड़ रुपए में खरीदी थी। 15 मार्च 2023 को मदन मोहन त्रिपाठी ने विद्या गुरुकुलम एजुकेशनल ट्रस्ट को 1.2324 हेक्टेयर भूमि हस्तांतरित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसके वे सचिव हैं, जिसकी कीमत 3.98 करोड़ रुपए है। मदन मोहन त्रिपाठी ने कहा, मैं (भूमि पर) एक स्कूल खोलने जा रहा हूं। उन्होंने 0.343 हेक्टेयर भूमि अलग से एक अन्य संस्था को बेच दी।हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन जयदीप आर्य ने 12 जुलाई 2023 को मंदिर से 6 किलोमीटर दूर माझा जामथारा (अयोध्या) में चार अन्य लोगों के साथ मिलकर 3.035 हेक्टेयर जमीन 32 लाख रुपए में खरीदी। जयदीप आर्य बाबा रामदेव के पूर्व सहयोगी हैं और योग आयोग की स्थापना हरियाणा सरकार ने की थी। चार अन्य खरीदारों में से एक राकेश मित्तल हैं, जो रामदेव के भारत स्वाभिमान ट्रस्ट से जुड़े हैं। आर्य ने कहा, हमने विक्रेता की मदद के लिए जमीन खरीदी, जिसकी आर्थिक स्थिति खराब थी।यूपी के भाजपा विधायक अजय सिंह के भाई कृष्ण कुमार सिंह और भतीजे सिद्धार्थ ने मंदिर से 8 किलोमीटर दूर महेशपुर (गोंडा) में 0.455 हेक्टेयर कृषि भूमि 2023 में 47 लाख रुपए में खरीदी। यह जमीन पार्क व्यू फ्लैट्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर खरीदी गई, जिसके सिद्धार्थ निदेशक हैं। बस्ती के हर्रैया से विधायक अजय सिंह ने कहा, मैं पार्क व्यू फ्लैट्स से जुड़ा नहीं हूं।गोसाईगंज नगर पंचायत की अध्यक्ष भाजपा नेता विजय लक्ष्मी जायसवाल के अयोध्या निवासी रिश्तेदार मदन जायसवाल ने मंदिर से 7-12 किमी दूर चार गांवों बरहटा माझा, शाहनवाजपुर माझा, सरायरासी माझा और रामपुर हलवारा माझा में परिवार के अन्य सदस्यों के साथ 1.3 करोड़ रुपए में 8.71 हेक्टेयर कृषि भूमि खरीदी। इसमें बस्ती निवासी राकेश जायसवाल के साथ संयुक्त रूप से 8 लाख रुपए में खरीदी गई 3.38 हेक्टेयर जमीन भी शामिल है। सबसे बड़े सौदों में मदन और उनके दो बच्चों ने सितंबर 2020 से नवंबर 2023 के बीच 67 लाख रुपए में बरहटा माझा, शाहनवाजपुर माझा और तिहुरा माझा में समझौतों के तहत 46.67 हेक्टेयर जमीन भी ली। विजय लक्ष्मी जायसवाल ने कहा, मदन का अपना व्यवसाय है, मेरा उससे कोई लेना-देना नहीं है। मदन ने कहा, मैंने ये जमीनें एक समूह के साथ खरीदी हैं, हमें अभी तय करना है कि इस पर क्या करना है।अमेठी जिला पंचायत अध्यक्ष एवं भाजपा नेता राजेश अग्रहरि की फर्म अग्रहरि मसाला उद्योग ने 19 जून 2023 को मंदिर से 10 किलोमीटर दूर कुढ़ा केशवपुर उपरहार (अयोध्या) में 0.79 हेक्टेयर कृषि भूमि 8.35 करोड़ रुपए में खरीदी। उन्होंने कहा, मैं इस भूमि का उपयोग तीर्थयात्रियों के ठहरने के लिए करूंगा।बीएसपी के पूर्व विधायक जितेंद्र कुमार बबलू भैया के भाई विनोद सिंह ने मंदिर से 8-15 किलोमीटर दूर कोटसराय (अयोध्या) और महेशपुर (गोंडा) में 0.272 हेक्टेयर और 370 वर्ग मीटर जमीन खरीदी। यह जमीन उर्मिला लॉ कॉलेज की ओर से खरीद गई है, जिसके वे मालिक हैं। विनोद और उनकी पत्नी सुनीता ने उर्मिला ग्रामीण शिक्षण संस्थान से 11,970 वर्ग मीटर जमीन ली। कुल खरीद मूल्य 35.59 लाख रुपए थी, जिसमें से 1,560 वर्ग मीटर का एक टुकड़ा विनोद और सुनीता को दान के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। कुमार ने कहा, हम भाई अलग-अलग काम करते हैं। मैंने वहां कोई जमीन नहीं खरीदी है।भाजपा के पूर्व विधायक चंद्र प्रकाश शुक्ला टाइम सिटी मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी के हिस्सेदार हैं। यह तथ्य उन्होंने खुद 2017 के विधानसभा चुनाव के हलफनामे में दर्ज कराया था। शुक्ला ने जून 2020 से दिसंबर 2023 के बीच मंदिर से 6 किलोमीटर दूर माझा जामथारा में 1.34 हेक्टेयर कृषि भूमि और 1,985.6 वर्ग मीटर आवासीय भूमि 1.12 करोड़ रुपए में खरीदी। शुक्ला ने कहा, मैंने 2017 में टाइम सिटी से इस्तीफा दे दिया था और मैं इसके मामलों में सीधे तौर पर शामिल नहीं हूं।सपा के पूर्व एमएलसी राकेश राणा के बेटे ऋषभ ने अप्रैल 2023 में मंदिर से 9 किलोमीटर दूर दुर्गागंज (गोंडा) में 0.42 हेक्टेयर जमीन 25 लाख रुपए में खरीदी थी। एमएलसी बनने के बाद राणा को अनुशासनहीनता के आरोप में पार्टी से निकाल दिया गया था। राणा ने कहा, यह एक छोटा सा प्लॉट है, हमने अभी तक कुछ भी प्लान नहीं किया है। बसपा के पूर्व एमएलसी और अब भाजपा नेता श्याम नारायण सिंह उर्फ विनीत सिंह की बेटी प्रमिला सिंह ने मंदिर से 12 किलोमीटर दूर सरायरासी माझा (अयोध्या) में 2,693.08 वर्ग मीटर आवासीय भूमि सितंबर 2023 में 80 लाख रुपए में खरीदी। सिंह ने टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया।सिर्फ राजनेता और शीर्ष अधिकारी ही नहीं, बल्कि देश भर की कॉर्पोरेट कंपनियां और ट्रस्ट भी अयोध्या में रियल एस्टेट में उछाल का लाभ उठाने के लिए आगे आ रहे हैं। अडाणी समूह से लेकर अभिनंदन लोढ़ा हाउस (एचओएबीएल) तक, आवास से लेकर आतिथ्य तक, कर्नाटक से दिल्ली तक, बड़े खरीदारों की एक स्थिर धारा रही है, जो सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अयोध्या में मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं, जैसा कि जांचे गए भूमि रिकॉर्ड से पता चलता है। रिकॉर्ड से पता चलता है कि कई कंपनियों ने रियल एस्टेट पोर्टफोलियो को संभालने के लिए अलग-अलग सहायक कंपनियों को शामिल किया है, जबकि अन्य ने अधिग्रहण को संभालने के लिए कंपनियों की स्थापना करने से पहले अपने नाम पर जमीन खरीदी है। उनमें से अधिकांश ने बताया कि वे खरीदी गई जमीन पर होटल या आवासीय परियोजनाएं बनाने की योजना बना रहे हैं। रिकॉर्ड के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में अयोध्या और उसके आसपास 1 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की जमीन खरीदने वाली कंपनियां और ट्रस्ट भी शामिल हैं।सरकारी रिकॉर्ड बताते हैं कि जून 2023 और मार्च 2024 के बीच रियल एस्टेट की दिग्गज कंपनी एचओएबीएल ने मंदिर से लगभग 12 किलोमीटर दूर सरयू के तट पर तिहुरा माझा में 17.73 हेक्टेयर कृषि भूमि और 12,693 वर्ग मीटर आवासीय भूमि खरीदी, जहां तटबंध को चार लेन की सड़क में अपग्रेड किया जा रहा है। इसमें बिक्री समझौते में सूचीबद्ध 217 वर्ग मीटर शामिल है। कुल खरीद 74.15 करोड़ रुपए की है। बाद में फर्म ने उसी गांव में लगभग 31.24 करोड़ रुपए में 7.54 हेक्टेयर और जमीन खरीदी। इस तरह एचओएबीएल ने लगभग 105 करोड़ रुपए की जमीनें खरीदीं।एचओएबीएल का स्वामित्व अभिनंदन मंगल प्रभात लोढ़ा के पास है, जो महाराष्ट्र के मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा के पुत्र और दिवंगत गुमानमल लोढ़ा के पोते हैं। गुमानमल लोढ़ा गुवाहाटी उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और भाजपा सांसद थे, जो 1980 के दशक के अंत में राम मंदिर आंदोलन में अग्रणी थे। एचओएबीएल के सीईओ समुज्जवल घोष ने कहा, पांच साल से अधिक के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ, हमने महाराष्ट्र और गोवा जैसे कई राज्यों में अपनी उपस्थिति स्थापित की है, अयोध्याजी में हमारा हालिया विस्तार एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हमारी विस्तार रणनीति राज्य और केंद्र दोनों सरकारों द्वारा चल रहे बुनियादी ढांचे के विकास की पहलों के साथ जटिल रूप से जुड़ी हुई है, जिसमें सांस्कृतिक और पर्यटन स्थलों पर विशेष जोर दिया गया है।अडाणी ग्रुप ने पिछले साल 18 सितंबर को होमक्वेस्ट इंफ्रास्पेस नामक एक सहायक कंपनी बनाई थी। उसने नवंबर और दिसंबर के बीच मंदिर परिसर से लगभग 6 किलोमीटर दूर माझा जामथारा में 1.4 हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि खरीदी। खरीद की कुल कीमत: 3.55 करोड़ रुपए है। कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा कि लेन-देन सभी कानूनों और नियमों के अनुसार किया गया था। कंपनी ने भविष्य के विकास के लिए एक निजी पार्टी से जमीन खरीदी है।तेलंगाना के अयोध्या सरयू इंफ्रा एलएलपी ने दिसंबर 2021 से अक्टूबर 2023 के बीच मंदिर से 9-13 किलोमीटर दूर सरायरासी माझा, रामपुर हलवारा माझा, माझा जमथरा (अयोध्या) और लोलपुर एहतमाली और दुर्गागंज (गोंडा) में 1.78 करोड़ रुपए में कुल 10.43 हेक्टेयर जमीन खरीदी या अनुबंध पर ली। कंपनी का गठन 14 फरवरी 2022 को हैदराबाद में हुआ था। पहले की खरीद तेलंगाना के वारंगल के वेणुगोपाल मुंडाडा के नाम पर थी। रेवेन्यु रिकॉर्ड बताते हैं कि कंपनी का लक्ष्य रियल एस्टेट के क्षेत्र में कारोबार करना है। कंपनी ने टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया।कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु स्थित संस्था व्यक्ति विकास केंद्र ने 7 फरवरी 2022 को प्रयागराज के दयानंद पाठक (मेसर्स वीपीडीपी) और अब्दुल सलाम (अयोध्या) से मंदिर से लगभग 6 किलोमीटर दूर माझा जामथारा में 5.31 हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि खरीदी। रिकॉर्ड बताते हैं कि यह जमीन मूल रूप से 21 अक्टूबर 2021 को केवल 1.26 करोड़ रुपए में समझौते पर ली गई थी। इस समझौते को वीवीके को बिक्री से तीन दिन पहले 4 फरवरी 2022 को बढ़ाया गया था। केंद्र खुद को श्रीश्री रविशंकर के आर्ट ऑफ लिविंग के तत्वावधान में पंजीकृत सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट के रूप में वर्णित करता है। इसने टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया।दिल्ली के गलगोटिया होटल एंड रिसॉर्ट्स की ओर से इसके निदेशक ध्रुव गलगोटिया ने दिसंबर 2023 में मंदिर से करीब 8 किलोमीटर दूर महेशपुर (गोंडा) में 3432.32 वर्ग मीटर आवासीय जमीन 7.57 करोड़ रुपए में खरीदी। होटलों के अलावा, समूह शैक्षणिक संस्थान, रियल एस्टेट व्यवसाय, प्रकाशन और अस्पताल भी चलाता है। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, हम अयोध्या में एक अस्पताल और एक होटल बनाने जा रहे हैं।प्रयागराज की संस्था द इनोवेटर्स डिजिटल एड्स के मालिक मयंक जायसवाल ने अप्रैल से अगस्त 2023 के बीच मंदिर से लगभग 14 किलोमीटर दूर बनवीरपुर में 29,030 वर्ग मीटर आवासीय जमीन 29 करोड़ रुपए में खरीदी। मयंक जायसवाल समाजवादी पार्टी के नेता रहे सालिगराम जायसवाल के पोते हैं। कंपनी को 2005 में बैनर, विज्ञापन, डिजिटल विज्ञापन और विज्ञापन और प्रचार के लिए शामिल किया गया था, उसके बाद रियल एस्टेट में भी काम शुरू किया गया। जायसवाल ने कहा, हमने वहां एक पांच सितारा होटल का निर्माण शुरू कर दिया है।कर्नाटक के सावर्थिया डेवलपर्स के निदेशकों जगदीश सावर्थिया (बेंगलुरु) और राजेंद्र अग्रवाल (जयपुर) ने दिसंबर 2020 और अगस्त 2023 के बीच मंदिर से 7-9 किमी दूर शाहनवाजपुरमाझा (अयोध्या) और इब्राहिमपुर और महेशपुर (गोंडा) में 12.82 हेक्टेयर कृषि, 1,100 वर्ग मीटर आवासीय और 3,638.75 वर्ग मीटर औद्योगिक भूमि (कर्नाटक), 26.64 करोड़ रुपए में खरीदी। अधिकांश खरीद कंपनी और उसके निदेशकों की ओर से की गई। परिवार के सूरजमल लक्ष्मीदेवी सावर्थिया चैरिटेबल ट्रस्ट के लिए भी 3,638.7 वर्ग मीटर औद्योगिक भूमि खरीदी गई। सावर्थिया ने कहा, हम शाहनवाजपुर में एक धर्मशाला की परियोजना चला रहे हैं और सरयू के पार महेशपुर और इब्राहिमपुर गांवों में विला योजनाएं लाने की उम्मीद कर रहे हैं।यूपी की रामकुलम रीजेंसी एलएलपी के मालिक जितेंद्र निगम और उनकी पत्नी कल्पना ने अक्टूबर 2020 से मार्च 2023 के बीच माझा बरहटा और माझा जमथरा में 5.0553 हेक्टेयर कृषि भूमि और कुढ़ा केशवपुर में 2,530 वर्ग मीटर आवासीय भूमि खरीदी, जो मंदिर से 6-10 किलोमीटर दूर है। यह खरीद 7.30 करोड़ रुपए में हुई। जितेंद्र निगम ने दिसंबर 2023 में कुढ़ा केशवपुर की जमीन को अपनी फर्म रामकुलम रीजेंसी को 30,000 रुपए में हस्तांतरित कर दिया। निगम ने कहा, हम कुढ़ा केशवपुर में एक होटल बना रहे हैं। हमारे पास एक पोल्ट्री फार्म भी है। माझा बरहटा की जमीन राज्य सरकार ने अधिग्रहित कर ली है।यूपी की फर्म श्रीरामजयम एस्पायर की ओर से नोएडा के अभिषेक बंसल और गीता कत्याल ने मंदिर से करीब 16 किलोमीटर दूर हरिपुर जलालाबाद में 1.48 हेक्टेयर कृषि और 3,726.9 वर्ग मीटर आवासीय जमीन अगस्त 2023 और जनवरी 2024 के बीच 5.60 करोड़ रुपए में खरीदी। यह इकाई रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज द्वारा रखे गए रिकॉर्ड में शामिल नहीं है और इसके निदेशकों से टिप्पणी के लिए संपर्क नहीं किया जा सका। बंसल ने टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया।राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गुरुग्राम और सैनिक फार्म स्थित त्रिवेणी ट्रस्ट धानुका एग्रीटेक से संबंधित है। इस फर्म ने मंदिर से लगभग 9 किलोमीटर दूर दुर्गागंज (गोंडा) में 2.1 हेक्टेयर कृषि भूमि मई 2023 में 5.91 करोड़ रुपए में खरीदी, जबकि घोषित सर्किल रेट मूल्य 2.73 करोड़ रुपए था। ट्रस्ट को धानुका एग्रीटेक के तहत एक निवेश वाहन के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। इसने टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया।महाराष्ट्र के नागपुर स्थित एबीएमएम माहेश्वरी फाउंडेशन व्यवसायी श्याम सुंदर मदनलाल सोनी द्वारा संचालित है। इस संस्था को दिसंबर 2017 में गैर-लाभकारी संस्था के रूप में शामिल किया गया था। इसने अप्रैल 2023 में राम मंदिर से लगभग 8 किलोमीटर दूर महेशपुर (गोंडा) में 0.344 हेक्टेयर कृषि भूमि खरीदी। इसके अलावा, सोनी, जो दो अन्य फर्म चलाते हैं, ने जुलाई 2023 में उसी गांव में अपने नाम पर 71.50 लाख रुपए में 0.061 हेक्टेयर जमीन खरीदी। सोनी ने कहा, सारी जमीन ट्रस्ट के लिए है, किसी व्यक्ति के लिए कुछ भी नहीं है। हम अपने समाज के लिए एक इमारत बनाने जा रहे हैं।यूपी का भारद्वाज ग्लोबल इंफ्रावेंचर्स वर्ष 2018 में निगमित हुआ। चार भाइयों द्वारा संचालित लखनऊ स्थित इस फर्म ने दिसंबर 2022 और फरवरी 2023 के बीच मंदिर से लगभग 13 किलोमीटर दूर लोलपुर एहतमाली (गोंडा) में 0.97 हेक्टेयर कृषि भूमि और 8,742.32 वर्ग मीटर आवासीय भूमि खरीदी। कंपनी के निदेशकों में से एक रामेंद्र प्रताप सिंह ने कहा, हमने दो होटल ब्रांडों के लिए एक प्रमुख समूह के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसे हम बनाएंगे। हम 2027 तक दोनों परियोजनाओं को पूरा कर लेंगे। यूपी के ही अवध सिटी डेवलपर्स ने दिसंबर 2021 से सितंबर 2023 के बीच मंदिर से करीब 13 किलोमीटर दूर लोलपुर एहतमाली और इब्राहिमपुर (गोंडा) में 2.76 हेक्टेयर और 810 वर्ग मीटर जमीन खरीदी। इनमें से 1.011 हेक्टेयर जमीन मंदिर के केयरटेकर मंदिर राम जानकी सर्वाराकर से 14 सितंबर 2023 को 1.15 करोड़ रुपए में खरीदी गई। ग्यारह दिन बाद डेवलपर्स ने जमीन 1.30 करोड़ रुपए में बेच दी। फर्म को अप्रैल 2022 में शामिल किया गया था और पिछली खरीद इसके निदेशकों के नाम पर थी। इसने टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया।छत्तीसगढ़ के जाखोदिया मिनरल प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक जय किशन जाखोदिया रायपुर में रहने वाले उद्योगपति हैं। जाखोदिया छत्तीसगढ़ की राजधानी और ओड़ीशा के राउरकेला में कंपनियां चलाते हैं। मार्च 2022 से अक्टूबर 2023 के बीच जाखोदिया ने मंदिर से 6 किलोमीटर दूर माझा जामथारा में 4.55 हेक्टेयर कृषि भूमि 2.68 करोड़ रुपए में खरीदी। जाखोदिया ने इन खरीदों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।यूपी के अवध एंटरप्राइजेज के मालिकों में से एक अयोध्या में भाजपा मंडल उपाध्यक्ष रमाकांत पांडेय हैं। कंपनी ने 2022 में मंदिर से लगभग 7 किलोमीटर दूर बरहटा माझा में महर्षि रामायण विद्यापीठ ट्रस्ट से 1.83 हेक्टेयर जमीन खरीदी है। पांडेय ने कहा, इसमें से अधिकांश जमीन राज्य सरकार ने अधिग्रहित की है। मैंने ट्रस्ट से बाजार दर पर जमीन खरीदी और मुझे सर्किल रेट पर भुगतान किया गया, जिसे कई सालों से संशोधित नहीं किया गया है।

आतंकवाद की ...

और इसे रूस ही खत्म कर सकता है।अमेरिका की यह टिप्पणी पीएम मोदी के रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत में यूक्रेन-रूस संघर्ष को उठाने के बाद आई है। पीएम मोदी ने मंगलवार 9 जुलाई को राष्ट्रपति पुतिन के साथ आधिकारिक बातचीत में कहा था कि दोनों देशों के विवाद का समाधान युद्धभूमि पर नहीं निकलने वाला है। उन्होंने कहा था कि बम, बंदूकों और गोलीबारी के बीच बातचीत नहीं हो सकती है। पीएम मोदी ने कहा था कि भारत शांति बहाली के लिए हर सहयोग देने को तैयार है। भारत स्वयं भी शांति के पक्ष में है और विश्व समुदाय को यह बात जाननी चाहिए। पीएम मोदी ने इस दौरान यह भी कहा था कि राष्ट्रपति पुतिन का शांति के विषय में बात करना उन्हें आशान्वित कर रहा है।राष्ट्रपति पुतिन ने भी इस दौरान पीएम मोदी के शांति प्रयासों की सराहना की थी। पुतिन ने भारत और रूस के मजबूत रिश्तों पर भी बात की थी। इस रिश्ते के कारण ही राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पीएम मोदी को रूस का सर्वोच्च सम्मान दिया।

प्रधानमंत्री मोदी रूस की यात्रा पूरी करने के बाद मंगलवार को ऑस्ट्रिया पहुंचे। ऑस्ट्रिया के विदेश मंत्री एलेक्जेंडर शालेनबर्ग ने पीएम मोदी का एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत किया। एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी होटल रिट्ज-कार्लटन पहुंचे। वहां ऑस्ट्रियाई कलाकारों ने उनका स्वागत करते हुए वंदे मातरम गाया। पीएम मोदी के सामने वंदे मातरम गाने वाले कलाकारों ने अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने इसे एक अभूतपूर्व अनुभव और एक बड़ा सम्मान बताया। पीएम मोदी ने बाद में ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमार से भी मुलाकात की। चांसलर ने मोदी की मुलाकात को ऐतिहासिक बताया और उनके साथ सेल्फी ली।बुधवार को पीएम मोदी ने ऑस्ट्रिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वैन डेर बेलेन के साथ बैठक की। इसके बाद ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर के साथ संयुक्त वार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान पीएम मोदी ने आतंकवाद की कड़ी निंदा की और आपसी सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। ऑस्ट्रिया में संयुक्त वार्ता को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रिया, आतंकवाद की कठोर निंदा करते हैं और इसे किसी भी रूप में स्वीकार नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि आतंकवाद, किसी भी तरह से न्यायसंगत नहीं ठहराया जा सकता। पीएम मोदी ने कहा, भारत और ऑस्ट्रिया, आतंकवाद की कठोर निंदा करते हैं। हम सहमत हैं कि इसे किसी भी रूप में स्वीकार नहीं जाएगा। आतंकवाद को किसी भी तरह से न्यायसंगत नहीं हो सकता। हम संयुक्त राष्ट्र संघ और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में बदलाव के लिए सहमत हैं, ताकि उन्हें मजबूत बनाया जाए। मैंने और चांसलर नेहमर ने विश्व में चल रहे विवादों, चाहे यूक्रेन में संघर्ष हो या पश्चिम एशिया की स्थिति हो, सभी पर हमने विस्तार से बात की। मैंने पहले भी कहा है कि यह युद्ध का समय नहीं है। समस्याओं का समाधान रणभूमि में नहीं हो सकता। कहीं भी हो, मासूम बच्चों की मौत स्वीकार्य नहीं है। हम शांति और स्थिरता की जल्द से जल्द बहाली के लिए वार्ता और कूटनीति पर जोर देते हैं। इसके लिए हम दोनों मिलकर हर संभव सहयोग देने के लिए तैयार हैं।पीएम मोदी ने कहा, मुझे खुशी है कि मेरे तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही मुझे ऑस्ट्रिया आने का मौका मिला। मेरी यह यात्रा ऐतिहासिक और विशेष है। 41 वर्ष के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने ऑस्ट्रिया का दौरा है। यह भी सुखद संयोग है कि यह यात्रा उस समय हो रही है, जब हमारे आपसी संबंधों के 75 वर्ष पूरे हुए हैं। लोकतंत्र और कानून के शासन जैसे मूल्यों में आपसी विश्वास हमारे संबंधों की नींव हैं। आपसी विश्वास से हमारे रिश्तों को बल मिलता है। आज मेरे और चांसलर नेहमर के बीच बहुत सार्थक बातचीत हुई। हमने आपसी सहयोग को और मजबूत करने के लिए नई संभावनाओं की पहचान की है। हमने फैसला लिया कि संबंधों को रणनीतिक दिशा प्रदान की जाएगी।पीएम मोदी ने कहा, आने वाले दशक के लिए सहयोग का खाका तैयार किया है। यह केवल आर्थिक सहयोग और निवेश तक सीमित नहीं है। ढांचागत विकास, नवाचार, नवीकरणीय ऊर्जा, हाइड्रोजन, जल एवं अपशिष्ट प्रबंधन और क्वांटम जैसे क्षेत्रों में एक दूसरे के सामर्थ्य को जोड़ने का काम किया जाएगा। दोनों देशों की युवा शक्ति और विचारों को जोड़ने के लिए स्टार्टअप को गति दी जाएगी। गतिशीलता और प्रवासन के मामले में साझेदारी पर पहले ही समझौता हुआ है। कानूनी प्रवासन और कुशल कार्यबल को आगे बढ़ाने में सहयोग दिया जाएगा। आज मानवता के सामने मौसम में बदलाव और आतंकवाद जैसी चुनौतियों पर भी हमने विचार साझा किए। क्लामेट के संबंध में अंतरराष्ट्रीय सोलर साझेदारी, बायोफ्यूल साझेदारी जैसी पहलों से जुड़ने के लिए हम ऑस्ट्रिया को आमंत्रित करते हैं।पीएम मोदी के स्वागत में वंदे मातरम गाने वाले ऑस्ट्रियाई कलाकार इब्राहिम ने इस खास मौके पर अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा, पिछले कुछ दिनों से ऑर्केस्ट्रा इस प्रदर्शन की तैयारी कर रहा था। यह ऑस्ट्रिया और ऑस्क्रेट्रा के लिए सम्मान की बात है। इब्राहिम ने कहा, यह एक अभूतपूर्व अनुभव और हमारे लिए एक बड़ा सम्मान था। मैंने काफी तैयारी की थी। पिछले कुछ दिनों से हम आर्केस्ट्रा के साथ तैयारी कर रहे थे। घर पर भी, दरअसल, मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ देना था। यह ऑस्ट्रिया के लिए, हमारे लिए और ऑर्केस्ट्रा के लिए बड़ा अवसर था। पीएम मोदी के साथ बातचीत पर उन्होंने कहा, यह अद्भुत था। आप देख सकते हैं कि उन्हें वास्तव में लोगों की फिक्र है। मैंने उस भावना को महसूस किया। ऑर्केस्ट्रा का नेतृत्व करने वाले विजय उपाध्याय ने बताया कि वह उत्तर प्रदेश के लखनऊ के रहने वाले हैं। उन्होंने कहा कि इस आर्केस्ट्रा में कुल 50 लोग शामिल थे। विजय उपाध्याय ने कहा, मैं ऑस्ट्रिया के इस कॉलेज में आया और अब मैं वियना यूनिवर्सिटी के संगीत विभाग का निर्देशन करता हूं। ऑस्ट्रियाई कलाकार एंटोनिया ने भी पीएम मोदी मिलने के बाद अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के सामने प्रदर्शन करना एक बड़ा अनुभव है। एंटोनिया ने कहा कि वह इससे पहले किसी भी बड़ी हस्ती के सामने प्रदर्शन नहीं की थी।

विश्व मीडिया में ...

चाइना फॉरेन अफेयर्स यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर ली हैदोंग ने ग्लोबल टाइम्स से कहा कि मोदी की रूस यात्रा प्रमुख शक्तियों के बीच विदेश नीति के संतुलन को दिखाती है।अमेरिकी मीडिया ने पीएम मोदी की मॉस्को यात्रा को नाटो देशों की बैठक के खिलाफ बताया है। दरअसल, सोमवार को पहले नाटो शिखर सम्मेलन की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन के लिए 38 विभिन्न देशों के नेता वाशिंगटन में एकत्र हुए थे। इस दौरान लगातार यूक्रेन को समर्थन देने पर चर्चा हुई थी। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया कि पश्चिमी सरकारें भारत और दुनिया भर की कई अन्य सरकारों को पुतिन के युद्ध के खिलाफ सार्वजनिक रुख अपनाने के लिए राजी करने में असफल रही हैं। मोदी ने रूस के आक्रमण की निंदा करने से परहेज किया और इसके बजाय शांति के लिए सामान्य आह्वान किए। उसने मॉस्को के साथ मधुर संबंधों को बनाए रखा, जो शीत युद्ध के दिनों से ही कायम हैं।वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में कहा गया कि पीएम मोदी ने सरेआम जंग का मसला उठाया। इसमें कहा गया कि रूस द्वारा कीव में बच्चों के एक अस्पताल सहित कई जगहों पर हमले शुरू करने के कुछ घंटों बाद भारतीय पीएम मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को गले लगाते हुए तस्वीरें साझा कीं। बाद में क्रेमलिन ने रूसी नेता के घर के गोल्फ कार्ट में मौजूद दोनों नेताओं की तस्वीरें साझा कीं। अगले दिन, मोदी ने निजी वार्ता से पहले टेलीविजन पर दिए गए अपने बयान में हमले को लेकर पुतिन की सार्वजनिक रूप से आलोचना की और कहा कि जब निर्दोष बच्चों को मारा जाता है, जब हम निर्दोष बच्चों को मरते हुए देखते हैं, तो यह दिल दहला देने वाला होता है।रूस के न्यूज चैनल आरटी ने एक रिपोर्ट में कहा कि साल 2022 में यूक्रेन संघर्ष बढ़ने के बाद पश्चिमी साझेदारों की खुली आलोचना के बावजूद भारत ने साहसपूर्वक रूस से कच्चे तेल की खरीद जारी रखी। इस कदम ने दोनों देशों के द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में द्विपक्षीय व्यापार 65.70 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है। इसका मुख्य कारण भारत से निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तुओं में फार्मास्यूटिकल्स, ऑर्गेनिक केमिकल्स, इलेक्ट्रिकल मशीनरी और मैकेनिकल उपकरण, लोहा और इस्पात शामिल हैं, जबकि रूस से आयात की जाने वाली प्रमुख वस्तुओं में तेल और पेट्रोलियम उत्पाद, उर्वरक, खनिज संसाधन, कीमती पत्थर और धातु, वनस्पति तेल आदि शामिल हैं।रिपोर्ट में कहा गया, यह पिछले वर्ष की तुलना में 33 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है, जो भारत-रूस साझेदारी की लचीलापन और ताकत को दर्शाता है। यह दोनों नेताओं द्वारा 2025 तक द्विपक्षीय व्यापार में हासिल किए जाने वाले 30 अरब डॉलर के लक्ष्य से भी दोगुना है। प्रधानमंत्री मोदी की मॉस्को यात्रा रूस के साथ अपने बहुआयामी संबंधों को बढ़ाने के लिए भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को दिखाती है। चूंकि दोनों देश कठिन चुनौतियों से निपट रहे हैं, इसलिए मास्को वार्ता सभी रणनीतिक क्षेत्रों में गहन सहयोग के लिए एक मार्ग बनाने के लिए तैयार है, जो दोनों देशों के बीच साझेदारी की स्थायी ताकत की पुष्टि करती है।ब्रिटेन के अखबार द गार्डियन ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूसी यात्रा पर बात की। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत-रूस के बीच संबंध बहुत गहरे हैं, जो शीत युद्ध के समय से चले आ रहे हैं। रूस लंबे समय से भारत को हथियारों का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता रहा है। 2014 में चुने जाने के बाद से मोदी ने पुतिन के साथ काफी तालमेल बनाया है। दोनों नेताओं के बीच 20 से अधिक मुलाकातें हो चुकी हैं। हालांकि, फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमला करने के रूसी राष्ट्रपति के फैसले ने भारत और मॉस्को के संबंधों पर कई बार आश्चर्यजनक रूप से दबाव डाला। भारत को पुतिन और पश्चिम दोनों के साथ अपने संबंधों को संतुलित करने के लिए एक मुश्किल रास्ते पर चलने के लिए मजबूर होना पड़ा।

मोदी-पुतिन की ...

चीन की मीडिया ने भी रूसी यात्रा पर लगातार नजर रखी। उसने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के गले मिलने की एक तस्वीर को लेकर सवाल खड़ा किया है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की एक रिपोर्ट में कहा गया, शक्ति कूटनीति के खेल में शब्दों की तुलना में अक्सर आपके शारीरिक हावभाव अधिक खुलासा करते हैं। बीजिंग, नई दिल्ली और मॉस्को के नेताओं के मिलने की दो तस्वीरों ने उनके त्रिपक्षीय संबंधों की स्थिति को प्रभावी ढंग से व्यक्त किया है। रिपोर्ट में कहा गया, जहां पीएम मोदी गर्मजोशी और गले मिलने की कूटनीति के लिए प्रसिद्ध हैं। वहीं, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति पुतिन को हाथ मिलाने के लिए ज्यादा जाना जाता है। शायद यही कारण है कि ये तस्वीरें अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आ गई हैं। इससे यूक्रेन के खिलाफ पुतिन की आक्रामक नीति को संभव बनाने में बीजिंग और नई दिल्ली की भूमिका की जांच करने के लिए वाशिंगटन और उसके सहयोगी देशों को प्रेरित किया है।इसमें यह भी कहा गया, अमेरिका में नाटो शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर यह चर्चा हो रही थी कि यूक्रेन की युद्ध जीतने में कैसे मदद की जाए। वहीं दूसरी ओर, उसी समय मोदी मॉस्को में मौजूद थे। ऐसे में भारतीय पीएम का वहां होना निस्संदेह पुतिन के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन था। यह दिखाता है कि व्हाइट हाउस के बढ़ते दबाव को नजरअंदाज कर मोदी का भारत, अमेरिका और रूस के बीच किसी एक का पक्ष नहीं ले रहा है।

किस धर्म के ...

लगभग 5 करोड़ हिंदुओं की या तो हत्या कर दी गई अथवा इस्लाम में कन्वर्जन कर दिया गया, या वे जैसे-तैसे जान बचाकर भाग गए। ऐसी ही कहानी पाकिस्तान की है, इसे कौन नहीं जानता? क्या राहुल गांधी इस बात का उत्तर दे सकेंगे कि पाकिस्तान और बांग्लादेश में रहने वाले करोड़ों हिंदुओं को अपनी मौत अथवा कन्वर्जन में से एक को चुनने का रास्ता किसने दिखाया? 1922 का मोपला नरसंहार हो अथवा कश्मीर घाटी में हिंदुओं का नरसंहार, जिनमें हजारों हिंदुओं की हत्या, लूट, बलात्कार और अपहरण की घटनाएं घटी थीं तब हिंसक कौन था? देश पूछ रहा है, इन अक्ल के अंधों से कि यह उन्हें नहीं दिखता कि सिर तन से जुदा करने का नारा कौन लगाता है? इस नफरती भाषण के बीच जब प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें टोकते हुए चेतावनी दी तो खिसियाए हुए राहुल गांधी ने अपनी बात पर लीपापोती करते हुए आरोपों की सुई भाजपा और आरएसएस की ओर घुमा दी और उनको कट्टर हिंदू बताते हुए हिंदुत्व के सॉफ्ट-हार्ड विभाजन वाला घटिया खेल खेलने की कोशिश की। हिंदुत्व विरोधी जब ऐसे अवसरों पर सॉफ्ट हिंदुत्व की बात करे तो इसके पीछे एक गहरा षड्यंत्र निहित होता है जिसे समझना बहुत आवश्यक है।इनके इस सॉफ्ट हिंदुत्व का मतलब है ऐसा दुर्बल और दयनीय हिंदू जो न कन्वर्जन का विरोध करता हो, न अपनी परंपराओं पर होने वाले आक्रमणों का दृढ़ता से सामना करता हो। ऐसा दब्बू और डरपोक हिंदू जो विधर्मियों द्वारा होने वाले अत्याचारों को चुपचाप सहता रहे, जो निज धर्म और निज संस्कृति को नष्ट होता देखकर भी गूंगा बना रहे। जो अपने परिश्रम की गाढ़ी कमाई पर भी पहला हक किसी परजीवी समुदाय को दिए जाने के इरादों को शीश झुकाकर स्वीकार कर ले, इन्हें ऐसा ही हिंदू चाहिए। वही इनका सॉफ्ट हिंदू है जिसकी यह वकालत करते हैं।किंतु अपने धर्म, संस्कृति और राष्ट्र के बचाव में आगे आने वाला, आततायियों से संघर्ष करने वाला साहसी और संगठित हिंदू इन्हें हिंसक लगता है। सीमा पार के आतंकवादियों, अर्बन नक्सलियों एवं चीन के कुटिल षड्यंत्रों के विरोध में उठ खड़ा होने वाला हिंदू इनको नफरती लगता है। संसद में राहुल गांधी ने जो कुछ भी कहा, वस्तुतः यह नेहरू के वंशजों का मूलचरित्र रहा है कि भारत के भीतर ही नहीं, बाहर भी भारत को कमजोर करने वाली शक्तियों से उसकी मित्रता रही है। नेहरू का चीन और पाकिस्तान के प्रति झुकाव जगजाहिर था। रॉ के अधिकारी रहे अमर भूषण की पुस्तक इनसाइड नेपाल के अनुसार राहुल गांधी के पिता राजीव गांधी ने भी नेपाल में हिंदू राजशाही को अपदस्थ कर चीन समर्थक वामपंथियों को सत्ता दिलाने में सहयोग किया था। आखिर हिंदू द्रोह जिनके डीएनए में हो, उनसे और क्या अपेक्षा की जा सकती है?

मुस्लिम महिलाओं...

मुस्लिम महिला गुजारा भत्ता के लिए कानूनी अधिकार का इस्तेमाल कर सकती हैं। मुस्लिम महिलाओं को कई मामलों में गुजारा भत्ता नहीं मिल पाता है। अगर मिलता भी है तो वह इद्दत की अवधि तक ही मिलता है। अगर किसी महिला को उसका पति तलाक दे देता है या उसकी मौत हो जाती है तो महिला इद्दत की अवधि तक दूसरी शादी नहीं कर सकती। यह समय सीमा मात्र 3 महीने की होती है।तेलंगाना के रहने वाले अब्दुल समद ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी। उसने दलील दी थी कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला सीआरपीसी की धारा 125 के तहत याचिका दायर करने की हकदार नहीं है। अर्जी में कहा गया कि मुस्लिम महिलाओं को मुस्लिम महिला अधिनियम-1986 अधिनियम के प्रावधानों के तहत ही चलना होगा। सीआरपीसी की धारा 125 के तहत कोई भी महिला अपनी संतान और माता-पिता के भरण-पोषण के लिए पति से गुजारा भत्ते की मांग कर सकती है। अगर महिला के पास उसकी आजीविका का कोई साधन न हो सभी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

चीनी जालसाजों की...

गुलाम बनाए गए लोगों में ज्यादातर तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बताए जा रहे हैं। अधिकतर लोगों को नौकरी दिलाने का झांसा देकर बुलाया गया था। तेलंगाना के रहने वाले इंजीनियर मुंशी प्रकाश ने जेटी हैदराबाद में नौकरी करते हुए इंटरनेट पर अपना बायोडाटा अपलोड किया था। इस बायोडाटा पर कम्बोडिया से विजय नाम के व्यक्ति ने मुंशी प्रकाश को कॉल कर के ऑस्ट्रेलिया में नौकरी का ऑफर दिया था। ट्रेवल हिस्ट्री बनाने के लिए मुंशी प्रकाश को पहले मलेशिया का टिकट दिया गया। 12 मार्च 2024 को मुंशी प्रकाश मलेशिया की राजधानी क्वालालम्पुर पहुंचे। यहां से उन्हें विजय का एक स्थानीय एजेंट मिला जिसने मुंशी प्रकाश से 85,000 रुपए ले लिए। इसी दौरान एक चीनी व्यक्ति ने मुंशी प्रकाश का पासपोर्ट ले लिया। वह मुंशी प्रकाश को कम्बोडिया के क्रांग बावेत ले गया। वहां मुंशी प्रकाश को एक टावर में ले जाया गया जहां कई अन्य भारतीय पहले से मौजूद थे। इस टावर में मुंशी प्रकाश को 10 दिनों तक फेसबुक पर लड़कियों की फर्जी आईडी बनाने की ट्रेनिंग दी गई।मुंशी प्रकाश ने बताया कि फेसबुक की यह फर्जी आईडी तमिल और तेलगु सहित कई अन्य भाषाओं में बनवाई जा रही थी। काम के बाद पीड़ित को एक अंधेरे कमरे में बंद रखा जाता था। इनकार करने पर उसकी बेरहमी से पिटाई की जाती थी और खाना-पीना भी ठीक से नहीं दिया जाता था। फोटो आदि खींचने पर भी पाबंदी लगा दी गई थी। एक दिन मौका पाकर मुंशी प्रकाश ने अपनी बहन को ईमेल कर के सारी समस्या बताई। तब मुंशी प्रकाश की बहन ने तेलंगाना प्रशासन को इस मामले से अवगत कराया था।स्थानीय स्तर पर समस्या का हल न निकलने पर मुंशी प्रकाश के परिजनों ने भारतीय दूतावास से मदद की गुहार लगाई। दूतावास की पहल पर कम्बोडिया की पुलिस एक्टिव हुई और मुंशी प्रकाश को बरामद कर लिया। इस बीच चीनी गिरोह ने मुंशी प्रकाश के खिलाफ तहरीर दे कर उसे गिरफ्तार करवा दिया। इस वजह से पीड़ित को 12 दिनों तक जेल काटनी पड़ी थी। अंत में 9 अन्य भारतीयों के साथ मुंशी प्रकाश 5 जुलाई 2024 को कम्बोडिया से भारत वापस भेज दिए गए। भारत आकर मुंशी प्रकाश ने बताया कि उनकी ही तरह लगभग 3000 भारतीय कम्बोडिया में चीनी जालसाजों की वजह से फंसे हुए हैं।मुंशी प्रकाश का दावा है कि 3000 बंधकों में कई महिलाएं भी शामिल हैं। इन महिलाओं से हनीट्रैप का काम करवाया जा रहा है। लड़कियों को नग्न होकर वीडियो कॉल करने पर मजबूर किया जाता है। मुंशी ने बताया कि उन्हें कम्बोडिया में चीनी जालसाजों के जाल में फंसे केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, मुंबई और दिल्ली के लोग मिले। इन सभी को विदेश में नौकरी का झांसा दे कर कम्बोडिया बुलाया गया था। जालसाजी से जुटाया गया पैसा पहले क्रिप्टो करेंसी में बदला जाता है। बाद में इसे अमेरिकी डॉलर और अंत में चीनी मुद्रा युवान में बदलवा लिया जाता है।

भाजपा छोड़ो...

धमकी भरा एक पत्र भाजपा के प्रदेश संगठन महासचिव श्रीनिवासुलु और पूर्व भाजपा अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य श्वेत मलिक के नाम का भी मिला।पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने डीजीपी गौरव यादव से बातचीत कर मामले की जांच करने और आवश्यक सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है। यह पत्र चंडीगढ़ स्थित कार्यालय में पहुंचा है, ऐसे में सेक्टर-39 के एसएचओ ने कहा कि इस मामले में जांच शुरू कर दी है। इसमें मुख्य रूप से आरोपी ने भाजपा नेता परमिंदर सिंह बराड़ और तेजिंदर सरां को लिखा है कि उसने पहले भी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए चेतावनी दी थी कि आप लोगों ने अपने सिर पगड़ी में बांध रखी है। आप भाजपा और आरएसएस के साथ मिलकर सिखों और पंजाब के लोगों को धोखा दे रहे हैं। आप आरएसएस के साथ सिख मामलों में दखल दे रहे हैं, हमने आपको पहले भी चेतावनी दी थी। आप या तो भाजपा छोड़ दें या हम आपको इस दुनिया से उठा देंगे।इस पत्र में अज्ञात ने चारों नेताओं को भाजपा छोड़ने की धमकी दी है। अगर ये नेता भाजपा छोड़ सिख समुदाय के हितों को लेकर अन्य रास्ता नहीं अपनाते हैं तो इसके परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहने के लिए कहा गया है। आरोपी ने खालिस्तान और पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लिखे हैं। धमकी भरा लेटर मिलने के बाद भाजपा नेताओं ने इस बारे में चंडीगढ़ पुलिस को शिकायत दी है। इसके बाद पुलिस ने पत्र में मिली सामग्री को जांच के लिए भेज दिया है। चंडीगढ़ के भाजपा नेता और नगर निगम में सीनियर डिप्टी मेयर कुलजीत सिंह संधू को भी पिछले दिनों कुछ धमकियां मिली थी। इस तरह की गतिविधियों ने पंजाब की कानून-व्यवस्था की पोल खोल दी है।

आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस पर बैन पांच साल और बढ़ा

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) पर लगाए गए प्रतिबंध को अगले पांच साल के लिए बढ़ा दिया है। यह निर्णय संगठन की देश विरोधी गतिविधियों के चलते लिया गया है। एसएफजे पर पहली बार 2019 में प्रतिबंध लगाया गया था।गृह मंत्रालय के अनुसार, एसएफजे पंजाब और देश के अन्य हिस्सों में चरमपंथ और आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा है। संगठन का मुख्य उद्देश्य भारत से अलग होकर खालिस्तान नामक एक अलग राज्य की स्थापना करना है। मंत्रालय ने एसएफजे पर अलगाववादी तत्वों को समर्थन और सहायता प्रदान करने का भी आरोप लगाया है।एसएफजे पर पहले से ही आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त होने और देश की अखंडता और संप्रभुता को खतरे में डालने के आरोप लगे हुए हैं। संगठन की गतिविधियों पर नजर रखने और इन्हें रोकने के लिए यह प्रतिबंध लगाया गया है। इस प्रतिबंध को बढ़ाने का निर्णय गृह मंत्रालय ने व्यापक जांच और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों की रिपोर्टों के आधार पर लिया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि भारत की सुरक्षा और अखंडता को किसी भी प्रकार का खतरा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और देश विरोधी गतिविधियों में संलिप्त संगठनों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।गृह मंत्रालय के इस निर्णय का मकसद राष्ट्रीय सुरक्षा को सुनिश्चित करना और देश में शांति और सद्भावना को बनाए रखना है। एसएफजे पर प्रतिबंध के बाद, सरकार उम्मीद करती है कि संगठन की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगेगा और देश के नागरिकों की सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सकेगा।

पहली बार...

इससे पहले पापुआ न्यूगिनी ने उन्हें ग्रैंड कम्पैनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहू (जीसीएल) प्रदान किया। यह पुरस्कार प्राप्त करने वालों को चीफ की उपाधि दी जाती है। फिजी ने सर्वोच्च सम्मान द कम्पेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी (सीएफ) से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे भारत के लोगों और फिजी में रह रहे भारतीय समुदाय को समर्पित किया था।भूटान यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भूटान के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्यालपो से सम्मानित किया गया। यह सम्मान इससे पहले किसी और देश के शासनाध्यक्ष को नहीं दिया गया था। भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया था। अगस्त 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ने द ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ ऑनर से सम्मानित किया ।

जुलाई 2023 में फ्रांस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने देश का सर्वोच्च सम्मान प्रदान किया। फ्रांस ने पीएम मोदी को ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर से सम्मानित किया है। मिस्र ने प्रधानमंत्री मोदी को अपने देश का सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ द नाइल प्रदान किया था। मिस्र में यह सम्मान उन्हें प्रदान किया जाता है जिन्होंने मिस्र के लिए या मानवता के लिए अपनी अमूल्य सेवाएं दी हों।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिए जाने पर खुशी जताते हुए इसे 140 करोड़ भारतवासियों का सम्मान करार दिया है। सीएम योगी ने कहा, हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को रूसी संघ द्वारा दिया गया सर्वोच्च नागरिक सम्मान, ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल, 140 करोड़ भारतवासियों का सम्मान है। यह पुरस्कार दोनों देशों के बीच एक-दूसरे के प्रति गहन सम्मान को दर्शाता है और साथ ही रूस और भारत के बीच वर्षों की मित्रता को बनाए रखने में उनके महत्वपूर्ण योगदान को दर्शाता है। इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर प्रधानमंत्री जी को बधाई। आपके नेतृत्व में, भारत बढ़ता रहेगा और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अद्वितीय सफलता प्राप्त करेगा।उल्लेखनीय है कि 2019 में रूस ने पीएम मोदी को यह सम्मान देने का ऐलान किया था। इस पुरस्कार की अहमियत का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि यह पुरस्कार 326 साल पुराना है। 1698 में जार पीटर द ग्रेट ने रूस के संरक्षक संत सेंट एंड्रयू के सम्मान में ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल को शुरू किया था।

नवरात्र का पांचवां दिन मां छिन्नमस्ता को समर्पित

गुप्त नवरात्र के पांचवें दिन मां छिन्नमस्ता की पूजा की जाती है। 10 महाविद्याओं में मां छिन्नमस्ता का 5वां स्थान है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, मां छिन्नमस्ता व्यक्ति की सभी चिंताओं को दूर कर उसकी मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं। इनकी पूजा करने से व्यक्ति को अकाल मृत्यु का डर नहीं सताता है।

देवी छिन्नमस्ता की उत्पत्ति

पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक बार मां भगवती अपनी सखियों के साथ मंदाकिनी नदी में स्नान-ध्यान कर रही थीं। उसी समय माता की सहेलियां को बहुत भूख लगने लगी। भूख की पीड़ा के कारण दोनों साथियों के चेहरे पीले पड़ गए। चूंकि, उन दोनों को खाने के लिए कुछ नहीं मिला, इसलिए उन्होंने माता से भोजन उपलब्ध कराने के लिए कहा। अपनी सखियों की विनती सुनकर माता ने कहा- हे सखियों! कृपया थोड़ा धैर्य रखें। स्नान के बाद ही खाना बनेगा।

हालांकि, दोनों सखियों ने भोजन की तत्काल व्यवस्था करने का अनुरोध किया। मां भगवती ने तुरंत अपनी तलवार निकाली और अपना सिर काट लिया। तुरंत ही मां भगवती का कटा हुआ सिर उनके बाएं हाथ में आ गिरा। इससे रक्त की तीन धाराएं निकल पड़ीं।

सखियों ने दो धाराओं से भोजन करना शुरू कर दिया। माता स्वयं तीसरी धारा से रक्त पान करने लगीं। उसी समय मां छिन्नमस्तिका का प्रादुर्भाव हुआ।

जानिए कैसे हुई देवी की उत्पत्ति

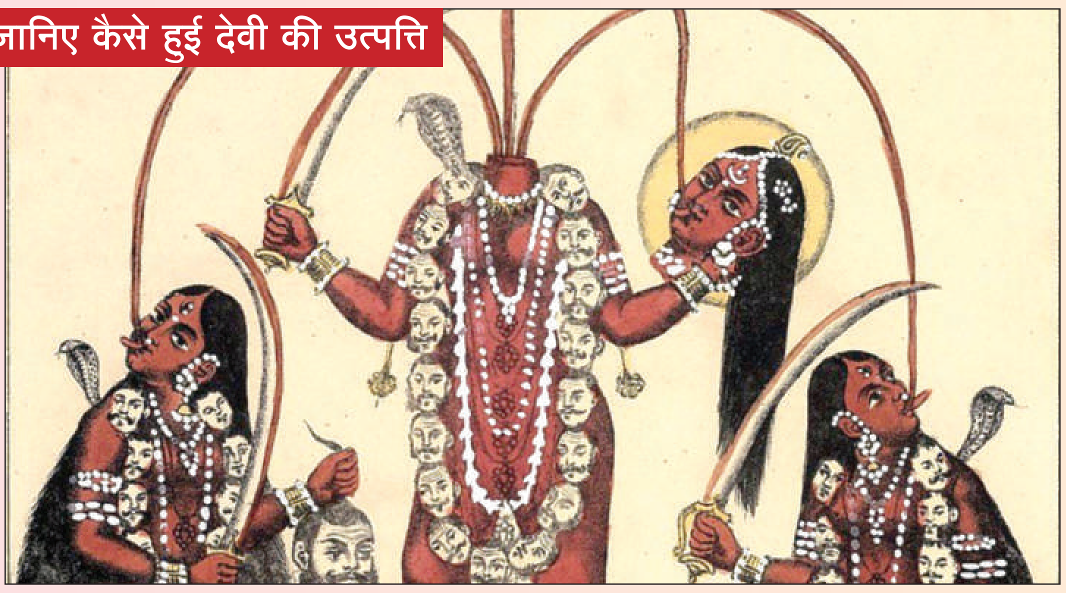

मां छिन्नमस्ता का महत्व

* देवी छिन्नमस्ता को भगवती त्रिपुर सुंदरी का उग्र रूप माना जाता है।
* तंत्र-मंत्र सीखने वाले साधकों के लिए गुप्त नवरात्र का विशेष महत्व होता है।
* मां को चिंतपूर्णी भी कहा जाता है। इसका अर्थ यह है कि मां चिंताएं दूर कर देती हैं।
* जो भक्त सच्ची आस्था और भक्ति के साथ मां के दरबार में आते हैं, उनकी मनोकामनाएं अवश्य पूरी होती हैं।
* शिव पुराण में उल्लेखित है कि देवी छिन्नमस्ता ने राक्षसों का वध करके देवताओं को उनसे मुक्त कराया था।

13 को मनाई जाएगी गुप्त नवरात्रि की अष्टमी, ऐसे करें मां दुर्गा को प्रसन्न

इन दिनों गुप्त नवरात्रि चल रही है। इस दौरान मां दुर्गा के पूजन का विशेष महत्व है, साथ ही साधक सिद्धि पाने के लिए व्रत रखते हैं। इससे मां दुर्गा की विशेष कृपा प्राप्त होती है। साथ ही भक्तों की सभी मनोकामनाएं भी पूर्ण होती है। गुप्त नवरात्रि में मां दुर्गा की विशेष पूजा की जाती है। इससे न सिर्फ शुभ फलों की प्राप्ति होती है, बल्कि भक्तों पर आने वाले संकट भी टल जाते हैं और उनके यश और सम्मान में वृद्धि होती है। यहां आपको गुप्त नवरात्रि की अष्टमी तिथि का शुभ मुहूर्त और पूजा विधि बताते हैं।

अष्टमी शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, गुप्त नवरात्रि की अष्टमी तिथि की शुरुआत 13 जुलाई को दोपहर 3 बजकर 5 मिनट पर होगी और अगले दिन शाम 5 बजकर 52 मिनट पर इसका समापन होगी। उदयाकाल के अनुसार अष्टमी तिथि 14 जुलाई को ही मनाई जाएगी।

ऐसे करें मां दुर्गा का पूजन

सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि व नित्यकर्मों से निवृत्त हो जाएं।

अष्टमी पर लाल रंग के वस्त्र धारण करना शुभ माना गया है।

पूजा स्थल पर चौकी लगाएं अथवा लाल रंग का वस्त्र बिछाएं।

चौकी पर मां दुर्गा की प्रतिमा अथवा तस्वीर स्थापित करें।

मां दुर्गा को लाल फूल, फल और श्रृंगार की वस्तुएं अर्पित करें।

मां दुर्गा को हलवा-पूरी और श्रीफल का भोग लगाना चाहिए।

पूजा के समय दुर्गा चालीसा का पाठ करना शुभ माना गया है।

पूजा के समापन के बाद परिवार सहित मां दुर्गा की आरती करें।

सावन में हरा रंग पहनना माना जाता है बेहद शुभ

क्या हैं इसके कारण?

सावन के महीने को बहुत खास माना जाता है। श्रावण मास भगवान शिव को समर्पित है। सावन माह में भगवान शिव की आराधना करने से विशेष फलों की प्राप्ति होती है। इस दौरान पड़ने वाले सावन का भी बहुत महत्व माना जाता है। इस महीने हरा रंग प्रमुख माना जाता है। इस दौरान प्रकृति भी हरी-भरी हो जाती है। यह रंग सौभाग्य का प्रतीक है। सावन में महिलाएं हरे रंग के वस्त्र और हरी चूड़ियां पहनती हैं। आइए, जानते हैं कि इस माह हरे रंग का क्या महत्व है।

कब से शुरू हो रहा है सावन

सावन का महीना 22 जुलाई 2024 सोमवार से शुरू होगा और 19 अगस्त 2024 को खत्म होगा। इस बार सावन महीने में पांच सोमवार होंगे पड़ रहे हैं।

22 जुलाई को सावन शुरू होते ही सुबह 5.37 बजे से रात 10.21 बजे तक सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा।

प्रीति योग 21 जुलाई को रात 9.11 बजे शुरू होगा और 22 जुलाई को शाम 5.58 बजे समाप्त होगा।

तीसरा आयुष्मान योग है, जो शाम 5.58 बजे शुरू होगा और 23 जुलाई को दोपहर 2.36 बजे समाप्त होगा।

सावन में हरे रंग का क्या महत्व है?

महिलाएं इस दौरान हरे कंगन और हरे रंग की पोशाक पहनती हैं।

सावन के दौरान लगाई जाने वाली मेहंदी भी हरे रंग की होती है। यह शुभता प्रतीक माना जाता है।

हरे रंग का संबंध विवाह से भी माना जाता है।

सौभाग्य की प्राप्ति के लिए और भगवान शिव से आशीर्वाद लेने के लिए इस दौरान हरी चूड़ियां और वस्त्र पहने जाते हैं।

हरा रंग देवता भी प्रसन्न होते हैं। भगवान शिव हरियाली के बीच अपने ध्यान के प्रेम के लिए जाने जाते हैं। यह भी कहा जाता है कि हरा रंग भगवान विष्णु को भी प्रसन्न करता है।

19 अगस्त को रक्षाबंधन

क्यों मनाई जाती है राखी

हिंदू धर्म में रक्षाबंधन का खास महत्व है। भाई-बहनों के प्यार का प्रतीक यह त्योहार हर साल सावन महीने की पूर्णिमा तिथि पर मनाया जाता है। इस दिन बहनें भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र (राखी) बांधती हैं। भगवान से अपने भाई के सुख और सौभाग्य की प्रार्थना करती हैं। इस अवसर पर भाई भी अपनी बहनों को जीवनभर खुशियां देने और रक्षा करने का वचन देते हैं। आइए जानते हैं इस बार राखी का त्योहार कब है, किस मुहूर्त में राखी बांधी जाएगी। इस त्योहार का महत्व क्या है और इसका इतिहास।

* हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल रक्षा बंधन का त्योहार सोमवार, 19 अगस्त 2024 को मनाया जाएगा।
* रक्षाबंधन धागा समारोह- दोपहर 01.30 बजे से रात 09.08 बजे तक
* रक्षाबंधन मुहूर्त- दोपहर 01.43 बजे से लेकर शाम 04:20 बजे तक
* प्रदोष समय रक्षाबंधन मुहूर्त- शाम 06.56 बजे से लेकर रात 09:08 बजे तक
* रक्षाबंधन भद्रा समाप्ति- दोपहर 01.30 बजे
* रक्षाबंधन भद्रा पुंछा- सुबह 09.51 बजे से लेकर सुबह 10.53 बजे तक
* रक्षाबंधन भद्रा मुख- सुबह 10.53 बजे से लेकर दोपहर 12.37 बजे तक
* पूर्णिमा तिथि- 19 अगस्त 2024 की सुबह 03.04 बजे से लेकर रात में 11.55 बजे तक

क्यों मनाई जाती है राखी

रक्षाबंधन का जिक्र प्राचीन हिंदू धर्मग्रंथों और महाकाव्यों में भी है। एक प्रचलित कथा के अनुसार, महाभारत में जब भगवान कृष्ण की उंगली कट गई थी, तब द्रौपदी ने खून को रोकने के लिए अपनी साड़ी का टुकड़ा फाड़कर बांधा था। जिसके बाद कृष्ण ने उनकी रक्षा करने का वादा किया था। माना जाता है कि यहीं से राखी के त्योहार की शुरुआत हुई थी।

रक्षाबंधन का महत्व

हिंदू धर्म और भारतीय संस्कृति में राखी का त्योहार काफी महत्व रखता है। यह त्योहार भाई-बहनों में प्यार और स्नेह का प्रतीक है। इस दिन बहन-भाई पारंपरिक पोशाक पहनते हैं। बहनें राखी, रोली, चावल के दाने, मिठाई, दीया और रक्षा सूत्र की थाली तैयार करती हैं। बहनें भाई की आरती करके उनके माथे पर तिलक लगाकर रक्षा सूत्र बांधती हैं। भाई बहन को प्यार से उपहार और पैसे देते हैं। राखी सुरक्षा, देखभाल और सम्मान को दिखाता है। यह एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारियों का एहसास दिलाता है।

ऐसे हुई थी मंगला गौरी व्रत की शुरुआत पढ़िए इससे जुड़ी पौराणिक कथा

हिंदू धर्म में भगवान शिव को समर्पित सावन का महीना 22 जुलाई सोमवार से शुरू हो रहा है। सावन महीने का सोमवार बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। वहीं, सावन महीने के मंगलवार का भी खास महत्व है। यह दिन माता पार्वती को समर्पित है। इस दिन महिलाएं मंगला गौरी व्रत रखती हैं। इस बार सावन के पहले दिन भोलेनाथ और दूसरे दिन गौरी माता की विधि-विधान से पूजा की जाएगी।

इस दिन रखा जाएगा मंगला गौरी व्रत

सावन शुरू होने के अगले दिन 23 जुलाई से मंगला गौरी व्रत शुरू होगा। इस दिन पहला मंगला गौरी व्रत रखा जाएगा।

इसके बाद दूसरा मंगला गौरी व्रत 30 जुलाई को रखा जाएगा, दूसरा 6 अगस्त को और चौथा और अंतिम मंगला गौरी व्रत 13 अगस्त को मनाया जाएगा।

इन सभी दिनों में मां पार्वती की विशेष पूजा की जाएगी। विवाहित महिलाएं अखंड सौभाग्य की कामना के लिए और अविवाहित लड़कियां अच्छे पति की कामना से यह व्रत रखती हैं।

मंगला गौरी व्रत कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, प्राचीन काल में धर्मपाल नाम का एक व्यापारी था, जिसके पास धन की कोई कमी नहीं थी। वे स्वयं सभी गुणों से सम्पन्न थे। वह देवों के देव महादेव के भक्त थे। बाद में सेठ धर्मपाल का विवाह एक प्रतिभाशाली दुल्हन से हो गया। हालांकि, उनकी शादी के बाद कई सालों तक उनकी कोई संतान नहीं हुई। इससे व्यापारी चिंतित हो गया।

वह सोचने लगा कि यदि उसकी कोई संतान नहीं होगी, तो उसके व्यवसाय का उत्तराधिकारी कौन होगा? एक दिन सेठ धर्मपाल की पत्नी ने उन्हें बच्चे के संबंध में किसी बड़े पंडित से संपर्क करने की सलाह दी। अपनी पत्नी की सलाह पर व्यापारी शहर के सबसे प्रसिद्ध पंडित से मिलने गया। उस समय गुरु ने व्यापारी दंपति को भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने की सलाह दी।

देवी पार्वती ने दिया था आशीर्वाद

बाद में व्यापारी की पत्नी ने विधि-विधान से भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की। व्यापारी धर्मपाल की पत्नी की भक्ति से प्रसन्न होकर एक दिन देवी पार्वती प्रकट हुईं और बोलीं – हे देवी! मैं तुम्हारी भक्ति से बहुत प्रसन्न हूं, जो उपहार चाहो मांग लो। आपकी हर इच्छा अवश्य पूरी होगी। उस समय धर्मपाल की पत्नी को संतान चाहिए थी। देवी पार्वती ने उन्हें पुत्र प्राप्ति का आशीर्वाद दिया। हालांकि, संतान अल्पायु था।

एक साल बाद धर्मपाल की पत्नी ने एक पुत्र को जन्म दिया। जब पुत्र का नामकरण हुआ, तो धर्मपाल ने ज्योतिषी को देवी पार्वती के वचन के बारे में बताया। तब ज्योतिषी ने धर्मपाल को अपने पुत्र का विवाह मंगला गौरी व्रत करने वाली कन्या से करने की सलाह दी। ज्योतिषी की सलाह के अनुसार, सेठ धर्मपाल ने अपने पुत्र का विवाह मंगला गौरी व्रत करने वाली कन्या से किया। लड़की के पुण्य प्रताप से धर्मपाल का बेटा मौत के चंगुल से मुक्त हो गया।

प्रदोष व्रत के दिन इस समय करें भगवान शिव का रुद्राभिषेक, प्रसन्न होंगे भोलेनाथ

हर महीने प्रदोष व्रत पड़ता है। यह व्रत भगवान शिव की पूजा के लिए समर्पित होता है। आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को दूसरा प्रदोष व्रत पड़ रहा है। इस दिन गुरुवार होने के कारण यह गुरु प्रदोष व्रत कहलाएगा। यह गुरु प्रदोष इस महीने का अंतिम प्रदोष व्रत होगा। साथ ही आषाढ़ मास का भी ये अंतिम प्रदोष व्रत होगा। प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया जाता है। इस दिन सूर्यास्त के बाद पूजा की जाती है।

रुद्राभिषेक के लिए शुभ समय

पंचांग के अनुसार, आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 18 जुलाई को रात 8 बजकर 44 मिनट पर शुरू होगी।

इसका समापन 19 जुलाई को शाम 7.41 बजे होगा। गुरु प्रदोष व्रत के दिन भगवान भोलेनाथ की पूजा के लिए केवल 39 मिनट का शुभ समय होगा।

शिव पूजा का शुभ समय रात 8.44 बजे से 9.23 बजे तक है। प्रदोष काल के पूजा मुहूर्त के आधार पर गुरु प्रदोष व्रत 18 जुलाई को रखा जाने वाला है।

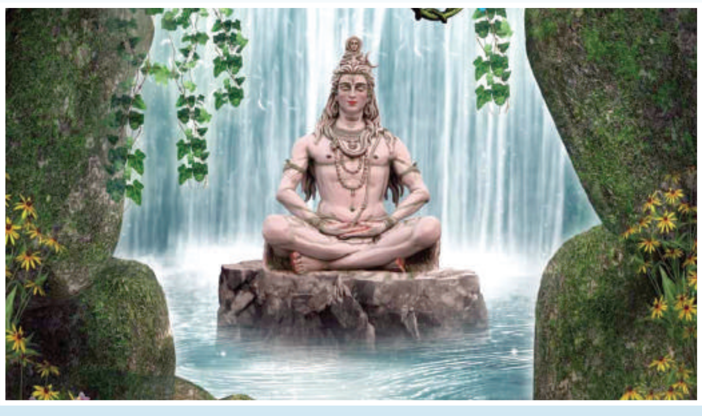

गुरु प्रदोष व्रत भगवान शिव के रुद्राभिषेक के लिए बहुत उत्तम है। इस दिन सुबह से लेकर रात 08:44 बजे तक शिव वास कैलाश पर रहेगा। इसके बाद वह नंदी पर वास करेंगे।

प्रदोष व्रत पूजा विधि

प्रदोष व्रत के दिन सबसे पहले स्नान करने के बाद साफ कपड़े पहनें।

शिव परिवार सहित सभी देवी-देवताओं की विधि-विधान से पूजा करें।

व्रत का संकल्प लेने के लिए हाथ में पवित्र जल, फूल और अक्षत लें।

शाम के समय घर के मंदिर में दीपक जलाएं।

फिर शिव मंदिर में या घर पर ही भगवान शिव का अभिषेक करें।

शिव परिवार की विधिवत पूजा करें।

पूजा के बाद प्रदोष व्रत की कथा सुनें।

इसके बाद भगवान शिव की आरती करें।

अंत में ॐ नमः शिवाय मंत्र का जाप करें।

फिल्म बैड न्यूज का नया गीत जानम हुआ रिलीज

विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी संग हुए रोमांटिक

विक्की कौशल, एमी विर्क और तृप्ति डिमरी की बैड न्यूज सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म रिलीज से कुछ ही दिनों की दूरी पर है। फिल्म के ट्रेलर ने दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी थी। वहीं, कुछ दिन पहले तौबा तौबा गाना रिलीज हुआ था, जिसमें विक्की के डांस मूव्ज ने वाहवाही लूटी और अब फिल्म का सबसे बोल्ड सॉन्ग जानम रिलीज हो चुका है।विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी ने हॉटनेस से भरे सीन जानम सॉन्ग के लिए दिए हैं। दोनों के इस सॉन्ग में कई इंटीमेट सीन हैं। तृप्ति डिमरी ने विक्की के साथ ऐसे सीन दिए हैं, जिसे देखते ही लोग घायल हो जाएं। दोनों हद से ज्यादा बोल्ड अवतार में नजर आ रहे हैं। इनकी हॉटनेस देख यूजर्स ने कमेंट किया है कि अब कटरीना का क्या होगा।तृप्ति डिमरी ने फिल्म एनिमल में रणबीर कपूर के साथ जमकर बोल्ड

सीन दिए थे। फिल्म से उनका न्यूड सीन काफी वायरल हुआ था। एनिमल के बाद अब तृप्ति डिमरी ने विक्की कौशल के साथ हद से ज्यादा बोल्ड सीन दिए हैं। कभी स्विमिंग पूल में, कभी बिकनी में तृप्ति हुस्न की बिजलियां गिराती नजर आई हैं। विक्की के साथ उनका ये अंदाज देख लोगों के पसीने छूट गए हैं।विक्की को तृप्ति के साथ हॉटनेस से भरे मूव्ज देकर लोगों ने कई तरह के कमेंट किए हैं। कुछ ने उनकी चुटकी भी ली है। एक ने लिखा, आपको कटरीना कैफ का खौफ नहीं? एक अन्य ने कमेंट किया, कटरीना कैफ बड़ा पछताओगे गाने की घर पर प्रैक्टिस कर रही होंगी।एमी विर्क और विक्की कौशल के साथ तृप्ति की ये फिल्म 19 जुलाई को वर्ल्डवाइड रिलीज हो रही है।

सीरत कपूर ने अपनी मनमोहक मुस्कान से सबको किया मंत्रमुग्ध

सीरत कपूर अपनी आकर्षक मुस्कान से सभी को मंत्रमुग्ध कर देती हैं। सीरत कपूर इस अगस्त में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होंगी - अपनी प्रतिभा और करिश्मा से दर्शकों को लुभाने का एक दशक। 2014 में रन राजा रन से अपनी शुरुआत करने के बाद से, सीरत ने लगातार यादगार प्रदर्शन किए हैं, जिससे फिल्म उद्योग में एक बहुमुखी और प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में उनकी स्थिति मजबूत हुई है।इस जून में रिलीज़ हुई मानमे में अपने डेब्यू को-स्टार शारवानंद के साथ उनकी हालिया मुलाकात ने प्रशंसकों के उत्साह को फिर से जगा दिया है और उनकी बढ़ती सफलता को और मजबूत किया है। सीरत का सफर सिल्वर स्क्रीन से आगे तक फैला हुआ है, जिसमें विवेल, एंगेज कोलोन स्प्रे, अपोलो टायर्स, महिंद्रा गुस्टो और इंटेक्स जैसे प्रमुख ब्रांडों के प्रभावशाली ब्रांड एंडोर्समेंट शामिल हैं। ये उद्यम उनकी बहुमुखी प्रतिभा और विपणन क्षमता को रेखांकित करते हैं, जिससे उन्हें एक लोकप्रिय ब्रांड एंबेसडर के रूप में स्थापित किया जाता है।वर्तमान में, सीरत दिल राजू के प्रोडक्शन के तहत एक प्रमुख फिल्म प्रोजेक्ट में सक्रिय रूप से शामिल हैं, साथ ही ओटीटी सीरीज़ भामकलापम 2 में उनकी आकर्षक उपस्थिति भी है। उनकी ऑन-स्क्रीन सफलता उनकी बढ़ती ऑनलाइन उपस्थिति से झलकती है, जहाँ वह प्रशंसकों को अपने जीवन और काम के बारे में बताती रहती हैं।उनके हालिया इंस्टाग्राम पोस्ट काफी चर्चा बटोर रहे हैं, जो प्रशंसकों और उद्योग के पेशेवरों दोनों को आकर्षित कर रहे हैं। एक विशेष रूप से आकर्षक पोस्ट में, सीरत एक चमकदार सुनहरी पोशाक में चमक रही हैं। स्लीवलेस, फिटेड ड्रेस उनके टोंड फिजिक को उभारती है और उनकी चमकदार त्वचा की टोन को पूरक बनाती है।

आर्टिस्ट्रीबायक्री द्वारा स्टाइल किए गए उनके घुंघराले बाल, एक विशाल और चंचल स्पर्श जोड़ते हैं, जो समग्र आकर्षण को बढ़ाते हैं। नाजुक झुमके लुक को पूरा करते हैं, जो एक सरल लेकिन सुरुचिपूर्ण पहनावा बनाते हैं।सीरत का कैप्शन, जब तक आप मेरी चमक के पीछे का कारण अनुमान लगाएँगे, तब तक मैं अपने अगले काम पर लग जाऊँगी, दिल के इमोजी के साथ, रहस्य और साज़िश का एक स्पर्श जोड़ता है, जो उसके प्रशंसकों को और अधिक आकर्षित करता है।सीरत कपूर की यात्रा उनके समर्पण और प्रतिभा का प्रमाण है। जैसे ही वह फिल्म उद्योग में अपने दूसरे दशक में प्रवेश करती है, उसकी ऑन-स्क्रीन सफलता, उसके प्रभावशाली ब्रांड एंडोर्समेंट और उसकी आकर्षक सोशल मीडिया उपस्थिति सभी रोमांचक अवसरों और निरंतर सफलता से भरे भविष्य की ओर इशारा करते हैं।

सोनाक्षी सिन्हा, रितेश देशमुख स्टारर काकुड़ा का नया पोस्टर जारी

कल को जी5 पर रिलीज होगी फिल्म

सोनाक्षी सिन्हा और रितेश देशमुख की फिल्म काकुड़ा एलान के बाद से ही सुर्खियों में छाई हुई है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया था, जिसने प्रशंसकों के उत्साह को बढ़ा दिया। वहीं, अब फैंस की उत्सुकता को और बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने फिल्म से अभिनेता रितेश देशमुख का नया पोस्टर जारी किया है, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 ने आदित्य सरपोतदार की फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें ककुडा को मैनहंटर और रितेश देशमुख उर्फ विक्टर को घोस्ट हंटर के रूप में दिखाया गया है। इस तीखे और डरावने मुकाबले में यह देखना बाकी है कि आखिर में कौन जीतेगा। इंस्टाग्राम पर पोस्टर साझा करते हुए निर्माताओं ने लिखा, क्या विक्टर का अंग्रेजी तंत्र ककुडा के सामने टिक पाएगा? कोई जोखिम न लें, इस मंत्र पर टिके रहें- दरवाजा खुला रखो, शाम 7:15 बजे, हर मंगलवार।रितेश के अलावा ककुड़ा में सोनाक्षी सिन्हा, आशिफ खान और साकिब सलीम भी हैं। यह फिल्म रतोडी के भूतिया गांव के बारे में है, जहां हर घर में दो दरवाजे होते हैं- एक बड़ा और एक छोटा। ककुड़ा के लिए छोटा दरवाजा खुला होना चाहिए। इससे पहले एक साक्षात्कार में रितेश देशमुख ने खुलासा किया कि उन्होंने काकुड़ा के लिए साइन किया, क्योंकि उन्हें लगा कि स्क्रिप्ट दिलचस्प थी। अभिनेता ने कहा कि यह एक हॉरर कॉमेडी है, लेकिन यह केवल डराने और हंसाने तक ही सीमित नहीं है। देशमुख ने बताया कि काकुड़ा एक ऐसी कहानी है, जिसमें बहुत सारा दिल है और यह पात्रों के बीच के रिश्तों के बारे में है।फिल्म के निर्माता रॉनी स्क्रूवाला ने साल 2021 की 20 जुलाई को फिल्म की शूटिंग शुरू होने का एलान किया था। हालांकि, दर्शकों को इसका लंबा इंतजार करना पड़ा है। इस फिल्म की रिलीज डेट दो साल से अटकी पड़ी थी और अब आखिर ओटीटी पर फिल्म आ रही है। यह फिल्म 12 जुलाई को जी5 पर रिलीज होगी।

नाथ कृष्ण और गौरी की कहानी में नेगेटिव रोल निभाएंगी सत्यमवदा सिंह

टीवी एक्ट्रेस सत्यमवदा सिंह नाथ कृष्ण और गौरी की कहानी शो में नेगेटिव रोल में नजर आएंगी। वह जीनत का किरदार निभाएंगी। एक्ट्रेस चांद जलने लगा सीरियल की भूमिका के लिए घर-घर में जानी जाती हैं। सत्यमवदा ने कहा, मैं जीनत का किरदार निभाने के लिए एक्साइटेड हूं। वह मजाकिया, खूबसूरत और मनमौजी लड़की है। यह कॉमिक टाइमिंग वाला एक नेगेटिव रोल है। मैं इस तरह के किरदार का लंबे समय से इंतजार कर रही थी।एक्ट्रेस ने कहा कि वह इस नए सफर को एक्सप्लोर करने के लिए एक्साइटेड हैं।सत्यमवदा ने बताया कि वह फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली की सीरीज हीरामंडी: द डायमंड बाजार में सोनाक्षी सिन्हा, मनीषा कोइराला, अदिति राव हैदरी, संजीदा शेख और शर्मिन सहगल जैसे किरदारों को निभाना चाहती हैं।उन्होंने आगे कहा, संजय लीला भंसाली सर की हीरामंडी देखने के बाद, मैंने स्क्रीन पर एक मुस्लिम महिला का किरदार निभाने का मन बनाया। मेरी एक और इच्छा है कि मैं उनके प्रोजेक्ट में लीड रोल निभाऊं।उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि मुझे टीवी शो में एक मुस्लिम महिला की भूमिका निभाने का मौका मिलेगा। इससे पहले, मैंने गुलजार सर के नाटक में एक मुस्लिम किरदार अदा किया था, इसलिए मुझे यकीन है कि मैं इस नए किरदार को शानदार ढंग से निभा पाऊंगी।नाथ कृष्ण और गौरी की कहानी में चाहत पांडे, अलीशा पंवार और रेयांश वीर चड्ढा भी हैं।अपकमिंग एपिसोड बलूचिस्तान, पाकिस्तान पर बेस्ड होने के कारण एक नया मोड़ लेने वाला है।एक्ट्रेस की बात करें तो सत्यमवदा सिंह ने मॉडलिंग के साथ अपने करियर की शुरुआत की। उन्होंने ग्लैडरैग्स मेगा मॉडल, मिस कल्चर वर्ल्ड इंडिया, मिस उत्तर प्रदेश और मिस दिल्ली जैसे ब्यूटी सौंदर्य कॉम्पिटिशन जीते। इसमें मोस्ट फोटोजेनिक खिताब भी शामिल है।उन्होंने 2014 में शो लापतागंज के साथ अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी फिर चिड़िया घर और कृष्ण कन्हैया जैसे अन्य टीवी सीरियल्स में भी अहम भूमिका निभाई थी।

जूनियर एनटीआर की आगामी फिल्म देवरा पर आया नया अपडेट, फिल्म की डबिंग हुई शूरू

देवरा इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। जूनियर एनटीआर की इस फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस एक्शन ड्रामा फिल्म में जूनियर एनटीआर के साथ बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर भी नजर आने वाली हैं। फिल्म को लेकर अभिनेता के फैंस में जबर्दस्त उत्साह है और वो फिल्म से जुड़े हर बड़े-छोटे अपडेट्स पर निगाहें गड़ाए बैठे हैं। इस फिल्म को लेकर लगातार अपडेट आते रहे हैं। एक बार फिर फिल्म से जुड़ा बड़ा अपडेट सामने आया है। इन दिनों जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा: पार्ट 1 पर तेजी से काम चल रहा है। फिल्म की टीम इसे फैंस के सामने लाने के लिए काफी पसीना बहा रही है, ताकि इसे तय तारीख पर रिलीज किया जा सके। अब इस फिल्म की डबिंग को लेकर एक नया अपडेट आया है, जिसमें इससे संबंधित नई जानकारियां सामने आई हैं। फिल्म में सहायक भूमिका निभाने वाली हिमाजा ने फिल्म के लिए अपने डबिंग सेशन की एक तस्वीर पोस्ट की है। इससे जाहिर है कि फिल्म की डबिंग का काम शुरू हो गया है और साथ ही साध फिल्म की शूटिंग भी तेज गति से आगे बढ़ रही है। देवरा: पार्ट 1 को मशहूर निर्देशक कोर्टला शिवा निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म को कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। फिल्म की रिलीज डेट 27 सितंबर, 2024 रखी गई है। फिल्म को तय समय पर रिलीज करने के लिए पूरी टीम जोर शोर से इसे पूरा करने में लगी हुई है। इस बीच फिल्म को लेकर एक और अफवाह तेजी से फैल रही है कि फिल्म के निर्माता जल्द ही एक रोमांटिक गाना भी रिलीज कर सकते हैं।

हालांकि, इसकी कोई भी आधिकारिक घोषणा अब तक नहीं हुई है। बताते चलें कि कोर्टला शिवा द्वारा निर्देशित देवरा में जूनियर एनटीआर काफी खतरनाक अवतार में नजर आएंगे। शिवा की यह जनता गराज के बाद दूसरी फिल्म है। गौरतलब है कि जनता गराज में भी एनटीआर ने काम किया था। अब देवरा में भी वह खतरनाक एक्शन करते नजर आएंगे। इस फिल्म से बॉलीवुड कलाकार सैफ अली खान और जान्हवी कपूर तेलुगु डेब्यू करने वाले हैं। फिल्म की कहानी समुद्र के रास्ते में होने वाली तस्करी पर आधारित हो सकती है। फिल्म युवसुधा आर्ट्स और एनटीआर आर्ट्स द्वारा समर्थित है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

गलतफहमी और लगातार असहमति परिवारिक माहौल को निराशाजनक बना सकती है. यह स्थिति आपको तनावग्रस्त कर सकती है. आज कार्य स्थल पर सहकर्मियों और अधीनस्थों से टकराव होने का खतरा है. घरेलू मोर्चे से निपटने के लिए राजनयिक बनने की कोशिश करें और दार्शनिक दृष्टिकोण अपनाकर वास्तविक दुनिया को उसके वास्तविक परिप्रेक्ष्य में देखने का प्रयास करें. वित्तीय व्यवहार और निवेश के साथ अधिक सतर्क और सावधान रहें क्योंकि दिन ज्यादा अनुकूल नहीं है, कमाई घट सकती है और धन अवरुद्ध हो सकता है. दूसरों के लिए स्थायी गारंटी देने से बचें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका कोई सोचा हुआ काम पूरा हो जायेगा. इस राशि के छात्रों के करियर में आज नया बदलाव आयेगा, जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा. आपकी सेहत बेहतर बनी रहेगी. इस राशि के जो लोग सोशल साइट्स पर काम करते हैं, उनकी जान-पहचान किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिससे आपको काफी लाभ मिलेगा. कारोबार में कुछ लोग मददगार साबित होंगे।

आपको कोई महत्वपूर्ण काम मिल सकता है. सामाजिक क्षेत्र में आपकी सराहना होगी. अपने मस्तक पर चंदन का तिलक लगाएं, आपके साथ सब अच्छा होगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

बिजनेस और नौकरी में परिवार से सहयोग मिलेगा. कार्यस्थल पर सोच-समझकर बोलें. उन्नति के रास्ते खुलेंगे. बिजनेस में फायदा होने के योग बन रहे हैं. घर में उपयोग होने वाली वस्तुएं खरीद सकते हैं. अपनी सोच सकारात्मक रखें. विश्वसनीय व्यक्ति का सहयोग भी मिल सकता है. आपका पार्टनर संवेदनशील मूड में रहेगा. आपकी भावनाओं का सम्मान होगा. आपको अपनी सेहत पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज पारिवारिक समस्याओं से मन विचलित हो सकता है. सामाजिक प्रतिष्ठा मिलेगी. व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि के योग हैं. उत्साह बना रहेगा. काम में मन लगेगा. नया काम मिलेगा. प्यार के लिए समय बेहतरीन है. नई जगह निवेश करने के लिए आप उत्सुक रहेंगे. कार्यक्षेत्र में पदोन्नति के योग बन रहे हैं. बिजनेस में धन लाभ के योग बन रहे हैं. आज प्रेमी और जीवनसाथी ही आपकी बड़ी ताकत होगा. आज अचानक ही आपके घर मेहमान आ सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

इस माह आपको भाग्य के साथ शानदार परिणाम मिलेंगे. आप प्रभावशाली लोगों से संपर्क स्थापित करेंगे. आप एक नई साझेदारी में प्रवेश कर सकते हैं और अपने लाभ को बढ़ा सकते हैं. अगर आप काम के लिए विदेश जाना चाहते हैं तो अपने प्रयासों को आगे बढ़ाएं. वित्तीय मामले आसानी से आगे बढ़ेंगे. प्रतिद्वंद्वी गतिविधि आपको नुकसान नहीं पहुंचाएगी. पारिवारिक जीवन आनंदमय रहेगा और आप अपने परिवार के सदस्यों के साथ किसी धार्मिक पर जा सकते हैं. यह एक मनोरंजक यात्रा होगी और इससे आपको मानसिक शांति भी मिलेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. इस राशि के छात्रों को अपने शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। साथ ही करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर भी सामने आएंगे। संतान पक्ष की ओर से आपको सुख की प्राप्ति होगी. अपने कार्यों में संतान से पूरी मदद मिलेगी. आपको पैसे कमाने के अच्छे मौके मिलेंगे. किसी खास व्यक्ति से कामकाज के मामले में आपको कुछ नए आइडिया मिल सकते हैं. शाम को बच्चों के साथ पार्क में घूमने जायेंगे। गाय को रोटी खिलाएं, घर में सुख-शांति बनी रहेगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

कर्ज से छुटकारा मिल सकता है. अपने काम पर पूरी नजरे रखें. अधिकारियों से सहयोग मिलेगा. आज आपके लिए योजना बनाना मेहनत करने से भी ज्यादा कारगर साबित हो सकता है. आपके लिए परिवार, जमीन-जायदाद के मामले, दोस्त और रिश्तेदार बहुत खास हो सकते हैं. आपका व्यवहार पार्टनर को खुशी देगा. कुछ नया और सकारात्मक काम करेंगे, तो आप अपने जीवन में अच्छा खासा सुधार कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपकी घरेलू जिम्मेदारियों में धन खर्च होने की संभावना है, प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा. आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा. आपको प्यार में ग़म का सामना करना पड़ सकता है. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. पुराने मित्रों के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है. आपके कामों की तारीफ हो सकती है. अपनी प्राथमिकताएं निर्धारित कर लें और अपने काम पर लग जाएं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आर्थिक रूप से यह बहुत अच्छी अवधि है. व्यापारी वर्ग वांछित परिणाम प्राप्त करेंगे और अपने कार्य क्षेत्र में अपने लिए जगह बनाएंगे. सामाजिक लोकप्रियता प्राप्त करने के शुभ संकेत हैं. आपको कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा. परिवार में शादी या बच्चे का जन्म हो सकता है. खेलप्रेमियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा. प्रेम सम्बन्ध मजबूत होंगे. छात्र अच्छा प्रदर्शन करेंगे. जोड़ो से सम्बंधित रोगों से जूझ रहे जातकों को अत्यधिक ध्यान रखने की आवश्यकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

पारिवारिक मामलों में आपको भागदौड़ करनी पड़ेगी. ऑफिस में काम धीमी गति से पूरे हो सकते हैं, इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ सकती है. किसी बात को लेकर भाई-बहन से अनबन हो सकती है. आज किसी से भी बेवजह मजाक करने से आपको बचना चाहिए. आप नए काम पर सोच-विचार कर सकते हैं. आप किसी दोस्त से मदद मांग सकते हैं. सेहत ठीक बनी रहेगी. मंदिर में सुबह-शाम घी का दीपक जलाएं, आपके काम में स्थिरता बनी रहेगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

बिजनेस में आत्मनिर्भरता रहेगी. नए लोगों से कॉन्टैक्ट बनेंगे. कामकाज बढ़ेगा. साथ के लोगों से सहयोग मिल सकता है. नए लोगों से भी अच्छे संबंध बनेंगे. बेरोजगार लोगों को रोजगार मिलेगा. आपकी आर्थिक स्थिति में जल्दी ही सुधार लाने में सफल रहेंगे. आपके सोचे हुए काम समय पर पूरे हो जाएंगे. पुरानी समस्याओं का समाधान मिल सकता है. मौसमी बीमारियां भी हो सकती हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें. यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें. किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है. दूसरों के बहकावे में न आएं. आय में निश्चितता रहेगी. अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें. निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें. शिक्षा-प्रतियोगिता में सफलता,षड्यंत्र का शिकार होने से बचें. इस राशि के स्टूडेंट्स का मन पढ़ाई में लगेगा।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 11 जुलाई 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी प्रातः 10:05 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी दोपहर 01:04 तक
योग : वरियान रात्रि 04:08 तक
करण : बालव प्रातः 10:05 तक
चन्द्रराशि : सिंह रात्रि 07:50 तक
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:51, सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : स्कन्द षष्ठी , विश्व जन संख्या दिवस , सांई टेऊराम जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भजनलाल सरकार ने अपना पहला पूर्ण बजट किया पेश

जयपुर,10 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान की भजनलाल सरकार ने आज अपना पहला पूर्ण बजट पेश किया। डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री दीया कुमारी ने 2 घंटे 50 मिनट में बजट भाषण पढ़ा। 10 संकल्पों के साथ दीया कुमारी ने बजट भाषण की शुरुआत की और प्रदेश को कई सौगात दीं। यह बजट विकसित राजस्थान 2047 की थीम पर रहा। सरकार की ओर से बजट में राजस्थान की सबसे बड़ी समस्या पेयजल को लेकर कई योजनाओं की शुरुआत की गई। इसके अलवा बिजली और बेहतर यातायात सुविधा के लिए सड़क पर भी विशेष फोकस किया गया। आइए, इस रिपोर्ट में जानते हैं इन क्षेत्रों को लेकर बजट में दी गईं सुविधाओं के बारे में...।

शिक्षा के क्षेत्र के लिए हुए ये एलान

वित्त मंत्री दिया कुमारी ने ऐलान किया कि आठवीं, दसवीं और बारहवीं में मेरिट में आने वाले विद्यार्थियों को टैबलेट दिए जाएंगे, जिनमें फ्री इंटरनेट भी रहेगा। इसके अलावा, प्रदेश में नई आईटीआई कॉलेज खोले जाने की भी घोषणा की गई है। दीया कुमारी ने एलान किया कि प्रदेश में बालिकाओं के पुलिस और सैनिक में भर्ती दिलाने के लिए संभागों में बालिका सैनिक स्कूल खोले जाएंगे।

राजस्थान में इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी को लेकर 300 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके तहत भरतपुर, बीकानेर, अजमेर में कॉलेज को विकसित किया जाएगा इसके साथ ही प्रदेश के शहरी क्षेत्र में 150 करोड़ की लागत से शहरी क्षेत्र में लाइब्रेरी और वाई-फाई कनेक्शन दिए जाएंगे।

रोजगार और खेल के लिए घोषणाएं

राजस्थान बजट में प्रदेश में पुलिस के 5500 नए पद को सृजित करने की घो-षणा की गई। इसके साथ ही बजट में पुलिस की सुविधा में भी विस्तार किया गया है। बजट में प्रदेश में 1500 डॉक्टरों और 400 नर्सिंग कर्मियों के नए पदों का एलान किया गया है। खेलो इंडिया की तर्ज पर हर साल प्रदेश में खेलो राजस्थान का एलान, 50 करोड़ खर्च किए जाएंगे। राष्ट्रीय युवा पुरस्कार की तरह राजस्थान यूथ आइकन अवार्ड दिया जाएगा। इस बार के बजट में रोडवेज में 1650 कर्मचारियों की भर्ती की भी घोषणा की गई है।

दीया कुमारी ने बताया कि राजस्थान में युवाओं के लिए हमने अगले 5 सालों में 4 लाख सरकारी भर्तियां करने का संकल्प लिया है, वहीं इस साल 1 लाख से अधिक पदों पर सरकारी भर्तियां की जानी प्रस्तावित है। इसके अलावा, युवाओं के सर्वांगीण विकास और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करने के लिए युवा नीति 2024 लाने की घोषणा की गई।

स्टाम्प ड्यूटी घटाई

स्टाम्प ड्यूटी में किसानों को फायदा पहुंचाते हुए वित्त मंत्री ने संयुक्त स्वामित्व वाली गैर कृषि भूमि पर स्टाम्प ड्यूटी 6 से घटाकर 2 प्रतिशत कर दी है।

अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्रों में ट्रांसफरेबल डेवलपमेंट राइट्स की प्रक्रिया में स्टाम्प ड्यूटी पूरी तरह माफ कर दी गई है और इसके विक्रय पर स्टाम्प ड्यूटी 5 प्रतिशत से घटाकर 2 प्रतिशत कर दी गई है।

शहीदों को मिलने वाले घर और फ्लैट पर पूरा पंजीयन शुल्क माफ रहेगा।

हाउसिंग लोन के डेट असाइनमेंट पर भी स्टाम्प ड्यूटी की अधिकतम सीमा में घटोतरी की गई है।

सीएनजी और एविएशन फ्यूल सस्ता

प्रदेश में सीएनजी और एविएशन फ्यूल पर लगने वाले वैट को कम करके इसकी कीमतों में कमी लाने के प्रयास किए गए हैं।

किसानों के लिए – राजस्थान इरिगेशन वाटर ग्रिड मिशन शुरू किया जाएगा। सभी जिलों में पानी बचाने और सिंचाई के लिए 50 करोड़ खर्च होंगे।

31 मार्च 2024 तक लंबित बिजली कनेक्शन की पेंडिंग को समाप्त करने के लिए एक लाख 45 हजार कृषि कनेक्शन दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री पशुपालन विकास बोर्ड की घोषणा।

5 लाख नए किसानों को ब्याज मुक्त ऋण। इस साल 3500 करोड़ के शॉर्ट टर्म लोन बांटे जाएंगे।

समय पर फसली कर्ज चुकाने वाले किसानों को 2 प्रतिशत ब्याज अनुदान मिलेगा।

गरीबों के लिए –एसएसी एसटी एवं टीएसपी फंड को 1000 से बढ़ाकर 1500 करोड़ किया

– प्रदेश में इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट के लिए 10 हजार से अधिक जनसंख्या वाले गांवों में बाबा साहेब अंबेडकर ग्राम विकास योजना, इसके लिए 200 करोड़ का प्रावधान

– प्रदेश में टीएसपी में गोविंद गुरु जनजातीय क्षेत्र विकास योजना शुरू होगी। इस पर 75 करोड़ रुपये व्यय होंगे। इनमें वन क्षेत्र में सामुदायिक पट्टे वितरित किए जाएंगे।

– शहरी क्षेत्रों में स्ट्रीट वेंडर्स व अन्य जरूरतमंद लोगों के लिए मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना

– प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्ग के लोगों को 25 हजार रुपये का अतिरिक्त अनुदान

4 लाख नई भर्तियों की घोषणा

सरकार ने अगले पांच साल में 4 लाख नई भर्तियों की घोषणा की है। प्रत्येक वर्ष एक लाख से ज्यादा भर्ती की जाना प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त युवाओं के लिए सरकार नई नीति की लाएगी, जिसमें 10 लाख से ज्यादा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की घोषणा की गई है।

सरकार ने काशी विश्वनाथ की तर्ज पर खाटूश्याम कॉरिडोर बनाना प्रस्तावित किया है जिस पर सरकार 100 करोड़ रुपयों का निवेश करेगी।

युवाओं के लिए नए इंटर्नशिप प्रोग्रामों के जरिए डेढ़ लाख से ज्यादा युवाओं को स्किल डेवलपमेंट की ट्रेनिंग दी जाएगी। साथ ही प्रत्येक जिले में खेल अकादमी स्थापित की जाएगी।

अटल उद्यमी योजना के तहत स्टार्टअप के लिए 25 करोड़ रुपये के विशेष प्रोग्राम शुरू किए जाएंगे। साथ ही कॉलेजों में बिजनेस इनोवेशन कार्यक्रम चलाया जाएगा।

पेयजल सुविधा को लेकर सरकार की तैयारी

पेयजल सुविधा को लेकर दिया कुमारी ने कहा कि केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'जल जीवन मिशन' योजना राजस्थान के लिए वरदान साबित हो सकती है। लेकिन, पहले की कांग्रेस सरकार की उदासीनता और लापरवाही के कारण इस योजना में प्रदेश पिछड़ गया। अब इस मिशन को गति दी गई है, इस साल हमने 15 हजार करोड़ रुपये के खर्च से 25 लाख ग्रामीण घरों में नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

जल जीवन मिशन योजना के तहत प्रदेश के 5 हजार 846 अतिरिक्त गांवों को सतही जल के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने का निर्णय किया। इसके लिए 20 हजार 370 करोड़ की लागत से छह वृहद पेयजल परियोजनाओं की घोषणा की गई है।

भाई-बहन का रिश्ता हुआ शर्मसार

पड़ोसी भाई ने पांच साल की बच्ची से किया दुष्कर्म

अजमेर,10 जुलाई (एजेंसियां)। केकड़ी जिले में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक घटना सामने आई है, जहां एक 5 साल की बच्ची को रिश्ते में भाई लगने वाले युवक ने अपनी हवस का शिकार बनाया। वह बच्ची को जंगल में लेकर गया था। परिजनों को बच्ची खून से लथपथ सड़क किनारे रोते हुए मिली, अस्पताल ले जाने पर बच्ची के साथ दुष्कर्म होने का पता चला। फिलहाल बच्ची अजमेर के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में भर्ती है, जहां उसका इलाज जारी है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मासूम बच्ची के पिता ने बताया कि सोमवार शाम को बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान उसका पड़ोसी रिश्तेदार बच्ची को बहला-फुसलाकर नहाने की बात कहकर जंगल में हैंडपंप पर ले गया, शाम तक बच्ची के घर नहीं लौटने पर जब परिजनों ने बच्ची की तलाश की तो वह खून से लथपथ हालत में सड़क किनारे रोती हुई मिली।

परिजन उसे केकड़ी हॉस्पिटल लेकर गए, वहां से बच्ची को अजमेर के जेएलएन हॉस्पिटल रैफर कर दिया गया। हॉस्पिटल में बच्ची से डॉक्टरों ने पूछताछ की। इस दौरान बच्ची ने घटना के बारे में बताया। वहीं केकड़ी राजकीय जिला हॉस्पिटल के पीएमओ डॉक्टर नवीन कुमार जांगिड़ ने कहा कि सोमवार रात बच्ची को भर्ती कराया गया था। बच्ची के प्राइवेट पार्ट में चोट लगी थी। पीडियाट्रिक सर्जरी की वजह से स्टेबल हालत में अजमेर जेएलएन हॉस्पिटल रैफर किया गया था। परिजनों ने चोट लगने की बात कहते हुए पुलिस कार्रवाई से मना कर दिया था, लेकिन बच्ची के साथ हुई रेप की घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, घायल बच्ची का अस्पताल में इलाज जारी है।

फायरिंग कर भाग रहे दस हजार के दो इनामी बदमाशों को पुलिस ने पकड़ा

करौली,10 जुलाई (एजेंसियां)। पुलिस पर फायरिंग कर भाग रहे 10 हजार के इनामी बदमाश सहित दो बदमाशों को कुड़गाव थाना पुलिस ने दबोच लिया। पुलिस ने फायरिंग कर भाग रहे बदमाशों पर जवाबी फायरिंग की और पीछा कर दबोचा। आरोपियों के कब्जे से दो देसी कट्टे, एक पिस्टल और छह कारतूस बरामद किए हैं। साथ ही लग्जरी कार को जब्त किया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ में जुटी है।

पिस्टल, कट्टे और कारतूस बरामद

पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि गंगापुर सिटी पुलिस द्वारा बदमाशों के सपोटरा जाने की सूचना मिली। सूचना पर सपोटरा डीएसपी हरिराम मीणा और कुड़गांव थाना अधिकारी रुक्मणी गुर्जर को सूचित किया गया। कुड़गांव थाना अधिकारी रुक्मणी गुर्जर ने टीम के साथ गंगापुर सपोटरा मार्ग पर नाकाबंदी कराई।

नाकाबंदी के दौरान थार गाड़ी में बैठे बदमाशों ने पुलिस की गाड़ी को टक्कर मार भागने की कोशिश की साथ ही पुलिस टीम पर फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में कुड़गांव थाना अधिकारी रुक्मणी गुर्जर ने फायरिंग की जिससे कार सड़क के नीचे खेतों में उतर गई। गाड़ी के सड़क से नीचे उतरने के बाद भी बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने की कोशिश की लेकिन पुलिस टीम में शामिल जवानों ने साहस का परिचय देते हुए दोनों बदमाशों को दबोच लिया। पुलिस ने 10 हजार के इनामी बदमाश विवके उर्फ उधम सिंह पुत्र श्यामलाल गुर्जर उम्र 23 साल निवासी बिनोरा थाना बाटोदा जिला गंगापुर सिटी व धर्मेंद्र उर्फ कल्लू पुत्र दौलत राम गुर्जर उम्र 23 साल निवासी बिनोरा थाना बाटोदा जिला गंगापुर सिटी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो अवैध देसी कट्टे, एक पिस्टल व 6 जिंदा कारतूस के साथ ही पुलिस पर फायर किए दो खाली खोल भी बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से थार गाड़ी को भी जप्त किया है।

इनामी बदमाश पर गंगापुर सिटी में हत्या का प्रकरण दर्ज है। जिसमें आरोपी फरार चल रहा है। कुड़गाव थाना पुलिस की कार्रवाई के बाद एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय भी कुड़गाव थाना पहुंचे। एसपी ने कुड़गाव थाना अधिकारी रुक्मणी गुर्जर सहित उनकी टीम में शामिल सहायक उप निरीक्षक हरकेश, हेड कांस्टेबल नरेंद्र, श्रीनिवास, कांस्टेबल भूर सिंह, हरि सिंह व पुरुषोत्तम को साहस का परिचय देने पर उनकी हौसलाफजाई की।

बोरी में बंधा मिला अज्ञात महिला का शव

नारनौंद,10 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार जिले के हांसी क्षेत्र में पुट्ठी माइनर में बोरी में बंधी एक अज्ञात महिला का शव मिला है। वहीं अज्ञात महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस महिला की पहचान कराने में काफी कोशिश कर रही है लेकिन अभी तक उसकी पहचान नहीं हुई है। बाद में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। महिला की उम्र लगभग 30 से 35 वर्ष बताई जा रही है। बास थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए हांसी के नागरिक अस्पताल में भिजवा दिया है। महिला के शव को पहचान के लिए हांसी नागरिक अस्पताल के डेड हाउस में रखवा दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव बड़छप्पर के पास मालवी स्मॉल माइनर में एक बोरी पड़ी हुई मिली। खेतों में जा रहे ग्रामीणों ने बुधवार को माइनर में एक बोरी पड़ी हुई देखी और उसमें बदबू आ रही थी।

मुठभेड़ में जबरा गैंग के चार गुर्गे गिरफ्तार

कुरुक्षेत्र,10 जुलाई (एजेंसियां)। कुरुक्षेत्र में सीआईए-1 की टीम ने सेक्टर-10 में एक निर्माणाधीन इमारत में छुपे जबरा गैंग के चार बदमाशों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। इस मुठभेड़ में एक बदमाश के टांग में गोली भी लगी है, जिसे उपचार के लिए एलए-नजेपी अस्पताल भर्ती कराया गया है। आरोपी अंकित निवासी भगवानपुर जिला सहारनपुर, सोनू निवासी सिरसल जिला कैथल, लक्ष्य व सोनू निवासी गोंदर जिला करनाल के कब्जे से तीन पिस्टल, दो देसी कट्टे, पांच मैगजीन और 28 कारतूस बरामद हुए। चारों बदमाश लाडवा गैंग के निर्मल भुल्लर की हत्या करने के फिराक में सेक्टर-10 में छुपे हुए थे।

पत्रकार वार्ता में पुलिस अधीक्षक जश्नदीप सिंह रंधावा ने बताया कि चारों बदमाश निर्मल भुल्लर की हत्या करने के लिए आए थे। उन्होंने अदालत में पेशी के दौरान भुल्लर की हत्या करने की योजना बनाई थी। इसके लिए बदमाश पिछले कई दिन से अदालत परिसर में रेकी कर रहे थे।

मंगलवार रात करीब नौ बजे सूचना पर सीआईए-एक की टीम ने मौके पर दबिश दी तो बदमाशों ने टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस टीम की जवाबी कार्रवाई में एक गोली बदमाश अंकित की टांग में लग गई। लक्ष्य ने भी टीम पर फायर किया था। बाद में पुलिस ने चारों को काबू कर लिया। आरोपियों के खिलाफ पहले भी मामले दर्ज हैं। सोनू के खिलाफ 2017 में अदालत परिसर करनाल में एक आरोपी पर गोली चलने का मामला दर्ज है। लक्ष्य के खिलाफ शस्त्र अधिनियम व लडाई झगड़े का मामला दर्ज है। आरोपियों को अदालत में पेश करके रिमांड पर लिया जाएगा।

जबरा एनकाउंटर के बाद बढ़ी दुश्मनी

सीआईए-एक के प्रभारी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि जबरा एनकाउंटर के बाद उसके गैंग के गुर्गे निर्मल भुल्लर लाडवा को अपना दुश्मन मानते थे। आरोपियों के मन में रंजिश है कि जबरा एनकाउंटर में निर्मल भुल्लर का हाथ है। उसी ने पुलिस को जबरा के बारे में जानकारी दी थी। ज्ञात हो करीब पांच साल पहले सीआईए करनाल ने बड़गांव के जंगल में जबर उर्फ जबरा निवासी लाडवा का एनकाउंटर किया था। जबरा पर हत्या, हत्या का प्रयास समेत एक दर्जन मामले दर्ज थे। उस पर पांच लाख रुपये का इनाम रखा गया था।

हांसी में जजपा नेता की हत्या

बदमाशों ने सरेआम बरसायीं गोलियां, धरपकड़ के लिए शहर में हुई नाकाबंदी

हिसार,10 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार के हांसी में बुधवार को अज्ञात बदमाशों ने हीरो एजेंसी के मालिक व जजपा नेता की गोलियां मारकर हत्या कर दी। बदमाशों ने उनकी एजेंसी पर आकर 4 से 5 राउंड गोलियां चलाईं। इसी दौरान एजेंसी मालिक रविन्द्र सैनी को गोली लगी। हरियाणा के हिसार के हांसी में बुधवार को अज्ञात बदमाशों ने हीरो एजेंसी के मालिक व जजपा नेता की गोलियां मारकर हत्या कर दी। बदमाशों ने उनकी एजेंसी पर आकर 4 से 5 राउंड गोलियां चलाईं। इसी दौरान एजेंसी मालिक रविन्द्र सैनी को गोली लगी।

हिसार में 15 दिन में वाहन एजेंसी पर गोलीबारी की ये दूसरी वारदात है। इससे पहले इनेलो नेता के महिंद्रा शोरूम में फायरिंग हुई थी। बुधवार शाम को 6 बजे के करीब 2 युवक बाइक पर आए। उनमें से एक युवक ने गोलियां चलानी शुरू कर दी। इसी बीच गोली रविंद्र सैनी को भी लगी। फायर कर युवक अपने दूसरे साथी के साथ बैठ कर फरार हो गया। पुलिस के अधिकारी मौके पर जांच में लगे हैं।

गोपालगंज में बाढ़ से 30 गांव प्रभावित

दर्जनों गांव का जिला मुख्यालय से टूटा संपर्क, मुसीबत बढ़ी

गोपालगंज (एजेंसियां)।

जिले के जगरी टोला गांव सदर प्रखंड के जागीरी टोला पंचायत का एक हिस्सा है, इस गांव की आबादी करीब 1300 के आस पास है। इस गांव में करीब 200 से अधिक कच्चे पक्के मकान हैं। इस गांव में जाने के लिए एक ही रास्ता है। जिला मुख्यालय से 4 किलोमीटर बाइक या बड़े वाहन से मानिकपुर होते हुए ढाला नंबर 86 पहुंचा जा सकता है। बरसात में गंडक में ज्यादा पानी होने की वजह से ढाला नंबर 86 यानी रामनगर गांव के पास गाड़ी से उतरने के बाद करीब 3 किलोमीटर पानी में पैदल चलेंगे तब जाकर जगिरी टोला गांव पहुंचा जाएगा।

वाल्मीकि नगर बराज से जब भी तीन लाख क्यूसेक या उस से ज्यादा पानी छोड़ा जाता है, तब रामनगर की यह सड़क पानी में डूब जाती है। रामनगर से जगरी टोला गांव जाने के पक्की सड़क बनी है, लेकिन यह सड़क पानी भरने से पूरी तरह डूब गई है। सड़क पर कई फीट ऊंचा पानी बह रहा है। जिसकी वजह से इस गांव में जाने के लिए आपको पैदल चलना होगा।

अभी तक जगीरी टोला गांव के कुछ दर्जन लोग ही परिवार के साथ ऊंचाई पर गांव से बाहर पलायन किए हैं, लेकिन अधिकतर आबादी गांव में ही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे ऐसे बाढ़ से भली भांति परिचित हैं। उन्हें हर साल बाढ़ के ऐसे ही हालात से जूझना पड़ता है। बहरहाल गंडक का पानी तेजी से घट रहा है। गांव में लगे ट्रांसफार्मर पानी में डूब गए है। लेकिन वालिमकी नगर बराज से पानी कम छोड़े जाने से अब थोड़ी राहत जरूर है। वाल्मीकि नगर बराज से बहुत कम पानी आने से यह उम्मीद जताई जा रही है कि एक-दो दिन में गंडक नदी का पानी कम हो जाएगा। साथ ही जागीरी टोला सहित बाढ़ से प्रभावित 30 गांव का पानी कम होकर पुनः नदी में चला जाएगा, जिससे जनजीवन सामान्य हो सकता है। फिलहाल अभी जिले के यह 30 गांव बाढ़ से प्रभावित है और लोगों को जिला मुख्यालय आने-जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

वोटिंग के दौरान दो बूथों पर पुलिस और ग्रामीणों की बीच झड़प

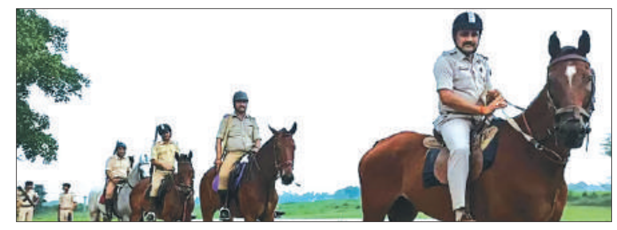

पूर्णिया (एजेंसियां)।

पूर्णिया की रुपौली विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए वोटिंग जारी है। दोपहर तीन बजे तक 42.19 प्रतिशत वोटिंग हुई है। वहीं भवानीपुर प्रखंड क्षेत्र के भंगड़ा मध्य विद्यालय बूथ संख्या 75 और 76 पर पुलिस और ग्रामीणों की बीच झड़प हुई है।

पुलिस की मानें तो बूथ के बाहर लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। पुलिस ने हटने को कहा तो बहस शुरू हो गई। इसके बाद भीड़ ने पुलिस पर पथराव कर दिया। पथराव में चुनाव में ड्यूटी में तैनात पुलिस पदाधिकारी (एसएचओ) तारकेश्वर सिंह सहित एक सिपाही घायल हुए हैं।

वहीं एसएचओ ने कहा कि भीड़ हटाने में कहासुनी हो गई। जिसके बाद लोग पुलिस के जवान से उलझ गए। ग्रामीणों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। इसे नियंत्रित करने में जुटे एसएचओ पर ग्रामीणों ने बांस और बल्ली से हमला कर दिया। जिसमें एसए-चओ का सर पर काफी चोटें आईं है, जबकि सिपाही को मामूली चोट आई है। इससे पहले बूथ संख्या 235 पर वोटिंग के दौरान निर्दलीय प्रत्याशी शंकर सिंह और उनकी पत्नी प्रतिमा देवी की चुनाव पर्यवेक्षक के बीच कहास-ुनी हुई। इसके बाद शंकर सिंह और प्रतिमा देवी दोनों धरने पर बैठ गए।

पटना में नालंदा के छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

आईआईटी की कर रहा था तैयारी, पुलिस जांच में जुटी

पटना (एजेंसियां)।

राजधानी पटना में आईआईटी की तैयारी कर रहे एक छात्र ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। आसपास के छात्रों ने इसकी सूचना शास्त्री नगर थाने को दी। सूचना मिलते ही शास्त्री नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची, हालांकि दरवाजा अंदर से बंद था।

पुलिस ने दरवाजा तोड़कर युवक का शव कमरे से बरामद कर लिया है। मृतक युवक की पहचान नालंदा निवासी सोनू कुमार 17 वर्ष के रूप में हुई है।

शास्त्री नगर थाना प्रभारी ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि मृतक के परिजनों को इसकी सूचना दे दी गई है। जल्दी वे लोग पहुंचने वाले हैं। इस बीच पुलिस ने घटनास्थल पर एफएसएल टीम को बुलाया है और मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी ने बताया कि परिजनों के आने के बाद ही घटना के कारणों का खुलासा हो पाएगा। हॉस्टल में रह रहे सोनू कुमार के दोस्तों ने बताया कि मंगलवार की रात खाना खाने के बाद सोनू अपने कमरे में चला गया और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। इस बीच देर रात किसी छात्र के द्वारा किसी काम से सोनू के दरवाजा को खुलवाने का प्रयास किया गया तो दरवाजा अंदर से बंद था, काफी प्रयास के बाद भी सोनू ने दरवाजा अंदर से नहीं खोला। जब दरवाजे की एक छेद से छात्रों ने देखा तो सोनू का शव पंखे से झूल रहा था। इसके बाद छात्रों ने इसकी सूचना शास्त्री नगर थाना को दी।

वंशवाद में नहीं फंसे नीतीश पर जातिवाद से बच न सके, सोशल इंजीनियरिंग पर भी उठने लगे सवाल

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार वंशवाद में तो नहीं फंसे, लेकिन जातिवादी राजनीति से बच नहीं पाए। समाजवादियों का उत्तराधिकारी बताने वाले नीतीश के राजनीतिक उत्तराधिकारी के रूप में मनीष कुमार वर्मा को चुनने की चर्चा को लेकर नीतीश की सोशल इंजीनियरिंग पर भी सवाल उठने लगे हैं।

दरअसल, मनीष वर्मा नालंदा के कुर्मी और कथित तौर पर नीतीश के दूर के रिश्तेदार हैं। मंगलवार को जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने मनीष वर्मा को जदयू कि सदस्यता दिलाई। इसके बाद से यह चर्चा जोर पकड़ने लगी है कि नीतीश के उत्तराधिकारी मनीष वर्मा होंगे। जदयू में शामिल होने के बाद मनीष वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार को अंधकार से निकलकर प्रकाश में लाए हैं। एक-एक क्षण बिहार और यहां के लोगों के विकास के बारे में सोचते हैं। जदयू में असली समाजवाद जिंदा है, बाकी में परिवारवाद हावी है। हालांकि, नीतीश समाजवादी नेता मुलायम सिंह यादव लालू प्रसाद रामविलास पासवान बीजू पटनायक और कांग्रेस के गांधी परिवार के परिवारवाद की राजनीति का विरोध करते रहे हैं।

परिवारवाद के सख्त विरोधी नीतीश ने अपने बेटे निशांत को राजनीतिक विरासत नहीं सौंपी, पर जब उत्तराधिकारी चुनने की बात आई तो वह जातिवाद से बच नहीं सके। यह एक महत्व-पूर्ण राजनीतिक कदम है। यह निर्णय न केवल कुर्मी समुदाय को सशक्त करेगा, बल्कि नीतीश कुमार की राजनीतिक विरासत को भी सुरक्षित रखेगा।

मनीष ने 2000 में आईएएस ज्वाइन किया और उन्हें ओडिशा कैडर अलॉट किया गया। अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने ओडिशा के अकाल से पीड़ित जिला कालाहांडी में सेवा की और बाद में मलकानगिरी का डीएम बनाए गए। 2012 में नीतीश ने उन्हें अंतरराज्यीय प्रतिनियुक्ति पर बिहार बुलाया और पूर्णिया और पटना का डीएम बनाया। 2017 में मनीष का डेपुटेशन समाप्त हुआ और उन्हें एक साल का विस्तार दिया गया। 2018 में भारत सरकार ने उन्हें ओडिशा वापस जाने का निर्देश दिया, लेकिन मनीष ने 18 साल की सेवा के बाद नौकरी से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति नहीं ली क्योंकि उन्हें 20 साल की सेवा के बाद ही वीआरएस मिल सकता था। इस्तीफा देने के बाद मनीष को पेंशन नहीं मिली, लेकिन नीतीश ने तुरंत उन्हें बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का सदस्य बना दिया। बाद में उन्हें बुनियादी ढांचे के विकास पर सीएम का सलाहकार भी नियुक्त किया गया। 2022 में, नीतीश ने उनके लिए एक नई पोस्ट बनाई और उन्हें मुख्यमंत्री का अतिरिक्त सलाहकार बनाया।

मनीष का सबसे विवादास्पद समय तब आया जब वह 2014 में पटना के डीएम थे। ऐतिहासिक गांधी मैदान में रावण दहन के दौरान हुई भगदड़ में 33 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। बताया जाता है कि घटना के समय मनीष मौर्य होटल में अपने बेटे का जन्मदिन मना रहे थे। इसके बावजूद बिहार सरकार ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की, जिससे यह संकेत मिला कि उनकी जाति और नीतीश के साथ उनके संबंध ने उन्हें बचा लिया।

अग्निवीर बनने के लिए समस्तीपुर के 750 अभ्यर्थियों ने लगाई दौड़, पहले ही दिन दिखाया खूब दमखम

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बुधवार को सेना बहाली के पहले दिन अठज मुजफ्फरपुर द्वारा आयोजित सेना भर्ती रैली के अंतर्गत आने वाले समस्तीपुर जिले के अभ्यर्थी अग्निवीर जीडी श्रेणी के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल हुए। बता दें कि लगभग 3 बजे भर्ती रैली का आगाज हुआ और लगभग शाम 6 बजे से ही अभ्यर्थी भर्ती स्थल पर पहुंचने लगे थे।

जहां सेना भर्ती कार्यालय मुजफ्फरपुर के द्वारा जिला प्रशासन की मदद से ही सभी अभ्यर्थियों के विशाम की उचित व्यवस्था की गई है।

लगभग 1:00 बजे मार्शलिंग एरिया में आगमन के पश्चात अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड एवं अन्य जरूरी दस्तवजों को जांचा गया।

अभ्यर्थियों को सेना के प्रतिनिधियों द्वारा भर्ती प्रक्रिया की पूर्ण रूपरेखा से अवगत करवाया गया। इसके तहत बताया गया कि मार्शलिंग एरिया के बाद बैचिंग एरिया में अलग अलग बैच बनाये जाते है और उसके बाद अभ्यर्थी 1.6 घच् दौड़ में हिस्सा लेते हैं। दौड़ के दौरान अभ्यर्थियों के प्रदर्शन के आधर पर उनकी शरीरिक क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। इस दौड़ मे सफल होने वाले अभ्यर्थियों को बीम तथा जिग-जैग बैलेंस, 09 फुट गड्ढे को पार करना होता है। इस प्रक्रिया के पश्चात अभ्यर्थियों के शारिरिक मापदंडों का मूल्यांकन व दस्तावेजों की गहनता से जांच की जाती है। मेडिकल जांच में सफल उम्मीदवारों का अंतिम मेरिट के आधार पर सेना में चयन होता है।

इस दौरान में क्षेत्रीय भर्ती मुख्यायल दानापुर के भर्ती उपमहानिदेशक ब्रिगेडियर मुकेश गुरुंग सेना मैडल भी आज भर्ती रैली के पहले दिन रैली स्थल पर मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने सेना बहाली की सम्पूर्ण चयन प्रक्रिया एवं रैली स्थल पर अभ्यर्थियों की सुविधा हेतु तमाम व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

शादी के बाद पंडाल खोल रहा था मिस्त्री

अचानक करंट की चपेट में आया दर्दनाक मौत से परिवार गमजदा

मुंगेर (एजेंसियां)।

बेगूसराय में करंट लगने से एक बिजली मिस्त्री की दर्दनाक मौत हो गई।

इस मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। घटना डंडारी थाना क्षेत्र के राजपुर मटरमाला गांव की है।

मृतक बिजली मिस्त्री की पहचान डंडारी थाना क्षेत्र के सुघरण गांव के रहने वाले वशिष्ठ नारायण महतो का पुत्र नीतीश कुमार के रूप में की गई है।

परिजनों ने बताया है कि राजुपपुर कटारमल गांव में एक शादी समारोह में पंडाल निर्माण करने के लिए गया था। जब शादी समारोह समाप्त होने के बाद पंडाल खोल रहा था। इस दौरान बिजली के पोल में सट जाने के कारण करंट की चपेट में नीतीश कुमार आ गया। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

परिजनों ने बताया है कि बिजली विभाग की लापरवाही के कारण बिजली के पोल में पहले से तार टूटा हुआ था। जिसके कारण नीतीश कुमार पंडाल खोलने के दौरान उसी बिजली पोल के तार में सट गया। जिसके कारण से उसकी मौत हो गई।

फिलहाल इस मौत के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। वहीं स्थानीय लोगों ने इस घटना की सूचना डंडारी थाना पुलिस को दी। मौके पर डंडारी थाने की पुलिस ने पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

अपनी जानकारी के अनुसार मिनट तक नीतीश कुमार मजदूरी कर पूरे परिवार को भरण पोषण किया करता था।

इस संबंध में डंडारी थाना अध्यक्ष ने बताया है कि बिजली मिस्त्री की करंट के चपेट में आने से मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि पंडाल खोलने के दौरान बिजली के पोल में सट जाने के कारण करंट की चपेट में आ गया था। जिससे उसकी मौत हो गई है।

बूढ़ी गंडक नदी का बढ़ा जलस्तर, दहशत में आए लोग जुगाड़ की नाव बनी आसरा

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

जिले के अंदर प्रवाहित होने वाली नदियों में शामिल गंडक, बूढ़ी गंडक और बागमती नदी में लगातार जलस्तर में वृद्धि के साथ अब एक बार फिर से बाढ़ का खतरा बना हुआ है। लगातार हो रही हुई बारिश से इसका असर नदी के पास में रहने वाले लोगों पर पड़ने लगा है। इसके बाद अब जलस्तर में तेजी से इजाफे के बाद

आम आदमी अब अपनी थर्मोकोल की बनी हुई नाव का सहारा ले रहे हैं। इसके साथ ही शहरी क्षेत्रों के आश्रम घाट, सीढ़ी घाट और उसके आसपास के लोग जलस्तर में वृद्धि के साथ पलायन करने की तैयारी में है। स्थानीय लोग आने जाने के लिए जुगाड़ नाव का सहारा ले रहे हैं और जिला प्रशासन की ओर से नाव की व्यवस्था करने की मांग कर रहे हैं। ग्रामीण बता रहे हैं कि अगर लगातार पानी बढ़ता रहा तो हम जल्द ही घर खाली कर देंगे। वहीं स्थानीय महिला चिंकी देवी ने कहा की हम लोग दहशत में जी रहे हैं।

पानी भरे गड्ढे में डूबने से युवक की हुई मौत, परिजनों में मचा कोहराम

गोपालगंज (एजेंसियां)।

जिले में एक युवक की मौत पानी भरे गड्ढे में डूबने से हो गई। बताया जाता है की मृतक मंगलवार की सुबह चंवर की ओर गया था। इसी दौरान वह पैर धोने के लिए पानी भरे गड्ढे के पास पहुंचा, तभी उसका पैर फिसल जाने के कारण वह उसी में डूबने लगा। आस पास किसी के नहीं होने के कारण वह बच नहीं सका, जिससे उसकी मौत हो गई।

वहीं देर शाम तक जब वह घर नहीं लौटा तो परिजनों को काफी चिंता सताने लगी। काफी खोजबीन किया गया, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चल सका।

इसी बीच खोजबीन के दौरान कुछ लोग चंवर की ओर गए, तो उसका शव देखकर पुलिस को सूचना दी गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को तालाब से बाहर निकलवाकर देर रात सदर अस्पताल गोपालगंज भेज दिया। मौत की खबर परिजनों को मिलते ही परिजन दहाड़ मारकर रोने लगे।

वहीं इस मामले में में कटेया थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्प-ताल गोपालगंज के लिए भेज दिया गया। अभी किसी तरह का कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलते ही आवेदन एवं पोस्टमार्टम की रिपोर्ट पर जांच पड़ताल कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। मृतक की पहचान कटेया थाना क्षेत्र के खुदीछापर गांव निवासी 41 वर्षीय तेजेश्वर सोनार उर्फ माझी सोनार के रूप में की गई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com